



जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति
नवलपरासी (वर्दघाट सुस्ता पूर्व)

जिल्ला विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना २०७८ नवलपरासी (वर्दघाट सुस्ता पूर्व)



जिल्ला प्रशासन कार्यालय
नवलपरासी (वर्दघाट सुस्ता पूर्व)



०७८-५४०७९९

०७८-५४०६९७

Email: cdonawalpur2074@gmail.com

जिल्ला प्रशासन कार्यालय

नवलपरासी (बर्दघाट-सुस्ता पूर्व)

कावासोती

पत्र संख्या : ०७८/७९

च.नं. :

मिति : २०७९।०२।१९

भूमिका

नेपालको मध्य भागमा अवस्थित यस जिल्ला भौगोलिक विविधता तथा प्राकृतिक सुन्दरताका साथै ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक दृष्टिले पनि महत्वपूर्ण रहेको छ । प्रकृति र साँस्कृतिक सम्पदायुक्त भूमि भएतापनि प्राकृतिक तथा गैरप्राकृतिक विपद्को दृष्टिले यो जिल्ला जोखिमपूर्ण अवस्थामा छ । बाढी पहिरो, नदिकटान, डुबान, आगलागी, हावाहुरी, चट्याङ्ग, खडेरी, शीतलहर, जंगली जनावरको आक्रमण, सडक दुर्घटना, महामारी आदि विपद् निम्त्याउने मुख्य प्रकोपजन्य घटना घट्ने गरेको विगतका वर्षहरूको अनुभवले देखाएको । सबै स्तरमा विकासले विनाश ननिम्त्याओस भनी पूर्व सतर्कता अपरिहार्य देखिएको छ । साथै प्राविधिक डिजाइनको दीगोपना र आधारभूमि केन्द्रित संरचना विकास नभएमा हाम्रो लगानी बालुवामा पानी खनाए सरह पनि हुन सक्ने तर्फ सबैको ध्यान जान जरुरी छ ।

विकासको बढ्दो गतिका बीच विपद्जन्य जोखिमको न्यूनिकरण तथा रोकथाम गरी प्रभावकारी व्यवस्थापन आजको आवश्यकता हो । प्राकृतिक तथा गैरप्राकृतिक विपद्बाट सर्वसाधारणको जीउज्यान र सार्वजनिक, निजी तथा व्यक्तिगत सम्पत्ति, प्राकृतिक एवम् साँस्कृतिक सम्पदा र भौतिक संरचनाको संरक्षण गर्न विपद् जोखिम न्यूनिकरण तथा व्यवस्थापन लगायतका कार्यमा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिले समग्र नेतृत्व गर्दै यस सम्बन्धी कार्य सम्पादन गर्दै आएको छ । यस जिल्लामा विपद् व्यवस्थापन यावत् कार्यलाई योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित ढंगले अघि बढाउने उद्देश्यले यस अवधिको लागि मूल दस्तावेजको रूपमा "जिल्ला विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना (District Disaster Preparedness and Response Plan)" तयार गरी प्रकाशन गर्न पाउँदा खुशी लागेको छ ।

यिनै परिवेशमा जिल्लाको समग्र अवस्थाको लेखाजोखा गरी घट्टन सक्ने मुख्य प्रकोप एवं आउन सक्ने विपद्को आंकलन एवं प्रक्षेपण गर्दै निकायगत जिम्मेवारी किटान गरी नेतृत्वदायी र सम्बद्ध निकायको भूमिका र गरिनुपर्ने क्रियाकलाप समावेश गरी सरोकारवालासंगको छलफल र सहभागितामा विभिन्न ७ (सात) परिच्छेदमा आधारभूत विषय समेटी तयार गरी जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिबाट मिति २०७९।०२।१९ मा स्वीकृत यस योजनामा सम्बद्ध सबैको अपनत्व समेत रहेकोले पूर्वतयारी एवं खोज उद्धार, राहत तथा पुनर्स्थापना जस्ता प्रतिकार्य सहित विपद् व्यवस्थापनका कार्यहरू सञ्चालन गर्न/गराउन र जिल्लालाई विपद्जन्य घटनाबाट जोगाउन यो योजना महत्वपूर्ण एवं मार्गदर्शक हुने अपेक्षा गरेको छ ।

अन्त्यमा यो योजना तयार गर्न खटिनु हुने जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिका पदाधिकारी, सहजीकरणको भूमिका निर्वाह गर्ने जिल्ला अगुवा सहयोगी निकाय (District Lead Support Agency/DLSA) सहमति-जैडाकोट, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, प्रत्यक्ष र परोक्षरूपमा सहयोग पुर्याउनु हुने सम्पूर्णमा विशेष धन्यवाद एवं आभार व्यक्त गर्दै आगामी दिनमा यस योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा पनि सबैको महत्वपूर्ण योगदान रहने अपेक्षा सहित यसको कार्यान्वयनको शुभकामना व्यक्त गर्दछु । धन्यवाद ।

(सुमन घिमिरे)

प्रमुख जिल्ला अधिकारी

विषय सूची

शब्द संक्षेप

४

खण्ड १

परिचय

| | | |
|-----|--|---|
| १ | पृष्ठभूमि | ५ |
| १.१ | योजनाको परिचय | ५ |
| | १.१.१ विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना | ५ |
| | १.१.२ विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको उद्देश्य | ६ |
| | १.१.३ योजनाको आवश्यकता तथा महत्व | ६ |
| | १.१.४ योजनाको लक्षित समूह | ६ |
| | १.१.५ योजनाका सीमा | ६ |
| | १.१.६ विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा प्रक्रिया र सहभागिता | ७ |
| १.२ | सन्दर्भ सामाग्रीहरूको अध्ययन | ७ |

खण्ड २

जिल्लाको विपद् जोखिम विश्लेषण

| | | |
|-----|---|----|
| २ | जिल्लाको वस्तुस्थिति | ९ |
| २.१ | नवलपरासी वर्दघाट सुस्तामा विगतमा घटेका विपद्का घटनाक्रम | १० |
| २.२ | प्रकोपको स्तरीकरण | १० |
| २.३ | पालिका अनुसार विपद्बाट हुन सक्ने संकटभिमूखताका अवस्थाहरू | ११ |
| | २.३.१ उच्च संकटासन्न अवस्थामा रहेका गाउँपालिका तथा नगरपालिका वडाहरू समुदाय | ११ |
| | २.३.२ मध्यम संकटासन्न अवस्थामा रहेका गाउँपालिका तथा नगरपालिका वडाहरू समुदाय | १२ |
| | २.३.३ न्यून संकटासन्न अवस्थामा रहेका गाउँपालिका तथा नगरपालिका वडाहरू र समुदाय | १२ |
| २.४ | विषयत क्षेत्रको अगुवा तथा सहयोगी संस्थाको विवरण | १२ |
| २.५ | विषयगत अगुवा तथा नेतृत्वदाय संस्थाको भूमिका तथा जिम्मेवारी | १४ |

खण्ड ३

जिल्लास्थित स्रोत, साधनको आकलन

| | | |
|-----|---|----|
| ३.१ | जिल्ला तहमा हाल उपलब्ध साधन, स्रोतहरूको विवरण | १६ |
| ३.२ | स्थानीय निकायहरूमा विपद्को समयमा प्रयोग गर्न सकिने साधन तथा उपकरणको विवरण | १७ |
| ३.३ | विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य सम्बन्धी योजना अन्तर्गत विषयगत क्षेत्रहरू | १८ |

खण्ड ४

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य सम्बन्धी योजना

| | | |
|-----|---|----|
| ४.१ | समन्वय तथा सूचना संकलन व्यवस्थापन क्षेत्र | १९ |
| | ४.१.१ प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि (आपतकालीन परिस्थितिको अवधिमा) | १९ |
| | ४.१.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (संकटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले) | २० |
| | ४.१.३ समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट | २१ |
| ४.२ | स्रोत र उद्धार | २२ |
| | ४.२.१ आपतकालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि (विपद्को अवधिमा) | २२ |
| | ४.२.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (विपद्/संकटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले) | २३ |
| | ४.२.३ खोज तथा उद्धार क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट | २४ |
| ४.३ | कृषि तथा खाद्य व्यवस्थापन क्षेत्र | २५ |
| | ४.३.१ आपतकालीन प्रतिकार्यसम्बन्धी गतिविधि: विपद्को अवधिमा | २५ |
| | ४.३.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (विपद्/संकटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले) | २६ |
| | ४.३.३ खाद्य क्षेत्रका लागि अनुमानित बजेट | २७ |
| ४.४ | आपतकालीन आवास तथा गैर खाद्य सामाग्री क्षेत्र | २८ |
| | ४.४.१ आपतकालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, आपतकालीन परिस्थितिको अवधिमा | २८ |
| | ४.४.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारीसम्बन्धी गतिविधि (संकटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले) | २९ |
| | ४.४.३ आवास तथा गैर खाद्य सामाग्री क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट | ३० |
| ४.५ | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र | ३० |
| | ४.५.१ आपतकालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, विपद् (आपतकालीन परिस्थिति) को अवधिमा | ३१ |
| | ४.५.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि संकटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले | ३२ |
| | ४.५.३ खानेपानी, सरसफाई तथा स्वास्थ्य प्रवर्द्धन क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट | ३४ |
| ४.६ | स्वास्थ्य तथा पोषण व्यवस्थापन क्षेत्र | ३४ |
| | ४.६.१ आपतकालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, विपद् (आपतकालीन परिस्थिति) को अवधिमा | ३५ |
| | ४.६.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (विपद्/संकटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले) | ३७ |
| | ४.६.३ स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट | ३८ |

| | | |
|-----|---|----|
| ४.७ | आपतकालीन शिक्षा क्षेत्र | ३९ |
| | ४.७.१ आपतकालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, आपतकालीन परिस्थितिको अवधिमा | ३९ |
| | ४.७.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (विपद परिस्थितिभन्दा पहिले) | ४१ |
| | ३.७.३ शिक्षा क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट | ४३ |
| ४.८ | संरक्षण नीति | ४३ |
| | ४.८.१ आपतकालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, आपतकालीन परिस्थितिको अवधिमा | ४४ |
| | ४.८.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (विपद परिस्थिति भन्दा पहिले) | ४६ |
| | ४.८.३ संरक्षण क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट | ४७ |

खण्ड ५

मानवीय सहयोगका मापदण्डहरू

| | | |
|-----|--|----|
| ५.१ | समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्डहरू | ४८ |
| ५.२ | खोज तथा उद्धार क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड | ४८ |
| ५.३ | खाद्य क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड | ४८ |
| ५.४ | आवास तथा गैरखाद्य सामाग्री क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड | ४८ |
| ५.५ | खानेपानी, सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड | ४९ |
| ५.६ | स्वास्थ्य तथा पोषण व्यवस्थापन क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड | ४९ |
| ५.७ | शिक्षा क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड | ४९ |
| ५.८ | संरक्षण क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड | ५० |

खण्ड ६

कार्यान्वयन तथा पुनरावलोकन रणनीति

| | | |
|-----|--|----|
| ६.१ | विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना क्रियाशिल हुने | ५१ |
| ६.२ | विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना कार्यान्वयन योजना | ५१ |
| ६.३ | विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको नियमित समिक्षा तथा अद्यावधि | ५१ |

खण्ड ७

प्रतिवेदन तथा अगिलेखन

| | | |
|-----|----------------------|----|
| ७.१ | प्रतिवेदन तथा सञ्चार | ५२ |
| ७.२ | संस्थागत व्यवस्था | ५२ |
| ७.३ | अभिलेखीकरण | ५२ |
| ७.४ | अनुमोदन प्रक्रिया | ५२ |

अनुसूचीहरू

| | | |
|------------|---|----|
| अनुसूची १ | : समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन क्षेत्र सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण | ५३ |
| अनुसूची २ | : खोज, उद्धार सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण | ५३ |
| अनुसूची ३ | : खाद्य व्यवस्थापन क्षेत्र सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण | ५३ |
| अनुसूची ४ | : आवास तथा गैर खाद्य सामाग्री क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण | ५४ |
| अनुसूची ५ | : खानेपानी तथा सरसफाई क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण | ५५ |
| अनुसूची ६ | : स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति, संस्थाको विवरण | ५५ |
| अनुसूची ७ | : शिक्षा क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण | ५५ |
| अनुसूची ८ | : संरक्षण क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण | ५६ |
| अनुसूची ९ | : जिल्ला स्थित राष्ट्रिय राजनैतिक दलहरूको सम्पर्क सूचि | ५६ |
| अनुसूची १० | : जिल्ला स्थित नेपाली सेना, गण, व्यारेक, गुल्म र सुरक्षा वेशहरूको विवरण | ५७ |
| अनुसूची ११ | : जिल्ला प्रहरी कार्यालय नवलपुर र मातहत कार्यालय प्रमुखहरूको विवरण | ५७ |
| अनुसूची १२ | : जिल्ला स्थित शसस्त्र प्रहरी बर्ली नवलपुरासी र मातहत कार्यालय प्रमुखहरूको विवरण | ५७ |
| अनुसूची १३ | : जिल्लामा सञ्चालित एम्बुलेन्सहरूको सम्पर्क सूची | ५८ |
| अनुसूची १४ | : स्वास्थ्य क्षेत्र सम्पर्क सूचि | ६० |
| | १४.१ स्थानीय तहका स्वास्थ्य शाखाको सम्पर्क सूचि | ६० |
| | १४.२ अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वास्थ्य तथा उपस्वास्थ्य चौकीहरूको सम्पर्क सूची | ६० |
| अनुसूची १५ | : संचारकर्मीहरूको सम्पर्क सूची | ६१ |
| अनुसूची १६ | : नगर/गाँउ पालिका प्रमुख/अध्यक्ष तथा प्रमुख प्रशासकिय अधिकृतको सम्पर्क सूची | ६२ |
| अनुसूची १७ | : आपुर्तिकर्ताहरूको सम्पर्क विवरण (केही) | ६३ |
| अनुसूची १८ | : जिल्लामा उपलब्ध हेलिप्याडको विवरण | ६३ |
| अनुसूची १९ | : नेपाल रेडक्रस उपशाखाहरूको सम्पर्क सूची | ६३ |
| अनुसूची २० | : संकटासन्न गाउँपालिका तथा नगरपालिका अन्तर्गतका विद्यालयहरूको सम्पर्क सूची | ६४ |
| अनुसूची २१ | : प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा फारम (Initial Rapide Assessment Form /IRA) | ६५ |

शब्द सांक्षेप

| | |
|-----------------|--|
| का.अ. | कार्यक्रम अधिकृत |
| कृज्ञाके | कृषि ज्ञान केन्द्र |
| गा.पा. | गाउँपालिका |
| गै.स.स. | गैर सरकारी संस्था |
| जि.स.स. | जिल्ला समन्वय समिति |
| जि.वि.व्य.स | जिल्ला विपद व्यवस्थापन समिति |
| जि.स.अ. | जिल्ला समन्वय अधिकारी |
| डिबका | डिभिजन वन कार्यालय |
| न.पा. | नगरपालिका |
| नेरेसो | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी |
| प्रजिअ | प्रमुख जिल्ला अधिकारी |
| पूर्विका | पूर्वाधार विकास कार्यालय |
| भे.अ.प.से.वि.के | भेटेनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र |
| स्वा.का. | स्वास्थ्य कार्यालय |
| स.प्र.जि.अ. | सहायक प्रमुख जिल्ला अधिकारी |
| शि.वि.स.ई. | शिक्षा विकास समन्वय इकाई |
| ARI | Acute Respiratory Infection |
| CCCM | Camp Coordination and Camp Management |
| DCC | District Coordination Committee |
| DDMC | District Disaster Management Committee |
| FCHV | Female Community Health Volunteer |
| MIRA | Multi Sectorial Initial Rapid Assessment |
| NRCS | Nepal Red Cross Society |

१ . पृष्ठभूमि :

नेपालमा हरेक वर्ष बाढी, पहिरो, आगलागी, महामारी, हावाहुरी, शीतलहर, लु (तातो हावा) चल्नु जस्ता विभिन्न प्रकारका विपद्हरूको सामना गरिरहनु परेको छ। गृह मन्त्रालय र यू.एन.डि.पि को श्रोत अनुसार नेपालमा हरेक वर्ष ४२० वटा विपद्का घटनाहरू घटने, १ हजार जनाको मृत्यु हुने, १ लाख ३५ हजार प्रभावित हुने, १६ हजार परिवार विस्थापित हुने र ठूलो संख्यामा भौतिक क्षति हुने तथ्यांक छ। त्यसैगरी नेपालका २ हजार ३ सय १५ वटा हिमताल मध्ये २२ वटा विष्फोट हुने खतरामा रहेका छन् (ICIMOD /UNEP 2000)। विपद्को हिसावले नेपाल संसारमा अति संवेदनशील (HotSpot) क्षेत्रमा अवस्थित छ। विश्वमा विपद्को कारणले जोखिममा रहेका २० वटा देशहरूमा नेपाल पनि पर्दछ। जलवायु परिवर्तनको प्रभावबाट हुने विपद्मा विश्वमा नेपाल चौथो स्थानमा, भूकम्पको दृष्टिले ११औं र बाढी/पहिरोको दृष्टिले ३० औं स्थानमा पर्दछ भने दुई वा दुईभन्दा बढी विपद्को सामना गर्ने देशमा नेपाल दोश्रो स्थानमा पर्दछ।

देशको भौगर्भिक, भौगोलिक तथा हावापानीजन्य अवस्थाले गर्दा बहुसङ्ख्यक नेपालीहरू हर समय एक वा अर्को विपद्को सम्भावित जोखिमयुक्त अवस्थाबाट गुज्रिरहेका हुन्छन्। नेपाल मनसुनी बाढी, पहिरो तथा महामारीबाट वर्षेनी प्रभावित हुने गरेको छ। यसका अतिरिक्त भूकम्प, आगलागी, सुख्खा/खडेरी, अनिकाल, हिमताल विष्फोटनबाट हुने बाढी, हावाहुरी, असिना, चट्याङ्ग, उष्ण तथा शीतलहर आदि जस्ता विपद्ले सधैं सङ्कटासन्न (vulnerable) अवस्था रहेको छ। बारम्बार घटिरहने विपद्ले गर्दा देशको विकास प्रयास तथा गरिवी निवारणलाई नकारात्मक असर परिरहेको छ। यस्ता विपद्का कतिपय संभावित घटनाहरूलाई संरचनागत एवं गैरसंरचनागत उपायद्वारा अल्पीकरण गर्न सरकारी, गैरसरकारी एवं निजीक्षेत्रको संयुक्त प्रयासबाट सकिन्छ। यस प्रकारका अल्पीकरण गर्न नसकिने संभावित विपद्लाई सामना गरी प्रभावकारी रूपमा प्रतिकार्य गर्न र जनधनको क्षतिलाई न्यून गर्दै पुनर्लाभ कार्य गर्नका लागि राष्ट्रियस्तर र जिल्लास्तरमा व्यवस्थित पूर्वतयारीको ठूलो महत्व रहन्छ। त्यसकारण जनधनको सुरक्षार्थ तथा विकासको प्रतिफललाई दिगो राख्नका लागि जिल्लास्तरमा विपद् पूर्वतयारी एवं प्रतिकार्य योजना (Disaster Preparedness and Response Plan (DPRP) बनाई भविष्यमा आइपर्ने विपद्को लागि पूर्वतयारी अवस्थामा रहने र विपद्को अवस्थामा प्रभावित परिवारहरूलाई तत्काल मानवीय सेवा उपलब्ध गराउनु पर्ने देखिन्छ।

१.१ योजनाको परिचय

वर्तमान समयमा विपद्को सामना गर्ने क्षमताको विकास राष्ट्रिय र स्थानीय आवश्यकताको रूपमा देखा परेको छ। राष्ट्रिय स्तरमा विपद्को सामना गर्ने क्षमताको विकासका साथ साथै स्थानीय निकायका समस्यालाई प्रभावकारी रूपमा सम्बोधन गर्ने प्रयास भइरहेको छ। सरकारबाट प्रारम्भ भएका विपद् जोखिम न्यूनिकरणका प्रयासलाई सघाउनु र विकास प्रक्रियामा सबै सरोकारवालाहरूसँग सहकार्य गर्नु पर्ने आजको आवश्यकता देखिएको छ। राष्ट्रिय तहबाट तर्जुमा हुने योजनालाई स्थानीयस्तरमा कार्यान्वयनका साथै स्थानीय तहमा बनेका सहभागितामूलक योजनालाई समेटेर राष्ट्रिय योजना तर्जुमा हुँदा त्यसमा जनताको प्रत्यक्ष सहभागिताको प्रत्याभूति हुन जान्छ।

नवलपरासी वर्दघाट सुस्ता पूर्व जिल्लामा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको पहलमा विभिन्न सरोकारवालाहरूसँगको अन्तरक्रिया मार्फत २०७८ सालमा निर्माण गरिएको योजनालाई परिमार्जन गरी विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना बनाउनका लागि मिति २०७९ साल जेठ ४ गते मा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति नवलपरासी वर्दघाट सुस्ता पूर्वको पहलमा सरोकारवालाहरूको बैठक सम्पन्न भई आवश्यकता अनुसार परिमार्जनको विषयमा छलफल र सुझाव प्राप्त भएको थियो। उक्त बैठक प्रश्चात आवश्यकता अनुसार सबै सरोकारवाला निकायहरू, स्थानीय तह, सुरक्षा निकाय, विषयगत क्षेत्रका अगुवाहरूबाट सुचना लिई २०७९ जेष्ठ १९ गते जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठक बसी योजनालाई अनुमोदन गरीकार्यन्वयनमा ल्याएको छ।

१.१.१ विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना

विपद्का घटनाबाट हुने क्षति कम गर्न र विपद्मा परेका व्यक्ति तथा समुदायको तत्काल खोजी र उद्धार गरी मानवीय सहयोग उपलब्ध गराउनका लागि जिल्लास्तरमा र स्थानीयस्तरमा रहेका सरकारी, गैरसरकारी निकाय, निजी क्षेत्रको जिम्मेवारी बाँडफाँड गरिएको योजनाबद्ध खाका नै विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना हो।

१.१.२ विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको उद्देश्य

सम्भावित विपद्का घटनाले निम्त्याउन सक्ने विपद्को अवस्था आउन नदिन, विपद्बाट हुने जनधनको क्षति न्यूनिकरण गर्न, आइहाले पनि त्यसको सामना गर्न र विपद्को समयमा मानिसमाथि पर्ने प्रतिकूल प्रभावको सामना गर्न स्थानीय स्रोतको अधिकतम उपयोग गर्दै विभिन्न क्षेत्रसँग समन्वय गरी प्रभावित समुदायलाई व्यवस्थित, प्रभावकारी, जवाफदेहीयुक्त मानवीय सहयोग उपलब्ध गराउनु यस योजनाको मूल उद्देश्य रहनेछ ।

यस योजनाका उद्देश्य निम्नानुसार छन् ।

- विपद्बाट हुने क्षति कम गर्न समुदायमा पूर्वतयारी कार्यहरू गर्नु,
- विपद्मा परेका व्यक्ति, परिवार र समुदायलाई तत्काल उद्धार गरी मानवीय सहयोग उपलब्ध गराउनु,
- विपद्बाट प्रभावित समुदायलाई सुरक्षित स्थानमा सम्मानजनक जीवनयापनका लागि आधारभूत सहयोग उपलब्ध गराउनु,
- उपलब्ध न्यूनतम साधन-स्रोतको अधिकतम उपयोग गर्दै आवश्यक पर्ने थप साधन-स्रोतको खोजी गरी नेपाल सरकार र जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिबाट भएका निर्णयको कार्यान्वयन गर्न सरोकारवाला निकाय तथा सङ्घसंस्थासँग समन्वय गरी विपद् प्रभावित समुदायलाई सहयोग उपलब्ध गराउनु ।

१.१.३ योजनाको आवश्यकता तथा महत्व

विपद् व्यवस्थापन भित्र गरिने विभिन्न चरणका कार्यमध्ये पूर्वतयारी विपद् आउनुभन्दा अगाडि र प्रतिकार्य योजना विपद् परे लगत्तै स्थिति सामान्य नभएसम्म कार्यान्वयन हुन्छ । विपद्को यो समय ज्यादै संवेदनशील हुने भएकोले यस समयमा गरिने मानवीय सहयोग महत्वपूर्ण रहने हुनाले यस योजनाको ठूलो महत्व रहन्छ ।

आपत्कालीन योजनाका निम्न महत्वले यसको आवश्यकता पुष्टि गर्दछ ।

- योजनाले विपद्को समयमा मानवीय सहयोगलाई व्यवस्थित गर्ने सुनिश्चितता दिन्छ ।
- विपद्को जोखिम कम गर्न सरोकारवाला र समुदायलाई हातेमालो गर्ने प्रेरणा दिन्छ ।
- प्रभावितलाई आफ्नो अधिकार र दायित्वको बारेमा सचेत गराउँछ ।
- उद्धार र राहतजस्ता कार्यमा प्रभावित समुदायको समान पहुँचको प्रत्याभूति गर्छ ।
- आपत्कालीन समयमा सूचना र जानकारी प्रक्षेपणलाई व्यवस्थित गर्न सहयोग गर्छ ।
- सामाजिक, सांस्कृतिक मर्यादा तथा सद्भाव अभिवृद्धि गर्न सहयोग गर्छ ।
- स्रोतको सही सदुपयोग गर्ने मार्गदर्शन दिन्छ ।
- क्षेत्रगत रूपमा कामको बाँडफाँड हुने हुँदा मानवीय सहयोग पारदर्शी, प्रभावकारी र व्यवस्थित हुनुको साथै सेवाप्रदायकमा जवाफदेही र उत्तरदायित्वको भावनाको विकास गराउँछ ।

१.१.४ योजनाको लक्षित समूह

यस योजनाले लक्षित गरेको समूह निम्नानुसार रहेका छन् :

- बर्दघाट सुस्ता पूर्व जिल्ला अर्न्तगतका ४ नगरपालिका र ४ गाँउपालिकाका संकटासन्न समुदाय र व्यक्तिहरू ।
- मानवीय सहयोगका कार्यमा नेपाल सरकार पहिलो जिम्मेवार निकाय भएकोले सरकार र यसका सबै निकाय
- जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, क्षेत्रगत नेतृत्व र सदस्यहरू ।
- जिल्लाभित्र विपद् व्यवस्थापनमा काम गर्ने राष्ट्रिय, स्थानीय गैरसरकारी संस्था, दातृ निकाय र निजी क्षेत्रहरू ।

१.१.५ योजनाका सीमा

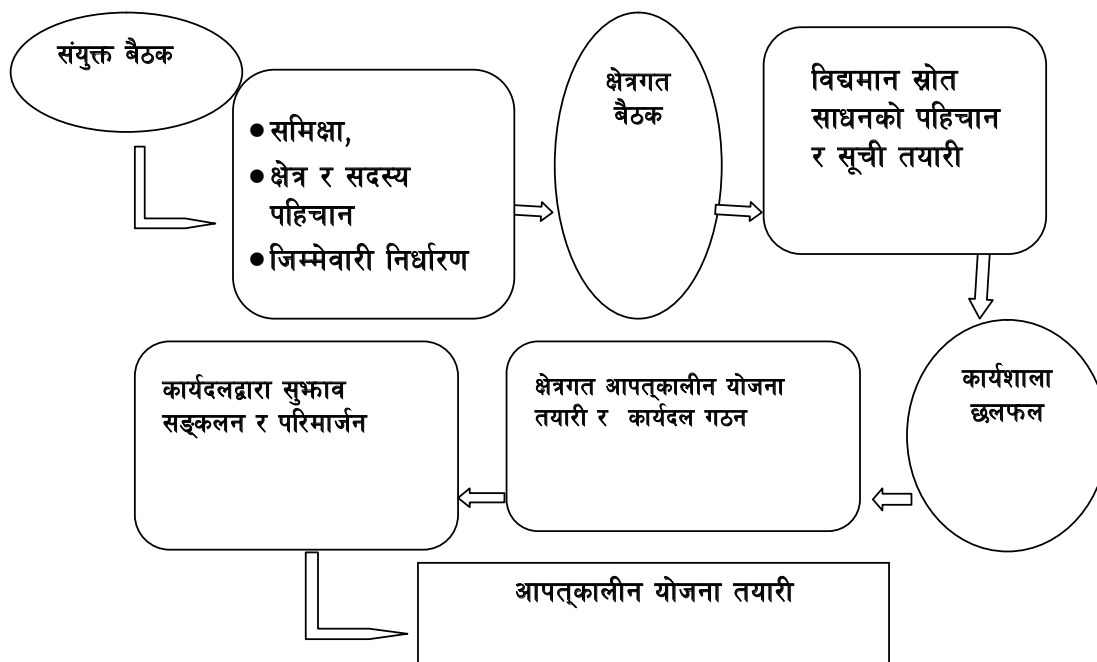
यस योजनाका निम्नानुसार सीमा रहेका छन् :

- यस योजनामा जोखिममा रहेका स्थानहरू पहिचान गरिएता पनि जिल्लाको जुनसुकै स्थान प्रभावित हुनसक्ने सम्भावना रहेको हुन्छ ।
- यो योजना विकास-निर्माणसँग सम्बन्धित नभएर विपद्को समयमा कार्यान्वयनमा आउने भएकाले अन्य समयमा पूर्वतयारी गतिविधिहरूमा जोड दिनुपर्दछ ।
- योजना राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय मान्यताअनुरूप क्षेत्रगत ९ऋगिकतभच० अवधारणा अन्तर्गत तर्जुमा गरिएको छ । जिल्ला स्थित सरकारी निकाय, संस्थाले आफ्नो नेतृत्वलाई प्रभावकारी नबनाएमा क्षेत्रगत अवधारणाको कार्यान्वयन कमजोर हुनेछ ।

- प्रतिकार्य योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिलाई क्षेत्रगत रूपमा जनशक्ति तयार गर्न समय लाग्नेछ र त्यसको लागि स्रोतको खोजी गर्नु पर्ने अवस्था रहन्छ ।

१.१.६ विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा प्रक्रिया र सहभागिता

योजना तर्जुमा विधि निम्न रेखा चित्रद्वारा स्पष्टसँग बुझ्न सकिनेछ :



जिल्ला विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना, २०७९, नवलपरासी (बर्दघाट- सुस्ता पूर्व) ७

१.२. सन्दर्भ सामाग्रीहरूको अध्ययन

यस योजना निर्माण गर्ने क्रममा विभिन्न बैठक तथा कार्यशालाहरू आयोजना गरी प्राथमिकता सुचनाहरू सङ्कलन गरिएका भएता पनि विभिन्न द्वितीय श्रोतहरू बाट समेत सुचना संकलन गरिएको थियो जसमध्ये मुख्य सुचना श्रोतहरू तपसिल अनुसार रहेका छन् ।

| क्र.सं. | अध्ययन गरिएको सामग्री | पूर्व असल अभ्यासहरू | मुख्य सिकाई | कुनै सुझाव भए |
|---------|---|--|---|---|
| १. | विपद् व्यवस्थापन राष्ट्रिय रणनीति, २०६६ | जिल्ला स्तरमा योजना बनाउन सजिलो | पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य दुवैमा कार्य गर्नुपर्ने | <ul style="list-style-type: none"> समुदाय स्तरमा समेत योजना बनाई कार्य गर्नुपर्ने |
| २. | जिल्ला आपतकालीन योजना, २०७८ नवलपरासी | एकद्वार प्रणाली अनुसार बाढीको समयमा कार्य गर्न सजिलो भएको क्षेत्रगत अवधारणामा (Cluster Approach) तयार भएको हुँदा कार्य गर्न सहज भएका | क्षेत्रगत अवधारणामा कार्य गरिँदा विषयगत क्षेत्रको जिम्मेवारी बढ्ने साथै स्रोतहरू उपलब्धता हुने सम्भावना बढी रहने परिचालन प्रभावकारी, पूर्वतयारी कार्य, सुचना संकलनमा सहयोग हुने | <ul style="list-style-type: none"> आपतकालीन कोषको स्थापना गर्नुपर्ने विषयगत क्षेत्रमा बजेटको व्यवस्था गर्नुपर्ने नियमित बैठक बसी पुनरावलोकन तथा समीक्षा गर्नुपर्ने अद्यावधिक कार्य समयमा नै सुरु गर्नुपर्ने विषयगत क्षेत्रको बैठक त्रैमासिक रूपमा बस्नुपर्ने |

| | | | | |
|----|---|--|--|--|
| ३. | सम्बन्धित गाउँपालिका र नगरपालिकाको तथ्यांक | योजना निर्माण गर्दा गाउँपालिका र नगरपालिकाको तथ्यांकको आधारमा निर्माण गरिएको | जोखिम तथा संकटासन्नता स्तरीकरण गर्न सहयोग पुगेको | गाउँपालिका र नगरपालिका स्तरीय विपद् व्यवस्थापन योजना बनाउनु पर्ने |
| ४. | विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना, निर्देशिका २०११ | अवधारणागत विषयवस्तुको बारेमा जानकारी उपलब्ध रहेको | योजना निर्माणका चरण तथा सिलसिलेवार तहको बारेमा स्पष्ट भएको | विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना निर्माण प्रक्रिया निश्चित हुनुपर्ने । |
| ५. | विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना, २०७७ | विषयगत समितिहरूको अवधारणाबारे जानकारी उपलब्ध गराएको | विषयगत समितिहरूको काम, कर्तव्य बारे जानकारी भएको | विषयगत समितिहरूको काम, कर्तव्य बारे पूर्वाभ्यास छलफल हुनुपर्ने |
| ६. | नवलपुर नमुना योजना | जिल्लाका विभिन्न विषयमा जानकारी प्राप्त | विभिन्न स्थानीय निकायको वस्तुगत स्थितिको बारेमा जानकारी | |

जिल्लाको विपद् जोखिम विश्लेषण

२. जिल्लाको वस्तुस्थिति

नवलपरासी (बर्दघाट-सुस्ता पूर्व) जिल्ला गण्डकी प्रदेश अन्तर्गत नेपालको मध्य भागमा पर्दछ। वि.सं २०७२ सालमा नवलपरासी जिल्लाबाट अलग गरी नवलपरासी (बर्दघाट-सुस्ता पूर्व) कायम गरियो। यो जिल्ला कान्छो जिल्ला मध्ये एक जिल्ला हो। यस जिल्लालाई चलनचल्तीको रूपमा नवलपुर जिल्ला पनि भनिन्छ। यो जिल्ला १३३१.१६वर्ग कि.मि.को क्षेत्रफलमा फैलिएको छ। जिल्लाको पूर्व र दक्षिणमा चितवन जिल्ला रहेको छ साथै दक्षिण तर्फ भारतको सिमासम्म जोडिएको छ। पश्चिम तर्फ नवलपरासी (बर्दघाट सुस्ता पश्चिम) र उत्तरमा पाल्पा तथा तनहुँ जिल्ला पर्दछ। राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार यस जिल्लामा ३,८१,१०५ जनसंख्या रहेको छ। जसमध्ये महिलाको संख्या २०१६५९ र पुरुषको संख्या १७९४४६ रहेको छ। नवलपरासी जिल्लामा नेपालको जनगणना २०७८को प्रारम्भिक नतिजाको आधारमा हेर्दा तपसिल अनुसार रहेको छ।

| स्थानीय तह | घर संख्या | परिवार संख्या | पुरुषका | महिला | जम्मा |
|---------------------------|-----------|---------------|---------------|---------------|-----------------|
| गैंडाकोट नगरपालिका | १७१५१ | २०७०१ | ३८७२५ | ४२०१२ | ८०७३७ |
| देवचुली नगरपालिका | १३१२७ | १४८३६ | २८१३३ | ३१२६७ | ५९४०० |
| कावासोतीनगरपालिका | १९५६८ | २२१८४ | ४०८९० | ४६२८६ | ८७१७६ |
| मध्येविन्दु नगरपालिका | १४३४५ | १५५४९ | २८२९१ | ३२२५७ | ६०५४८ |
| विनयी त्रिवेणी गाँउपालिका | ८६५१ | ९३४६ | १८६६४ | २०२५३ | ३९२०१ |
| हुप्सेकोट गाँउपालिका | ५८६५ | ६२५० | १२३४६ | २०५३७ | २८८६९ |
| बुलिङ्गटार गाँउपालिका | ३३०५ | ३५६९ | १२३४६ | १४५१५ | १४५९६ |
| बौदिकालीगाँउपालिका | २६७६ | २९१४ | ५१६४ | ६१७५ | ११३३९ |
| जम्मा | | | १७५४४६ | २०१६५९ | ३,८१,१०५ |

श्रोत : जनगणना २०७८

यस जिल्लामा स्थानीय सरकारका रूपमा ४ नगरपालिका र ४ गाउँपालिका रहेका छन्। हालको जनगणना अनुसार सबैभन्दा बढि जनसंख्या कावासोतीनगरपालिका र सबै भन्दा कम जनसंख्या बौदिकालीगाँउपालिकामा रहेको छ भने समग्र जिल्लामा जनसंख्या बृद्धिदर १.९३ प्रतिशत रहेको छ।

जिल्लाको भौगोलिक संरचना हेर्दा भित्री मधेश, पहाडी र तराई क्षेत्र गरी तीन किसिमको भू-बनोट रहेका कारण जिल्लालाई तीन तल्ले जिल्ला पनि भनिन्छ। यस जिल्लाको पहाडी क्षेत्रमा पहिरो र भित्री मधेश र तराईका क्षेत्रहरूमा डुवान तथा नदि कटान जस्ता प्रमुख समस्याहरू रहेका छन्। यस जिल्लाको मध्य-भागबाट ७० कि.मि. पूर्व पश्चिम राजमार्ग काटिएको छ। राजमार्गको लामो खण्ड रहेको र सबै खाले सवारी साधनहरू अव्यवस्थित तरिकाबाट आवत जावत गर्ने हुँदा सडक दूर्घटना अत्याधिक भईरहने र सो कारण अधिक मात्रामा धनजनको क्षति हुने गरेको छ। साथै यस वर्ष पनि पूर्व पश्चिम राजमार्गको स्तरोन्नतीको काम भएको कारण वाट पनि वर्षाको समयमा थप बाढी तथा डुवानको विपद्को जोखिम थपिएकोछ। यी प्रकोपहरू बाहेक हुरीबतास, आगजनी, महामारी, सर्पदंस, चट्याङ् र भूकम्प जस्ता विपद्का घटनाहरूले पनि यस जिल्लामा जनधनको व्यापक क्षति हुने गरेको छ। त्यसका अलावा यस वर्ष पनि विश्वव्यापी रूपमा फैलिएको कोविड १९ दोस्रो लहरको प्रकोपले पनि थप चुनौती निम्त्याएको छ। नेपालमा विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको निर्माण गरी विपद् प्रतिकार्यलाई व्यवस्थित गर्न संस्थागत थालनी २०६८ बाट भएको हो। खासगरी जिल्ला तहमा तयार हुने यस जिल्ला विपद् तयारी तथा प्रतिकार्य योजनाले विपद् व्यवस्थापनका समस्त आयामहरूलाई समावेश गर्दछ। नयाँ जिल्लाको सन्दर्भमा सबै सरोकारवालाको सहकार्यमा विपद्का कारण प्रत्येक वर्ष हुने व्यापक धनजनको क्षति र विस्थापित लगायत प्रभावितहरूको लागि एउटा सहभागितामूलक योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नु आजको आवश्यकता हो। स्थानीय निकायहरूमा विपद् व्यवस्थापन संग सम्बन्धित विभिन्न काम गर्न बाँकी रहेको देखिन्छ। अधिकांश स्थानीय निकायहरूमा विपद् व्यवस्थापन संग सम्बन्धित नितिगत व्यवस्था पनि हुँदै आएको छ र अधिकांश पालिकाहरूमा पालिका स्तरीय विपद् व्यवस्थापन

समितिहरु गठन भएको भएता पनि वडा र समुदाय स्तरका सरकारको नितिगत प्रावधान भए अनुसारका समितिहरुलाई सक्रिय गराउनु पर्ने देखिन्छ । सबै जसो स्थानीय निकायमा विपद् व्यवस्थापन कोषको व्यवस्था भएको भएता पनि कोषमा रहक प्रयाप्त नभएको देखिन्छ ।

नवलपरासी सूस्ताको जिल्ला अन्तर्गत रहेका ८ वटा स्थानीय तहमा भएका नितिगत तथा सस्थागत व्यवस्था तपसिल अनुसार रहेको पाइयो ।

| स्थानीय निकाय | जोखिम न्यूनीकरण तथा वस्थापनन ऐन | विपद् व्यवस्थापन कोष | कोष संचालन कार्यविधि | आपत्कालिन कार्य संचालन केन्द्र वा कार्यविधि | स्थानीय जलबायु तथा अनुकुलन योजना | विपद् संग सम्बन्धित अन्य योजनाहरु | नगर स्तरीय विपद् व्यवस्थापन समिति(संख्या) | समुदाय स्तरीय समितिहरु (संख्या) |
|---------------------------|---------------------------------|----------------------|----------------------|---|----------------------------------|-----------------------------------|---|---------------------------------|
| गैडाकोट नगरपालिका | छ | रु ३१,०८,५०८।०० | छैन | छैन | छैन | छैन | छ | छ |
| देवचुलि नगरपालिका | छैन | रु. ९३,६९,२८२।०० | छैन | छैन | छैन | छ | छ | छैन |
| कावासोतीनगरपालिका | छ | रु. १०,००,०००।०० | छ | छ | छ | छ | छ | छ |
| मध्यविन्दु नगरपालिका | छ | रु.९९,६२,०००।०० | छैन | छैन | छैन | छैन | छ | छैन |
| विनयी त्रिवेणी गाँउपालिका | छ | रु५०,००,०००।०० | छैन | छैन | छैन | छ | छैन | छैन |
| हुप्सेकोट गाँउपालिका | छ | रु.१,१०,०९,०००।०० | छैन | छैन | छैन | छैन | छैन | छैन |
| बुलिङ्गटार गाँउपालिका | छैन | रु.८,०९,०००।०० | छैन | छैन | छैन | छ | छ | छैन |
| बौदिकालीगाँउपालिका | छ | रु. ४५,००,०००।०० | छैन | छैन | छैन | छैन | छैन | छैन |

कोभिड-१९ को विभिन्न लहरहरुले देशलाई आकान्त पारेको छ । कोभिड-१९ को कारणले संक्रमित हुने र ज्यान गुमाउनेको संख्या यस जिल्लामा पनि उल्लेखनीय रहेको भएको थियो । तत्कालको अवस्थामा कोभिड विरुद्धको खोप अधिकाशं मानिसलाई दिईएको भएता पनि कुनै पनि बेला नयाँ प्रकारको कोभिड संक्रमणको सम्भावनालाई भने नकार्न सकिदैन । भारतसंगको खुल्ला सीमा जोडिएको कारण नवलपरासी (वर्दघाट सुस्ता पूर्व) पनि जोखिमपूर्ण अवस्थामा रहेको छ । यसै सन्दर्भमा सम्भावित विपद् व्यवस्थापन तथा विपद् पूर्वतयारीका गतिविधिहरुलाई योजनाबद्ध ढंगले अधिबढाउन अपरिहार्य भएको हुँदा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति नवलपरासी (वर्दघाट सुस्ता पूर्व)ले सहयोगी निकाय नेपाल रेडक्रस सोसाइटी र सहमति संस्थाको प्राविधिक सहयोगमा विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना-२०७९ तयार गरेको छ ।

२.१ नवलपरासी वर्दघाट सुस्तामा विगतमा घटेका विपद्का घटनाक्रम :

नवलपरासी वर्दघाटमा सुस्ता मा विगतमा घटेका घटनाहरुको घटनाक्रम यस प्रकार रहेको छ ।

| साल | विपद्को प्रकार | प्रभावित क्षेत्र | क्षतिको विवरण |
|------------|----------------|---|--|
| वि.स. २०५८ | बाढी र डुवान | साविक नारायणी परसौनी, गाविस र कोलुवा गाविस हालको मध्यविन्दु ३,४,६ र १५ वडाहरु | १ मृत्यु, जनधनको क्षति, करिव १२०० घरहरु विस्तावित |
| वि.स. २०६२ | बाढी र डुवान | साविक नारायणी गाविस, परसौनी, गाविस र कोलुवा - हालको मध्यविन्दु ३,४,६, १५ वडाहरु | आर्थिक क्षति र जमिन कटान |
| वि.स. २०७७ | हावाहुरी | कावासाती र गैडाकोट | घर तथा विद्यालयमा क्षतिमा २०० घरहरु जति आशिक प्रभावित |
| वि.स. २०७६ | कोभिड १९ | जिल्ला भरि | १८० जनाको मृत्यु |
| वि.स. २०७८ | बाढी र पहिरो | हुप्सेकोट गा.पा.र जिल्ला भरि | ३ मृत्यु, विस्थापित परिवार : ६४ आशिक परिवार : ८० घरहरु क्षति |

२.२ प्रकोपको स्तरीकरण

जिल्लामा नवलपरासी वर्दघाट सुस्ता पूर्वमा मिति २०७९।०२।०४ गते जिल्ला विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना निर्माण कार्यशालामा र विगतमा घटेका विपद्का घटनाहरु र यस जिल्लामा विगतमा घटेका विपद्को बारम्बारताको आधारमा प्रकोपको स्तरीकरण निम्नानुसार रहेको छ ।

| स्तरीकरण | प्रकोप | स्तरीकरण | प्रकोप | स्तरीकरण | प्रकोप |
|----------|----------|----------|-----------------|----------|------------------------|
| १ | वाढी | ६ | महामारी | ११ | अतिवृष्टि |
| २ | पहिरो | ७ | भूकम्प | १२ | तातो लु तापक्रम बृद्धि |
| ३ | हावाहुरी | ८ | बन्यजन्तु आतङ्क | १३ | असिना |
| ४ | आगलागी | ९ | चटयाड | | |
| ५ | दुर्घटना | १० | शीतलहर | | |

२.३ पालिका अनुसार विपद्बाट हुन सक्ने संकटाभिमुखताका अवस्थाहरू

गाउँपालिका तथा नगरपालिका हरूबाट प्रास्त सूचनाको आधारमा स्थानीय निकायहरूले सम्भावित जोखीको आँकलन गरीसोहि अनुसार वडा र ठाँउको पहिचान गरीउच्च, मध्यम तथा न्यून गरीविभिन्न तिन तहमा जोखिम आँकलनगरेको आधारमा समग्र जिल्लाको विभिन्न पालिकाहरूको संकटासन्नताको बर्गिकरण तपसिल अनुसार गरिएको छ । जस अनुसार अधिकासं पालिकाहरू वढीको उच्च जोखिममा रहेका छन् भने पाहाडी पालिकाहरूमा वाढी तथा पहिरोको जोखिम उच्च रहेको छ ।

२.३.१. उच्च संकटासन्न अवस्थामा रहेका गाउँपालिका तथा नगरपालिका वडाहरू समुदाय

| क्र.सं. | गाउँपालिका/ नगरपालिका | वाढी | पहिरो | महामारी | अन्य केही भए |
|---------|------------------------------|---|---|------------------|---------------------------------|
| | | वडाहरू | वडाहरू | वडाहरू | वडाहरू |
| १ | हुप्सेकोट गाउँपालिका | १. जुकेपानीको पत्थर खोलाको किनारा २. कोलिया, गुहेरी र भोटीखोला ३. बेलहनी, गिरुवारी खोलाको किनार क्षेत्र ४. टाँडी खेत, केरुगे खोला, माथिल्लो रुम्सी, चारघरे | १. राम्चे, पाङ्ग्रेघाट,हर्देवाघखोर, बसेनी,पतकोण २. पिपलडाँडा | सवै वडाहरू | |
| २ | मध्यविन्दु नगरपालिका | १. अरुणखोला २. गिरुवारी खोला ३. उल्टी खोला ४. नारायणी नदि तटिय बस्तीहरू | वडा नं १३ तथा १४ | सवै शहरि क्षेत्र | |
| ३ | देवचुली नगरपालिका | १. घोक्रेता टोल २. केउरेनी: बौलाह खोला पुल देखी उत्तरका किनाराका बस्ती, दिव्यपूरी खानेपानी ट्याङ्की भएको स्थान, देवचुलि गैडी क्षेत्र, ३,५,६,१३,१५,१६ र १७ वडाहरू | | १ देखी १७ | सडक दुर्घटना, बन्य जन्तु आक्रमण |
| ४ | कावासोती नगरपालिका | वडाहरू १,३,४,५,६,१७ र १५ | | | |
| ५ | विनयी त्रिवेणी गाउँपालिका | वडा नं १, २ | वडा नं १ र ६ | वडा नं १ र २ | |
| ६ | बुलिङटार गाउँपालिका | वडा नं २ | वडा नं ३ | वडा नं १ नं र २ | |
| ७ | बौदीकाली गाउँपालिका | वडा नं ३,४,५ र ६ | | | |
| ८ | गैँडाकोट नगरपालिका | वडा नं २ को नारायणी किनार (अक्सफोर्ड कलेज क्षेत्र तथा बस्ती) | | | |

२.३.२. मध्यम संकटासन्न अवस्थामा रहेका गाउँपालिका तथा नगरपालिका वडाहरू समुदाय

| क्र.सं. | गाउँपालिका/ नगरपालिका | बाढी पहिरो | पहिरो | महामारी | अन्य केही भए |
|---------|---------------------------|---|---|------------------|--------------------------------------|
| | | वडाहरू | वडाहरू | वडाहरू | वडाहरू |
| १ | हुप्सेकोट गाउँपालिका | | | | |
| २ | मध्यविन्दु नगरपालिका | वडा नं ७, ९, १० र ११ | | | सडक दुर्घटना वडा नं ३, ७, ८, १० र ११ |
| ३ | देवचुली नगरपालिका | १ बौलाह खोला पुलदेखी दक्षिणका किनाराका बस्ती नारायणी तर्फ, २, मुकुण्डे खोला किनार नारायणी तर्फ, मिर्तुङ्ग, कृतिपुर, ७ नं ट्रेको नहर, सीतावास नहर, प्रगतिनग खानेपानी भएको क्षेत्र, देवचुली खानेपानी लाइन भएको क्षेत्र, ९ नं पृथ्वी नगर पुल नजिक, | मिर्तुङ्ग, कृतिपुर, कदम्पुरवाट बन्दीपुर सडक | १ देख १७ सबै वडा | भूकम्प सबै क्षेत्र |
| ४ | कावासोती नगरपालिका | | | | |
| ५ | विनयी-त्रिवेणी गाउँपालिका | वडा नं ६, ७ | वडा नं ७ | वडा नं ३, ४, ५ | |
| ६ | बुलिडटार गाउँपालिका | वडा नं १ र ३ | वडा नं ३ | | |
| ७ | बौदीकालीगाउँपालिका | वडा नं ५ र ६ | वडा नं ३ र ४ | | |
| ८ | गैडाकोट नगरपालिका | वडा नं ४ राजमार्गको उत्तर भाग र वडा नं ३ भोक्रो फाँट क्षेत्र | वडा नं. ३, १४ र १८ | | |

२.३.३. न्यून संकटासन्न अवस्थामा रहेका गाउँपालिका तथा नगरपालिका वडाहरू र समुदाय

| क्र.सं. | गाउँपालिका/ नगरपालिका | बाढी पहिरो | पहिरो | महामारी | अन्य केही भए |
|---------|---------------------------|--------------------------|----------------|--------------|-------------------|
| | | वडाहरू | वडाहरू | वडाहरू | वडाहरू |
| १ | हुप्सेकोट गाउँपालिका | वडा नं ६ | | | |
| २ | मध्यविन्दु नगरपालिका | वडा नं १, ५ र १३ | | | आगलागी बन क्षेत्र |
| ३ | देवचुली नगरपालिका | वडा नं २ र १४ | | | |
| ४ | कावासोती नगरपालिका | वडा नं १,३,४,५,६,१७ र १५ | | | |
| ५ | विनयी त्रिवेणी गाउँपालिका | वडा नं ३,४ | | | |
| ६ | बुलिडटार गाउँपालिका | वडा नं ५ र ६ | | वडा नं ५ र ६ | |
| ७ | बौदीकालीगाउँपालिका | वडा नं १ र २ | वडा नं ४,५ र ६ | | |
| ८ | गैडाकोट नगरपालिका | | | | |

२.४ विषयगत क्षेत्रको अगुवा तथा सहयोगी संस्थाको विवरण

जिल्ला तहमा विशिष्टकृत सेवा, सहायता र प्रतिकार्यको मर्म अनुरूप क्षेत्रगत रूपमा नेतृत्व प्रदान गर्ने अगुवा संस्था (Cluster Lead) को नेतृत्वमा आपसी सहकार्य र समन्वयका साथ मानवीय सहयोगका गतिविधि सञ्चालन गर्न निम्नलिखित विषयगत (Sectoral) क्षेत्रहरू गठन गरिएका छन् र ती विषयगत समितिसँग सम्बन्धित सहयोगी निकायहरूको विवरण निम्न अनुसार राखिएको छ ।

| क्र.सं. | बिषयगत समिति | बिषयगत कार्यसमूहको नेतृत्व | सहयोगी संघसंस्था |
|---------|--|--|--|
| १ | समन्वय र सूचना व्यवस्थापन क्षेत्र (Coordination and Information Management Cluster) | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | जिल्ला प्रहरी कार्यालय, सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाली सेना, जिल्ला समन्वय समिति, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, पत्रकार महासङ्घ, रेडियो तथा एफ.एम., राजनैतिक दलहरु, गैसस महासंघ स्थानीय तहहरु |
| २ | खोज तथा उद्धार क्षेत्र (Search & Rescue Cluster) | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, राष्ट्रिय सेवा दल सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल, मध्यवर्ती उ.स. (CBAPU) राजनैतिक दलहरु, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, स्काउट |
| ३ | कृषि तथा खाद्य व्यवस्थापन क्षेत्र (Agriculture and Food Management Cluster) | कृषि ज्ञान केन्द्र | भेटेनरी अस्पताल तथा पशुसेवा विज्ञ केन्द्र उद्योग बाणिज्य संघ जिल्ला समन्वय समिति, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी गैसस महासंघ सहमति |
| ४ | आपतकालीन आवास तथा गैर खाद्य सामग्री व्यवस्थापन क्षेत्र (Emergency Shelter & Non Food Cluster) | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, नवलपरासी (ब.सु.पू.) | जिल्ला समन्वय समिति, नगरपालिका तथा गाउँपालिकाहरु, डिभिजन सिंचाई कार्यालय डिभिजन वन कार्यालय, सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ, सामुदायिक वन समितिहरु, शहरी विकास तथा भवन निर्माण डिभिजन कार्यालय |
| ५ | स्वास्थ्य तथा पोषण व्यवस्थापन क्षेत्र समिति (Health and Nutrition Cluster) | स्वास्थ्य कार्यालय कावासोती | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, मध्यविन्दु जिल्ला अस्पताल, प्रा.स्वास्थ्य केन्द्रहरु स्वास्थ्य तथा उपस्वास्थ्य चौकी, गैसस महासंघ स्थानीय तह |
| ६ | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र (Drinking Water and Sanitation Cluster) | खानेपानी तथा सरसफाई डिभिजन, (इकाई)कार्यलय कावासोती | जिल्ला समन्वय समिति, स्थानीय तहहरु नेपाल रेडक्रस सोसाइटी गैसस महासंघ खानेपानी संस्थाहरु |
| ७ | आपत्कालिन शिक्षा क्षेत्र (Emergency Education Management Cluster) | शिक्षा विकास समन्वय इकाई (पालिका तहमा शिक्षा शाखाहरु) | गैसस महासंघ बेश नेपाल नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, सहमति, भि.डी.आर.सी. नेपाल पत्रकार महासंघ, अन्य सम्बद्ध संघसंस्था |
| ८ | संरक्षण क्षेत्र (Protection Cluster) | सामाजिक विकास कार्यालय (पालिका तहमा महिला विकास शाखाहरु) | स्थानीय तह सामाजिक विकास शाखा गैसस महासंघ, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, नेपाल बाल संगठन, नवलपरासी पूर्व |

२.५ विषयगत अगुवा तथा नेतृत्वदाय संस्थाको भूमिका तथा जिम्मेवारी

जिल्लामा विपद् पूर्वतयारी र प्रतिकार्यका योजनाको कार्यान्वयका लागि ९ वटा विषयगत क्षेत्रहरूको पहिचान गरिएको छ। उक्त क्षेत्रहरूको अगुवा गर्ने निकाय र संघसंस्थाहरूको पहिचान गरिएको छ। उक्त अगुवा संस्थाले विपद्को तयारी र प्रतिकार्यको समयमा सबै संघसंस्थालाई क्रियाशिल गराई मानवीय सेवाहरू प्रदान गरिनेछ। यस योजनामा रहेका विषयगत अगुवा संस्थाको जिम्मेवार व्यक्ति र जिम्मेवारी पहिचान गरी तल तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

तालिका नं.

| क्र.सं. | निकाय, कार्यालयको नाम | जिम्मेवार व्यक्ति | जिम्मेवारी |
|---------|-------------------------|-----------------------|---|
| १ | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | प्रमुख जिल्ला अधिकारी | <ul style="list-style-type: none"> समन्वयात्मक र नेतृत्वदायी भूमिका निर्वाह गर्ने खोज तथा उद्धार कार्यमा सुरक्षा निकाय परिचालन गर्ने आवश्यकता अनुसार क्षेत्रीय तथा केन्द्रिय स्तरमा सहयोग (मानवीय, आर्थिक, भौतिक) का लागि पहल गर्ने |
| २ | जिल्ला समन्वय समिति | जिल्ला समन्वय अधिकारी | <ul style="list-style-type: none"> समन्वयात्मक कार्यमा सहयोग गर्ने स्रोत (आर्थिक, भौतिक) परिचालन तथा समन्वय गर्ने |
| ३ | स्थानीय तह | नगर/गाउँपालिका प्रमुख | <ul style="list-style-type: none"> विपद् व्यवस्थापनको योजना तर्जमा गरी कार्यन्वय गर्ने विपद् व्यवस्थापनको लागि बजेट विनियोजन गर्ने भवन संहिताको निर्माण गरी कार्यन्वयन गर्ने विपद् व्यवस्थापनको सुचना प्रणाली र पूर्व चेतावनी प्रणालीको बिकाश गर्ने विपद्मा हराएका वा नष्ट भएका कागजातको अद्यावधिक गर्ने |
| ४ | जिल्ला प्रहरी कार्यालय | प्रमुख तथा प्रतिनिधि | <ul style="list-style-type: none"> खोज तथा उद्धार कार्यको नेतृत्व गर्ने सुरक्षा व्यवस्था गर्ने विषयगत समितिमा रही सहयोग गर्ने |
| ५ | शसस्त्र प्रहरी बल | प्रमुख | <ul style="list-style-type: none"> खोज तथा उद्धार कार्यको नेतृत्व गर्ने सुरक्षा व्यवस्था गर्ने विषयगत समितिमा रही सहयोग गर्ने |
| ६ | नेपाली सेना | प्रमुख | <ul style="list-style-type: none"> खोज तथा उद्धार कार्यको नेतृत्व गर्ने सुरक्षा व्यवस्था गर्ने विषयगत समितिमा रही सहयोग गर्ने |
| ७ | राजनैतिक दलहरू | दलका प्रमुखहरू | <ul style="list-style-type: none"> समन्वय स्रोत संकलनमा सहयोग जनपरिचालन गर्ने |
| ८ | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | सभापति | <ul style="list-style-type: none"> प्रवन्धकारी भूमिका निर्वाह गर्ने खाद्य तथा गैर खाद्य सामग्रीको व्यवस्थापन सूचना सङ्कलन तथा सवर्धेणमा स्वयंसेवक परिचालन गर्ने विपद्को समयमा आपत्कालीन आवास तथा बन्दोबस्ती (Logistic) व्यवस्थापनमा सहयोग गर्ने |

| | | | |
|----|--|----------------------|--|
| ९ | विषयगत सरकारी कार्यालय | कार्यालय प्रमुखहरु | <ul style="list-style-type: none"> ■ विषयगत समितिमा रही क्षेत्रगत अगुवाको भूमिका निर्वाह गर्ने ■ सम्बन्धित कार्यालयको आपतकालीन योजना निर्माण गर्ने |
| १० | उद्योग वाणिज्य संघ | अध्यक्ष | <ul style="list-style-type: none"> ■ सुख्खा तथा तयारी खाना जस्तै चिउरा, भुजा, बिस्कट आदि, खाद्यसामग्री संकलन तथा व्यवस्थापनमा सघाउने |
| ११ | यातायात व्यवसायी संघ | अध्यक्ष | <ul style="list-style-type: none"> ■ राहत तथा उद्धार कार्यका लागि यातायातका साधनहरु उपलब्ध तथा व्यवस्थापन गर्ने |
| १२ | पत्रकार महासंघ | अध्यक्ष | |
| १३ | संचार माध्यम | सञ्चारकर्मीहरु | <ul style="list-style-type: none"> ■ सूचना संकलन तथा सम्प्रेषण |
| १४ | नागरिक समाज | अध्यक्ष | <ul style="list-style-type: none"> ■ राहत तथा उद्धार कार्यमा सहयोग ■ मानव अधिकारको संरक्षण तथा सम्बर्द्धनमा सहयोग |
| १५ | पेशागत व्यवसायी जस्तै : निर्माण व्यवसायी संघ | अध्यक्ष | <ul style="list-style-type: none"> ■ राहत, उद्धार तथा संरक्षण कार्यमा सहयोग |
| १६ | राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय गै.स.स. | प्रमुख तथा प्रतिनिधि | <ul style="list-style-type: none"> ■ मानवस्रोत परिचालन गर्ने ■ स्रोत संकलनमा सहयोग गर्ने ■ गै.स.स. बिच समन्वय ■ क्षमता विकास तथा सहजिकरण गर्ने |
| १७ | स्काउट | प्रमुख तथा प्रतिनिधि | <ul style="list-style-type: none"> ■ मानवीय स्रोत ■ तालिम प्राप्त जनशक्ति ■ खोज उद्धार र राहत सामग्री |

जिल्लास्थित स्रोत, साधनको आँकलन

विभिन्न प्रकृतिका विपद्का घटनाबाट हुनसक्ने क्षतिलाई कम गर्न वा प्रकोपको सामना गर्न जिल्लाभित्र उपलब्ध स्रोत तथा साधनहरूको आँकलन गरीप्राप्त विवरणहरूलाई तालिकाबद्ध गरिएको छ ।

३.१. जिल्ला तहमा हाल उपलब्ध साधन, स्रोतहरूको विवरण

जिल्ला तहमा उपलब्ध हुनसक्ने साधन, स्रोतहरूको विवरण जिल्लाका विभिन्न सरकारी कार्यलय एवं जिल्ला स्थित सरोकारवाला संघ संस्थाहरू बाट संकलन गरिएका सूचनाको आधारमा अध्यावधिक गरिएको हो । तालिकामा उल्लेखित सामाग्रीहरू सम्बन्धित निकाय वा संस्थामा मौज्जात रहने तथा नियमित प्रयोग रहने हुँदा विपद्को समयमा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको निर्णय र आपसी समन्वयमा परिचालन हुने छ ।

| क्र.सं. | कार्यालय/ निकायहरू | उद्धार, तथा राहत सामग्रीहरू | भण्डारण स्थान |
|---------|---|---|--|
| १ | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | रिभर बोट थान १, टेन्ट १० थान, लाइफज्याकेट ६ थान । | कार्यालय परिसर भवनहरू |
| २ | जिल्ला प्रहरी कार्यालय | आपतकालीन सामग्री, लाईफ ज्याकेट ३० थान, हेलमेट ६ थान, तुरुन्त उपलब्ध हुनसक्ने जनशक्ति १०० जम्मा | जिल्ला प्रहरी कार्यालय परिसर र ईप्राका परिसर हरू |
| ३ | सशस्त्र प्रहरी बल, नं. ३१ गुल्म नवलपरासी व.सु.पू. | आपतकालीन सामग्रीहरू, र्याफ्ट बोट १ थान, भर्याङ्ग ५ थान, ड्रिल मसिन १ थान, पेट्रोल चेन आरा ४ थान, लाईफ ज्याकेट १६ थान, लगायतका अन्य सामग्री सहित तुरुन्त उपलब्ध हुनसक्ने जनशक्ति ७५ जना, | स.प्र.बल नं. ३१ गुल्म,नवलपरासी व.सु.पू. |
| ४ | नेपाली सेना, नवलपुर | रवर बोट २ , काठको बोट ८, लाइफ ज्याकेट ५२ तुरुन्त उपलब्ध हुनसक्ने जनशक्ति ४६ जना, | नेपाली सेना, नवलपुर, |
| ५ | भेटेनरी अस्पताल तथा पशु सेवा विज्ञ केन्द्र तनहुँ सर्म्पर्क कार्यालय, कावासोती | पशु उपचारका लागि औषधी व्यवस्था भएको, गाडी-१, मोटरसाईकल-१, तुरुन्त उपलब्ध हुनसक्ने जनशक्ति ८ जना | जिल्लामा मात्र |
| ६ | स्वास्थ्य कार्यालय | तालिम प्राप्त स्वास्थ्यकर्मी परिचालन गर्न सकिने-१००, गाडी-१, मानव स्वास्थ्यका लागि औषधीहरूको व्यवस्था भएको | स्वास्थ्य कार्यालय, कावासोती |
| ७ | जलस्रोत तथा सिंचाई विकास डिभिजन कार्यालय | गाडी-१, मोटरसाईकल-२, मानवस्रोत-१०, तारजाली-२७० | कार्यालय परिसर कावासोती |
| ८ | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई | मोटरसाईकल-१, मानवस्रोत, आपत्कालीन आश्रयका लागि विद्यालय भवन उपलब्ध गराउन सकिने । | कार्यालय परिसर कावासोती |
| ९ | खानेपानी तथा सरसफाई डिभिजन (इकाई) कार्यालय | गाडी-१, मोटरसाईकल-२, मानवस्रोत, पानी शुद्धिकरणका लागि स्वास्थ्य शिक्षा र औषधी आवश्यकता अनुसार उपलब्ध गर्ने | कार्यालय परिसर कावासोती |
| १० | कृषि ज्ञान केन्द्र | मानवस्रोत-आवश्यकता अनुसार परिचालन गर्न सक्ने | कार्यालय परिसर कावासोती |
| ११ | नेपाल रेडक्स सोसाईटी, जिल्ला शाखा | मानवस्रोत-६ जना, कपडाहरू सेट, कम्बल भाडाँहरू, बाल्टिन मग (१०० थान), आकस्मिक कोषको व्यवस्था, स्टेचर । | ८ गाउँ पालिका तथा नगरपालिका |

| | | | |
|----|--------------------------|---|----------------|
| १२ | पूर्वाधार विकास कार्यालय | गाडी २, मोटरसाइकल ३ मानवस्रोत आवश्यकता अनुसार परिचालन गर्न सकिन् | कार्यालय परिसर |
| १३ | उद्योग वाणिज्य संघ | आवश्यकता अनुसार राहत सामग्रीहरू उपलब्ध गराउन समन्वय गर्ने । | |
| १४ | डिभिजन बन कार्यालय | | |
| १५ | सहमति | गाडी-१, मोटरसाइकल-१, मानवस्रोत-१२ जना, ६० मिटरको त्रिपाल-९० रोल, वाटर कन्टेनर(१० लि)-२५०० थान | सहमति गोदम घर |

३.२. स्थानीय निकायहरूमा विपद्को समयमा प्रयोग गर्न सकिने साधन तथा उपकरणको विवरण

विपद्को समयमा स्थानीय तहमा उपलब्ध हुनसक्ने साधन, स्रोतहरूको विवरण जिल्लाका आठ वटा पालिकाहरूबाट संकलन गरिएका सूचनाको आधारमा अद्यावधिक गरिएको छ जुन निम्नानुसार छ । उल्लेखित साधन तथा उपकरणहरू विपद्को समयमा आवश्यकता अनुसार जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति संगको समन्वयमा स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिको निर्णय अनुसार प्रयोग गर्न सकिने छ ।

| क्र.सं. | कार्यालय, निकायहरू | उद्धार, तथा राहत सामग्रीहरू | सामग्री रहेको स्थान | परिचालनको लागि सम्पर्क व्यक्ति |
|---------|---------------------------|---|--|--|
| १ | गैँडाकोट नगरपालिका | एम्बुलेन्स २ थान, जिप २ थान, ट्रिपर १ थान, लोडर १ थान, ट्र्याक्टर १ थान | एम्बुलेन्स रहने अमरापुरी र नगर अस्पताल अन्य नगरपालिका को परिसर | एम्बुलेन्स ९८६३२७२७२४, ९८१०१८४५२८ अन्य उपकरणको लागि प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, ९८५७६६३९१११ |
| २ | देवचुली नगरपालिका | व्याक हो लोडर १ थान, टिप्पर १ थान, जिप २ थान, | नगर पालिकाको परिसर | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत (९८५७६४२१११) नगर विपद् फोकल पर्सन भिष्मराज पौडेल(९८४६३६७७२९) |
| ३ | कावासोतीनगरपालिका | दमकल १ थान, अन्य साधन २ थान | नगरपालिका परिसर | विपद् फोकल पर्सन, ९८५७०४१४११५ |
| ४ | मध्यविन्दु नगरपालिका | जिप २ थान, नन्द भाउजु उ.स. (डुङ्गा प्लाष्टिक २ थान लाइफ ज्याकेट २४ थान) | | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, ९८५७६४६१११ |
| ५ | विनयी त्रिवेणी गाँउपालिका | जिप १ थान, एम्बुलेन्स १ थान,ट्रेक्टर १ थान | एम्बुलेन्स रहने स्वास्थ्य चौकी त्रिवेणी अन्य गाँउपालिका परिसरमा रहने | स्वास्थ्य चौकी त्रिवेणी - ९८४६३७३१६६, प्रमुखप्रशासकीय अधिकृत, ९८५७०४६८६५ |
| ६ | हुप्सेकोट गाँउपालिका | एम्बुलेन्स १ थान, व्याक हो लोडर १ थान, जिप १ थान | गाँउपालिका परिसर | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, ९८५७०८७३०२ |
| ७ | बुलिङ्गटार गाँउपालिका | अग्नि नियन्त्रक सामग्री १८ वटा | गाँउपालिका परिसर | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, ९८५७०७०१०७ |
| ८ | बौदिकालि गाँउपालिका | जिप १ थान, मो सा ५ थान | गाँउपालिका परिसर | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत ९८५७०४६२६४ |

३.३ विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य सम्बन्धि योजना अर्न्तगत विषयगत क्षेत्रहरू

| क्र.सं. | विषयगत क्षेत्रहरू | सम्पर्क व्यक्ति | सम्पर्क नं. |
|---------|---|--|--------------------------|
| १ | समन्वय र सूचना व्यवस्थापन क्षेत्र(Coordination and Information Management Cluster) | जिल्ला प्रशासन कार्यालय स.प्र.जि.अ.श्री खिम राज भुषाल प्रशासकीय अधिकृत, श्री आनन्द शर्मा भुसाल, | ९८५७०४०२६७ ९८४९९८००५८ |
| २ | खोज तथा उद्धार क्षेत्रहरू (Search & Rescue Cluster) | प्र.उ. प्रज्वल महर्जन जि.प्र.का. प्र. नि. प्रदिप थापा, जिल्ला ट्राफिक कार्यालय | ९८५८७८७५५५ ९८५७०८७२२२ |
| ३ | कृषि तथा खाद्य व्यवस्थापन क्षेत्र (Agriculture Food Management Cluster) | गोपाल शर्मा लामिछाने , कृषि ज्ञान केन्द्र अमृत भट्टचन, जिल्ला उद्योग बाणिज्य संघ, नवलपरासी (ब. सु.पू.) | ९८५७०८८९५४ ९८५५०५६६६७ |
| ४ | आपतकालीन आवास तथा गैर खाद्य सामग्री व्यवस्थापन क्षेत्र (Emergency Shelter & Non Food Cluster) | मदन भक्त अधिकारी सभापति नेपाल रेडक्रस सोसाईटी | ९८५५०६३८७० |
| ५ | स्वास्थ्य तथा पोषण व्यवस्थापन क्षेत्र (Health and Nutrition Cluster) | केशव प्रसाद चापागाँई स्वास्थ्य कार्यालय, नवलपरासी (ब सु पू) | ९८५७०४७९७६ |
| ६ | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र (Drinking Water and Sanitation Cluster) | महेन्द्र आचार्य खानेपानी तथा सरसफाई डिभिजन, तनहूँ कावासोती इकाई कावासोती इकाई | ९८५७०६४२०६ |
| ७ | आपत्कालिन शिक्षा क्षेत्र (Emergency Education Management Cluster) | कृष्ण चन्द्र पोखेल, शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई | ९८५५०५९८५५ |
| ८ | संरक्षण क्षेत्र (Protection Cluster) | ज्ञान प्रसाद भुषाल, सामाजिक विकास कार्यालय | ९८५७०४८७५९ |

विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य सम्बन्धी योजना

४.१. समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन क्षेत्र :

विपद्को समयमा वा विपद्को कारणबाट हुनसक्ने सम्भावित मानवीय असरहरूमा मुख्य रूपमा तपसिल अनुसार रहने अनुमान गरिएको छ ।

१. परिवहन र पहुँचमा कठिनाई,
२. प्रकोप प्रभावितको प्रारम्भिक विवरण प्राप्तमा कठिनाई,
३. स्रोतको पहिचान र व्यवस्थापनको समस्या,
४. संस्थागत समन्वयको अभाव,
५. सही तथ्याङ्क सङ्कलनमा कठिनाई,
६. राहत वितरणमा समस्या (जनशक्ति खर्च, ढुवानी खर्च र व्यवस्थापन खर्च),
७. राजनीतिक दलहरूको सहभागितामा समस्या ।

उल्लेखित परिस्थितिको सामना गर्नको लागि समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन क्षेत्रले नेतृत्वदायी भूमिका निर्वह गर्ने छ ।

क्षेत्रगत योजनाको उद्देश्य :

सूचना संकलन एवं भण्डारका लागि उचित ढाँचा सहितको ठोस संयन्त्र स्थापना गर्ने, सूचना प्रवाहका वैकल्पिक उपायहरू पहिचान गर्ने तथा सूचनाहरूलाई विश्लेषण गरी सम्बन्धित क्षेत्रहरूमा उपलब्ध गराई प्रभावकारी पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य प्रणाली सुनिश्चित गर्ने ।

योजनाको समष्टिगत उद्देश्य :

- जिल्ला, गाउँपालिका तथा नगरपालिका तहमा सूचना तथा समन्वय समिति गठन गर्ने,
- विपद्को स्तर मूल्यांकन गरी तीनदेखि पाँच दिनभित्र बहुविषयगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा (Multi-Cluster Initial Rapid Assessment/ MIRA or Initial Rapid Assessment / IRA) गरी क्षति र प्रभावितहरूको विवरण तयार गर्ने ।
- सूचना प्रवाहको वैकल्पिक उपायहरू पहिचान गरी सूचना प्रवाह सुनिश्चित गर्ने,
- प्राप्त सूचनालाई विश्लेषण गरी सम्बन्धित क्षेत्रहरूलाई उपलब्ध गराउने,
- विपद्को समयमा २४ घण्टा भित्र समन्वय बैठक बस्ने,
- नियमित रूपमा अनुगमन गरी क्षेत्रहरूलाई पृष्ठपोषण गर्ने,
- आवश्यकतानुसार क्षेत्रीय र केन्द्रीय निकायमा संप्रेषण गर्ने ।

४.१.१ प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि (आपत्कालीन परिस्थितिको अवधिमा)

| क्र.सं. | प्रतिकार्यसम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | समयावधि |
|---------|--|-----------------------|---|
| १ | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको समन्वय बैठक आयोजना गर्ने <ul style="list-style-type: none"> ■ सूचना सङ्कलन र परिस्थितिको अद्यावधिक गर्ने ■ सबै क्षेत्रगत कार्यसमूह (Cluster) लाई सक्रिय पार्ने ■ कार्य विभाजन गरी सबै क्षेत्रगत कार्यसमूह (Cluster) लाई जिम्मेवारी सुम्पने | प्रमुख जिल्ला अधिकारी | क) विपद् सुरु हुनासाथ, ख) पहिलो हप्ता १ दिन विराएर, ग) दोस्रो हप्ता हप्तामा १ पटक । |
| २ | बहुविषयगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा सञ्चालन <ul style="list-style-type: none"> ■ एकीकृत समूह गठन गरी बहुविषयगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा सञ्चालन गरी, विपद्बाट भएको क्षतिको विवरण सङ्कलन गर्ने ■ पहिलो हप्तासम्म हरेक दिन सञ्चार माध्यमबाट समाचार प्रसारण गर्ने | जि.वि.व्य.स. | ३ देखि ५ दिन भित्र |

| | | | |
|-----|--|---|-----------------|
| २.१ | सङ्कलित तथ्याङ्क विश्लेषण र सम्प्रेषण गर्ने | जि. स. स. | ७ औं दिन भित्र |
| २.२ | प्रतिवेदनका आधारमा कार्ययोजना तयार गरी कार्यन्वयन गर्ने | जि.वि.व्य.स. | ७ औं दिन भित्र |
| २.३ | विषयगत समितिका सबै सदस्य तथा अन्य सरोकारहरूलाई निष्कर्ष उपलब्ध गराउने | जि.वि.व्य.स. | ७ औं दिन भित्र |
| ३ | विपद प्रभावित क्षेत्रमा तत्काल खोजतलास तथा उद्धार र राहत कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | जि.वि.व्य.स. | २४ घण्टा भित्र |
| ४ | जिल्लामा उपलब्ध उद्धार सेवा, क्षमता, उद्धार सामाग्रीको समीक्षा गर्ने | जि.वि.व्य.स. | २४ घण्टा भित्र |
| ५ | स्रोतहरूको परिचालन गर्न क्षेत्रगत आपतकालीन योजनाको समीक्षा गर्ने | जि.वि.व्य.स. ,क्षेत्रगत अगुवाहरू | १ हप्ताभित्र |
| ६ | जिल्लाको स्रोत पहिचान र परिचालन गरी नपुग स्रोतको लागि केन्द्रीय निकायमा माग गर्ने | जि.वि.व्य.स.को निर्णयानुसार प्रमुख जिल्ला अधिकारी | आवश्यकताअनुसार |
| ७ | क्षेत्रगत कार्यसमूहका कार्य प्रगतिको विवरण सङ्कलन तथा समीक्षा गर्ने | जिल्ला समन्वय समिति | ७-७ दिनमा |
| ८ | राहत वितरणलाई निर्विवाद बनाउन राजनीतिक दलहरूको अनिवार्य सहभागिता गराई सहयोग उपलब्ध गराउने | राजनैतिक दल (सहजिकरण) | नियमित |
| ९ | विपदबाट विस्थापितहरूलाई परिचयपत्र वितरण गर्ने | जि.वि.व्य.स. (स्थानीय तहको सहयोगमा) | आवश्यकता अनुसार |
| १० | विपद् व्यवस्थापनको लागि लाग्ने प्रशासनिक खर्चको व्यवस्था गर्ने | संघिय सरकार, प्रदेश सरकार स्थानीय सरकार | आवश्यकता अनुसार |
| ११ | जिल्ला समन्वय समितिको सूचना केन्द्रलाई जि.वि.व्य.स., को सूचना केन्द्रको रूपमा समेत स्थापित गराउने | जिल्ला समन्वय समिति | नियमित |
| १२ | मानवीय सहयोगको अनुगमन गर्ने, सुधारका लागि पृष्ठपोषण लिने दिने, प्रतिवेदन तयार गरी सम्बन्धित सरोकारवालाहरूलाई वितरण गर्ने | जि.वि.व्य.स. | नियमित रूपमा |

४.१.२. आपत्कालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (सङ्कटकालीन परिस्थिति भन्दा पहिले)

| क्र.सं. | पूर्व तयारीसम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | समयावधि |
|---------|--|------------------------|---------------------|
| १ | व्यवस्थापन तथा समन्वय सम्बन्धी व्यवस्था | | |
| १.१ | समन्वय बैठकको आयोजना गर्ने (सबै क्षेत्रको सहभागितामा पूर्वतयारी सम्बन्धी छलफल गर्ने) | जि.वि.व्य.स. | वैशाखको पहिलो हप्ता |
| १.२ | सम्पर्क व्यक्तिको नाम, ठेगाना, भूमिका र जिम्मेवारी परिभाषित गर्ने | कार्यदल | वैशाखको पहिलो हप्ता |
| १.३ | साभेदार निकायहरूको सम्पर्क सूची तयार गर्ने | कार्यदल | वैशाखको पहिलो हप्ता |
| १.४ | सबै क्षेत्रको स्रोत र क्षमताको नक्साङ्कन गर्ने | कार्यदल | जेठको दोस्रो हप्ता |
| १.५ | विपद् सूचना केन्द्र स्थापना गर्ने | जिल्ला समन्वय समिति | नियमित |
| १.६ | समीक्षा बैठकको आयोजना गर्ने | जि.वि.व्य.स. | प्रत्येक महिना |
| २ | प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा (IRA) | | |

| | | | |
|-----|--|---|---------------------------------|
| २.१ | विपदबाट भएको क्षतिको विवरण सङ्कलन गर्नको लागि एकीकृत समूह गठन गर्ने | जि.वि.व्य.स. | वैशाखको पहिलो हप्ता |
| २.२ | विवरण सङ्कलनका लागि फारम तथा निर्देशिका तयार गर्ने | जि.वि.व्य.स. | वैशाखको पहिलो हप्ता |
| २.३ | एकीकृत समूहलाई बहुविषयगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा सम्बन्धी तालिमको आयोजना गर्ने | जि.वि.व्य.स. | वैशाखको दोस्रो हप्ता |
| २.४ | सङ्कलित जानकारीको विश्लेषणका लागि सम्पर्क व्यक्ति तोक्ने | कार्यदल | वैशाखको पहिलो हप्ता |
| २.५ | प्राप्त जानकारी/तथ्याङ्कलाई निरन्तर अद्यावधिक गर्ने | कार्यदल | निरन्तर |
| ३ | जिल्ला समन्वय समितिको सूचना केन्द्रलाई विपद् सूचना केन्द्रको रूपमा प्रयोग गर्न आवश्यक पर्ने भौतिक सामग्रीको व्यवस्थापन गर्न समन्वय गर्ने | जि.वि.व्य.स. | आवश्यकता अनुसार |
| ४ | आधाररेखा जानकारी (Baseline Information) का लागि अन्य स्रोतबाट तथ्याङ्क सङ्कलन | | |
| ४.१ | विपदजन्य गाउँपालिका सँग सम्बन्धित क्षेत्रगत जानकारी / तथ्याङ्क सङ्कलन गर्ने | जि.वि.व्य.स. रकार्यदल | जेठको पहिलो हप्ता |
| ४.२ | सङ्घासन्न क्षेत्रको नक्सा तयार गर्ने | जि.वि.व्य.स. रकार्यदल | जेठको दोस्रो हप्ता |
| ५ | जिल्लास्तरमा आपतकालीन कोषको पुनरावलोकन गरी कोषको स्थापना र व्यवस्थापन गर्न पहल गर्ने | जि.वि.व्य.स. | नियमित |
| ६ | प्रकोपसम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्न पोष्टर, पम्प्लेट आदि तयार गरी वितरण गर्ने र स्थानीय एफ. एम. र पत्रपत्रिकाबाट प्रकोपसम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धिका सूचना तथा जानकारी प्रशारण गराउने | जिल्ला समन्वय समिति सूचना केन्द्र, पत्रकार | निरन्तर |
| ७ | जिल्लास्थित सम्पूर्ण सरोकारवालाहरूलाई प्रकोप पश्चात् तत्कालीन मानवीय सहयोगका लागि आवश्यक पर्ने राहत सामग्रीको अग्रिम सञ्चय गरी भण्डारण गर्न समन्वय गर्ने । | जि.वि.व्य.स. | नियमित |
| ८ | विपदबाट विस्थापितहरूलाई परिचयपत्र वितरण गर्न परिचय पत्रको छपाई गर्ने | जि.वि.व्य.स. | जेठको दोस्रो हप्ता |
| ९ | जिल्ला समन्वय समितिको सूचना केन्द्रमा विपद् सूचना केन्द्रको कार्य गर्न थप एकजना जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्ने | जि.वि.व्य.स. | वैशाख |
| १० | पूर्वसूचना (Early Warning System) प्रणालीका लागि जोखिमयुक्त वडा कार्यालय तथा गाउँपालिकामा माइक, साइरन आदिको व्यवस्थापन गर्न जिल्ला समन्वय समिति, गाउँपालिका, नगरपालिका तथा सहयोगी संस्थाहरूसँग समन्वय गर्ने | जि.वि.व्य.स. | श्रावणको अन्तिम हप्तासम्म |
| ११ | जोखिमयुक्त गाउँपालिका, नगरपालिकाहरूको स्थानीय स्तरमा प्रकोप व्यवस्थापन समिति गठन गरी पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि तथा जनचेतनामुखी कार्यक्रम सञ्चालन गर्न जिल्ला समन्वय समिति, गाउँपालिका, नगरपालिका र सरोकारवाला निकायहरूसँग समन्वय गरी कार्य गर्ने | जि.वि.व्य.स. | श्रावणको अन्तिम हप्ताबाट नियमित |

४.१.३. समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट

| क्र.सं. | गतिविधि | इकाई | परिमाण | दर (रु) | जम्मा (रु) |
|---------|--|------|--------|---------|------------|
| १ | समन्वय बैठकको आयोजना | वटा | १ | ६००० | ६००० |
| २ | जिल्ला स्थित सबै सरोकारवालाको स्रोत र क्षमताको नक्साङ्कन | पटक | १ | ६००० | ६००० |
| ३ | बहुक्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा सम्बन्धी विवरण सङ्कलन गर्न फाराम तथा निर्देशिका तयारी | वटा | ३०० | ५ | १५०० |

| | | | | | |
|--------------|--|------------------|------|-------|-------------------|
| ४ | एकीकृत समूहलाई बहुक्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा सम्बन्धी तालिमको आयोजना | जना | १ | २०००० | २०००० |
| ५ | सड्टासन्न क्षेत्रको नक्सा तयारी | | १ | ३५०० | ३५०० |
| ६ | विपद् सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्न पोष्टर, पम्प्लेट आदि तयारी | संख्या | ५०० | २० | १०००० |
| ७ | विपद् सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्न स्थानीय एफ. एम. र पत्रपत्रिकाबाट प्रकोप सम्बन्धी सूचना प्रकाशन र प्रसारण (५ महिनासम्म) | पटक | १० | ५००० | ५०००० |
| ८ | विपद्बाट विस्थापित भएकाहरूलाई वितरण गर्न परिचय पत्रको छपाई | वटा | २००० | २५ | ५०००० |
| ९ | पूर्वसूचना प्रणाली Early Warning System का लागि जोखिमयुक्त गाउँपालिका, नगरपालिकामा माइक, सिडिएमए टेलिफोन, भण्डा, बाढी संकेत खम्बा Flood Marker Pillar साइरन आदिको व्यवस्थापन | न.पा./ गा.पा. | ८ | ५००० | ४०००० |
| जम्मा | | | | | १७८,०००।०० |

४.२. खोज र उद्धार

विपद्बाट हुनसक्ने सम्भावित मानवीय असर जस्तै : भवनहरू क्षति भई व्यक्तिको अवस्था पत्ता नलाग्नु, बस्ती डुबान वा भवनहरू भत्किएर प्रभावित हुनु, विपद् प्रभावित माथि हिंसा र अन्य अपराधिक गतिविधिहरू बढ्नु, जोखिमपूर्ण अवस्थाका महिला, बालबालिका तथा असहाय वर्गको स्थिति अझै दुःखदायी अवस्था आउन सक्दछ। त्यस्तो परिस्थितिमा खोज, उद्धार काम यस विषयगत क्षेत्रबाट सम्पन्न गरिनेछ।

मुख्य उद्देश्य :

विपद् प्रभावित व्यक्तिहरूलाई शीघ्रतिशीघ्र उद्धार गरी सहज तरिकाले सुरक्षित स्थानसम्म पुर्याउनु।

४.२.१. आपत्कालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि (विपद्को अवधिमा)

| क्र.सं. | प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|---------|---|--|--|
| १ | समन्वय र व्यवस्थापन (बस्ती डुबान र घरहरू भत्केको खबर प्राप्त हुनासाथ) | | |
| | खोज तथा उद्धार क्षेत्रको समन्वय बैठक आयोजना गर्ने | सुरक्षा निकाय, राजनीतिक दल, रेडक्रस | विपद्को खबर प्राप्त भएदेखि स्थिति सामान्य नभएसम्म |
| | घटनास्थलतर्फ खोजतलास तथा उद्धार टोली परिचालन गर्ने | | |
| | अपरेसन सेन्टरको स्थापना गर्ने | | |
| | सम्बन्धित क्षेत्रको सुरक्षा गर्ने | | |
| | प्रभावित स्थलको पहिचान र प्राथमिकता निर्धारण गर्ने | | |
| | सुरक्षित स्थानको पहिचान र उद्धारको प्रक्रिया जारी राख्ने | | |
| | अन्य सरोकारवाला निकायसँग समन्वय गर्ने | | |
| २ | खोज तथा उद्धार कार्य गर्ने | | |
| | डुबेका तथा भत्केका घरहरूको पहिचान गर्ने | सुरक्षा निकाय, राजनीतिक दलहरू, रेडक्रस | विपद्को खबर प्राप्त भएदेखि स्थिति सामान्य नभएसम्म |
| | स्थानीय बासिन्दासँग समन्वय गरी खोजी कार्य गर्ने | | |
| | अशक्त अवस्थामा फेला परेका व्यक्तिहरूको उद्धारलाई प्राथमिकता दिने | | |
| | बहुमूल्य सामानको उद्धार र सुरक्षा गर्ने | | |
| | हराएका व्यक्तिहरूको खोजतलास गर्ने | | |
| | डुबान कम गर्ने उपाय अवलम्बन गर्ने | | |

| | | | |
|---|--|---------------------------|---------------------------|
| ३ | प्रभावित स्थलका पीडितप्रति हिंसा र अपराधिक घटना नियन्त्रण | सुरक्षा निकाय | परिस्थिति सामान्य नभएसम्म |
| | प्रभावित स्थलका जिम्मेवार व्यक्तिसँग समन्वय गर्ने | | |
| | घटना स्थलमा प्रवेश गर्ने र बाहिर जाने बाटो नियन्त्रण गर्ने | | |
| | सङ्केत व्यक्ति/शंकास्पद व्यक्तिसँग सोधपुछ गर्ने | | |
| | व्यक्ति पक्राउ/सामान बरामद गर्ने | | |
| | कानुनी कारवाही र उपचार सुनिश्चित गर्ने । | | |
| ४ | महत्वपूर्ण आवश्यक स्रोत/साधनको उपलब्धता यकिन गर्ने | जि.वि.व्य.स. | आवश्यकता अनुसार |
| ५ | पानीमा डुबेका, घाइते भएका, अशक्त अवस्थामा फेला परेका आदिलाई संयुक्त स्वास्थ्य टोली (स्वास्थ्य कार्यालय, रेडक्रस, सुरक्षा निकाय र अन्य) परिचालन गरी प्राथमिक उपचार गराउने | संयुक्त स्वास्थ्य टोली | निरन्तर |
| ६ | राहत सामग्री वितरण कार्यमा अन्य क्षेत्रसँग समन्वय गरी आवश्यक सहयोग उपलब्ध गराउने | सुरक्षा निकाय र अन्य गैसस | निरन्तर |
| ७ | कार्यक्रमको अनुगमन गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सम्बन्धित निकायहरूमा पेश गरी जानकारी गराउने | सुरक्षा निकाय र अन्य गैसस | हप्तामा १ पटक |
| ८ | अभिलेख तयार गर्ने | | |
| | क. उद्धार गरिएका व्यक्ति /अवस्था | सुरक्षा निकाय | नियमित |
| | ख. बस्तीको डुबानको स्थिति | सुरक्षा निकाय | नियमित |
| | ग. बेपत्ता /मृत्यु भएको विवरण | सुरक्षा निकाय | नियमित |
| | घ चौपायाको अवस्था | सुरक्षा निकाय | नियमित |
| | ड. सम्पत्ति नोक्सानको विवरण | सुरक्षा निकाय | नियमित |

४.२.२. आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (विपद्/सङ्कटकालीन परिस्थिति भन्दा पहिले)

| क्र.स. | पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|--------|---|---|--|
| १ | विपद् प्रभावित क्षेत्रमा उद्धारको लागि परिचालन हुने सुरक्षा फौजको एकित गरीव्यवस्था गर्ने | सुरक्षा निकाय | जेठ महिना |
| २ | उद्धारको लागि थप जनशक्ति आवश्यक परेमा बैकल्पिक योजना बनाउने | सुरक्षा निकाय | जेठ महिना |
| ३ | प्रभावित स्थानबाट उपलब्ध हुने जनशक्ति, श्रोतसाधनको नक्साङ्कन गर्ने क) विपद् व्यवस्थापन बचत तथा आय आर्जन ख) स्वयंसेवकहरू ग) तालिम प्राप्त व्यक्ति, डुङ्गा र पौडिबाज | सुरक्षा निकाय | जेठ महिना |
| ४ | उद्धार कार्यमा खटिँदा अपनाउनु पर्ने सावधानी र उद्धारको तरिका बारेमा सरोकारवालालाई पूर्वतयारी तालिम सञ्चालन गर्ने | सुरक्षा निकाय | जेठ महिना |
| ५ | उद्धार कार्यका लागि आवश्यक पर्ने सामग्रीको व्यवस्थापन गरी भण्डारण गर्ने (डुङ्गा, लाइफ जाकेट, डोरी, ट्यूब, सवारीसाधन, कार्य सम्पादनको लागि आवश्यक सामग्री) | जि.वि.व्य.स., स्थानीय तह, सुरक्षा निकाय | जिल्ला विपद् प्रतिकार्य समिति सँग समन्वय भइरहेको |

| | | | |
|----|---|-----------------------------|-------------------|
| ६ | सूचना संजालको व्यवस्था गर्ने | | जेठ महिना |
| | क. सुरक्षा निकायको र प्रभावित स्थानको आवश्यक पर्ने टेलिफोन नं. एकीन गर्ने | जि.वि.व्य.स. | जेठ महिना |
| | ख. सुरक्षा निकायको सञ्चार उपकरण | सुरक्षा फौज | जेठ महिना |
| | ग. सुरक्षा निकायको POC | सुरक्षा फौज | जेठ महिना |
| | घ. समुदायको सम्पर्क व्यक्ति तोक्ने | सुरक्षा फौज | जेठ महिना |
| ७ | सुरक्षित स्थानको पहिचान गर्ने | | जेठ महिना |
| | क. प्रभावित क्षेत्रका विद्यालय, वडा कार्यालय र गाउँपालिका भवनहरू | सुरक्षा निकाय | जेठ महिना |
| | ख. सेल्टर भवनहरू | सुरक्षा निकाय | जेठ महिना |
| ८ | प्रारम्भिक मानवीय प्रतिकार्य | | |
| | क. फस्ट एड किट र नर्सिङ सहायकको व्यवस्था गर्ने | सुरक्षा फौज | नियमित |
| ९ | अपराध नियन्त्रण कार्य | | |
| | क. सचेतनाको कार्यक्रम सन्चालन गर्ने | सुरक्षा फौज/स्थानीय जनशक्ति | वैशाख |
| | ख. बाटो पहिचान तथा नियन्त्रण गर्ने | सुरक्षा फौज/स्थानीय जनशक्ति | वैशाख देखि नियमित |
| | ग. आपतकालीन सहयोगका आचार सहिता निर्माण गर्ने | जि.वि.व्य.स. | वैशाख |
| १० | सम्झौता गर्ने | जि.वि.व्य.स. | जेठ देखि श्रावण |
| | क. सवारी साधन /स्थानीय डुङ्गा | | |
| | ख. स्थानीय स्वयंसेवकको परिचालन | | |
| | ग. सुरक्षित स्थानको प्रयोग | | |
| ११ | उद्धार तथा उपचारको पूर्वाभ्यास गर्ने | सुरक्षा निकाय, रेडक्रस | भाद्र महिना |
| १२ | विपद उच्च जोखिम वडा कार्यालय र गाउँपालिकामा पूर्वसूचना प्रणालीको व्यवस्था गर्न जिल्ला विपद व्यवस्थापन समितिसँग समन्वय गर्ने | जि.वि.व्य.स. | फाल्गुन, चैत्र |

४.२.३. खोज तथा उद्धार क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट

| क्र.सं | गतिविधि | इकाई | परिमाण | दर (रु) | जम्मा (रु) |
|--------|---|------|--------|---------|---------------|
| १ | खोज तथा उद्धार क्षेत्रको समन्वय बैठक आयोजना | वटा | १ | ५००० | ५००० |
| २ | अप्रेसन सेन्टरको स्थापना | वटा | १ | ५००० | ५००० |
| ३ | लाइफ ज्याकेट | वटा | ५० | ३००० | १५०००० |
| ४ | डुङ्गा | वटा | २ | ४५०००० | ९००००० |
| ५ | डोरी मोटो | मिटर | २००० | २० | ४०००० |
| ६ | ट्युब | वटा | १० | १००० | ३०००० |
| ७ | सर्च लाइट | वटा | ५ | १२०० | ६००० |
| ८ | क्याराभेना हुक | वटा | ५० | ५०० | २५००० |
| ९ | स्ट्रेचर | वटा | १० | ३००० | ३०००० |
| १० | विभिन्न सामग्रीहरू (बेल्ला, कोदालो, बन्चरो, खुकुरी) | सेट | ५० | २००० | १००००० |
| ११ | मानवीय सेवाबारे सुरक्षाकर्मी तथा अन्यलाई १ दिने अनुशिक्षण | वटा | ५ | १५००० | ७५००० |
| | अनुमानित जम्मा | | | | ८९३,६६०००/१०० |

४.३. कृषि तथा खाद्य व्यवस्थापन क्षेत्र

विपद्को समयमा परिवारको खाद्य आपूर्तिमा कमी, खाद्यान्नमा घट्दो पहुँच, विस्थापितहरूमा खाद्यान्नको अस्थायी रूपमा गम्भीर खाद्य असुरक्षा, जीविकोपार्जनमा क्षति, बाली तथा पशुधनको नोक्सान, सामना गर्ने रणनीति (coping strategy)मा बाधाका कारणहरूले गर्दा मध्यम अवधिको तीव्र खाद्य असुरक्षा आउन सक्दछ। त्यस किसिमको परिस्थितिमा खाद्य व्यवस्थापन क्षेत्रले नेतृत्व गरी आवश्यक आधारभूत मापदण्डको आधारमा व्यवस्थापनको काम गर्ने छ।

समष्टिगत उद्देश्य :

- प्रभावित व्यक्तिहरूका लागि समयमा नै खाद्यान्नको उपलब्धता तथा खाद्यान्नमा पहुँच सुनिश्चित गराएर जीवन बचाउने एवं जीवनलाई निरन्तरता प्रदान गर्ने।

विशिष्ट उद्देश्य :

- जीवन रक्षासम्बन्धी रणनीतिहरू (survival strategies) का लागि आवश्यकताको पूर्ति गर्नका निमित्त खाद्य सम्बन्धी पर्याप्त स्रोतहरू उपलब्ध गराउने। जीवन रक्षासम्बन्धी रणनीतिहरूको फलस्वरूप मानव मर्यादा, पारिवारिक अस्तित्व, जीविकोपार्जनको सुरक्षा तथा वातावरणमा दीर्घकालीन रूपमा पर्ने नकारात्मक असरलाई कम गर्न।
- पारिवारिक स्रोतहरूलाई पुनर्लाभ (recovery) तथा दीर्घकालीन विकासमा लगानी गर्नका लागि सक्षम बनाउन मानिसहरूलाई अल्पकालीन रूपमा अम्दानीको स्थानान्तरण अथवा प्रतिस्थापन गर्ने अवसर प्रदान गर्न।

मानवीय सहयोगको मापदण्ड :

- प्रभावित व्यक्तिहरूको पहुँच निम्न वस्तुमा हुनेछ :
 - (१) प्रति व्यक्ति प्रतिदिन न्यूनतम २,१०० क्यालोरी प्राप्तहुने गरी सामान्य खाद्यान्नको राशन प्याकेज।
 - (२) प्रभावित मानिसहरूका लागि हाल विद्यमान तथा उपलब्ध भएका र पहुँच योग्य खाद्यपदार्थमा परिपूरक (complementary) को रूपमा एक अथवा दुई खाद्यपदार्थहरू पूरक रासनको रूपमा उपलब्ध गराउने।
 - (३) निश्चित समूहका व्यक्तिहरूका (साना बालबालिका, एचआईभी भएकाव्यक्ति, कुपोषित व्यक्तिहरू आदि) आवश्यकतालाई पूरा गर्नका लागि सामान्य रासनका अतिरिक्त परिपूरक रासनको व्यवस्था।
- मापदण्ड बमोजिमको किट सिफारिश।
- चामल – प्रति दिन प्रति व्यक्ति ४०० ग्राम, दाल – प्रति दिन प्रति व्यक्ति ६० ग्राम।
- वनस्पति तेल – प्रति दिन प्रति व्यक्ति ३० मि.लि., नुन – प्रति दिन प्रति व्यक्ति ४ ग्राम।
- स्थानीय परिस्थिति बमोजिम खाद्यान्न वितरणको आकार निर्धारित गरिनु पर्दछ, तर पनि शुरुमा घरायसी स्तरमा गरिने वितरण र अन्तिम लेखाजोखाबाट प्राप्त तथ्याङ्कको आधारमा व्यक्तिका आधारमा वितरण गरिनुपर्दछ।

४.३.१. आपतकालीन प्रतिकार्यसम्बन्धी गतिविधि: विपद्को अवधिमा

| क्र.सं. | प्रतिकार्यसम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | समय अवधि |
|---------|--|--------------------------------------|--|
| १ | खाद्य क्षेत्रको समन्वय बैठकको आयोजना <ul style="list-style-type: none"> ■ जानकारी सङ्कलन गर्न ■ परिस्थिति विश्लेषण गर्न | खाद्य क्षेत्र प्रमुख र खाद्य क्षेत्र | विपद् आए पछि तुरुन्तै, पहिलो हप्तासम्म १ दिन विराएर, दोस्रो हप्ताबाट हप्तामा १ पटक |
| २ | अन्य क्षेत्रसँग समन्वय गर्ने | खाद्य क्षेत्र | निरन्तर |
| ३ | विपद्बाट प्रभावित क्षेत्रको निरीक्षण गर्ने | खाद्य क्षेत्र | पहिलो दिन |
| ४ | अन्य क्षेत्रसँग समन्वय गरी बहुक्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा (MIRA) सञ्चालन गर्ने | खाद्य क्षेत्र | विपद् आएको ३ देखि ५ दिन भित्र |
| ४.१ | बहुक्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखाको विश्लेषण गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने र सरोकारवाला सबैलाई उपलब्ध गराउने | खाद्य क्षेत्र | ७ दिनभित्र |
| ५ | तयारी खाना वितरणका लागि कार्ययोजना तयारी बैठकको आयोजना गर्ने | खाद्य क्षेत्र | २४ घण्टाभित्र |

| | | | |
|----|--|--|-------------------------|
| ६ | विपदबाट विस्थापितहरूको लागि रासन कार्डको वितरण गर्ने | खाद्य क्षेत्र | ७ दिनभित्र |
| ७ | विपदबाट विस्थापितहरूको लागि पहिलो ७ दिनसम्मको लागि तयारी खाना वितरण गर्ने (चाउचाउ, चिउरा, भुजा, बिस्कुट, भेली, नुन) | खाद्य विषयगत समिति, जि.वि.व्य.स. खोज तथा उद्धार समिति, रेडक्रस | पहिलो दिनदेखि ७ दिनसम्म |
| ८ | आवश्यक पर्ने खाद्य सामग्रीको व्यवस्था र भण्डारण गर्ने | खाद्य क्षेत्र | ७ दिनभित्र |
| ९ | वितरण केन्द्रको पहिचान गरीनिर्धारण गर्ने | खाद्य क्षेत्र | ७ दिनभित्र |
| १० | खाद्य सामग्रीको वितरणको लागि सूचना प्रवाह गर्ने | खाद्य क्षेत्र | ७ दिनभित्र |
| ११ | मापदण्डमा उल्लेख भए अनुसार, खाद्य सामग्री वितरण गर्ने (चामल, दाल, तेल, नुन, मसला) | खाद्य क्षेत्र, जि.वि.व्य.स., खोज तथा उद्धार समूह, रेडक्रस | ८ औं दिनदेखि ३० दिनसम्म |
| १२ | खाद्य सामग्री उपलब्ध गराउन भएका प्रयासहरूको बारेमा जिदैप्रउसलाई जानकारी दिने | खाद्य क्षेत्र | हरेक १ हप्तामा |
| १३ | आवश्यकता, उपलब्धता तथा रिक्तताको यथार्थ विवरण संकलन गरी सबैलाई प्रतिवेदनका माध्यमबाट सूचित गर्ने | खाद्य क्षेत्र | नियमित |
| १४ | स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रसँग समन्वय गरी ६ महिनादेखि ५ वर्ष मुनिका बालबालिका, बृद्ध बृद्धा, गर्भवती र सुत्केरी महिलालाई पौष्टिक आहार वितरण गर्ने | खाद्य क्षेत्र, स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्र | आवश्यकता अनुसार, नियमित |
| १५ | अनुगमन तथा मूल्याङ्कन चेक लिस्ट तयार गर्ने, अनुगमन गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने | खाद्य क्षेत्र | हप्तामा १ पटक |
| १६ | जानकारीका लागि जिल्ला विपद व्यवस्थापन समितिमा अनुगमन प्रतिवेदन पेश गर्ने | खाद्य क्षेत्र प्रमुख | प्रत्येक हप्ता |

४.३.२. आपत्कालीन परिस्थितिको पूर्वतयारीसम्बन्धी गतिविधि (विपद्/सङ्कटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले)

| क्र.सं. | पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|---------|--|--|-----------------|
| १ | खाद्य क्षेत्रको समन्वय बैठक : ■ बैठकलाई नियमित गर्न मिति तोक्ने ■ जिम्मेवारी बाँडफाँड गर्ने | खाद्य क्षेत्र प्रमुख | वैशाख महिनाबाट |
| २ | अन्य क्षेत्रसँग मिली बहुक्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा (MIRA) सञ्चालनका लागि खाद्य क्षेत्रगत समितिका सदस्यहरूलाई (MIRA) को तालिम प्रदान गर्ने | खाद्य क्षेत्र | वैशाख महिना |
| ३ | तयारी तथा खाद्य सामग्रीको उपलब्धता सम्बन्धी सबै संस्थासँग भएको मौज्जात विवरण सङ्कलन गर्ने | खाद्य क्षेत्र प्रमुख र खाद्य क्षेत्र | जेठ मसान्तसम्म |
| ४ | तयारी तथा खाद्य सामग्रीको उपलब्ध गराउन सक्ने व्यक्ति तथा व्यवसायीसँग इच्छापत्र साथै दरभाउ पत्रको माग गर्ने | जिल्ला विपद व्यवस्थापन समिति, खाद्य क्षेत्र प्रमुख | जेठ मसान्तसम्म |
| ५ | खाद्य सामग्रीको गुणस्तर सुनिश्चितताका लागि गुणस्तर तथा नापतौल विभाग र खाद्य प्राविधिकसँग समन्वय गर्ने | खाद्य क्षेत्र प्रमुख | जेठ मसान्तसम्म |
| ६ | खाद्य सामग्री भण्डारणका लागि स्थान तथा गोदामको छनौट, साथै ढुवानीका लागि गाडीको व्यवस्थापन गर्ने | जिल्ला विपद व्यवस्थापन समिति, खाद्य क्षेत्र प्रमुख | जेठ मसान्तसम्म |
| ७ | खाद्य सामग्री वितरणका लागि विभिन्न संस्थासँग समन्वय गरी स्वयमसेवकहरूको छनौट गर्ने | जिल्ला विपद व्यवस्थापन समिति, खाद्य क्षेत्र प्रमुख | असार मसान्तसम्म |
| ८ | मानवीय सहयोगका लागि आवश्यक पर्ने तयारी खानाको व्यवस्था गरी भण्डारण गर्ने(चाउचाउ, चिउरा, भुजा, बिस्कुट, भेली) | खाद्य क्षेत्र | असार मसान्तसम्म |

| | | | |
|----|--|---|--------------------|
| ९ | मानवीय सहयोगका लागि आवश्यक पर्ने खाद्य सामग्रीको व्यवस्थापन गरी भण्डारण गर्ने (चामल, दाल, तेल, नुन, मसला) | खाद्य क्षेत्र | असार मसान्तसम्म |
| १० | स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रसँग समन्वय गरी ६ महिनादेखि ५ वर्ष मुनिका बालबालिका, वृद्ध वृद्धा, गर्भवती र सुत्केरी महिलालाई पौष्टिक आहारको व्यवस्था गर्न भण्डारणको लागि व्यवस्था गर्ने | खाद्य क्षेत्र, स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्र | असार मसान्तसम्म |
| ११ | विपद्बाट विस्थापितहरूको लागि रासन कार्डको तयारी गरी छुपाई गर्ने | जि.वि.व्य.स., खाद्य क्षेत्र | असार मसान्तसम्म |
| १२ | अनुगमन टोली निर्माण गरी अनुगमन फाराम तयार गर्ने | खाद्य क्षेत्र | जेठको दोस्रो हप्ता |
| १३ | अनुगमन टोलीलाई अभिमुखीकरण गर्ने | खाद्य क्षेत्र | जेठको दोस्रो हप्ता |

४.३.३. खाद्य क्षेत्रका लागि अनुमानित बजेट

| क्र.सं. | गतिविधि | इकाई | परिमाण | दर (रु) | जम्मा (रु) |
|---------|---|----------|--------|---------|------------------|
| १ | समन्वय बैठकको आयोजना | वटा | १ | ५००० | ५००० |
| २ | तयारी तथा खाद्य सामग्रीको उपलब्ध गराउन सक्ने व्यक्ति तथा व्यवसायीसँग इच्छापत्र साथै दरभाउपत्रको माग | पटक | १ | १५००० | १५००० |
| ३ | खाद्य सामग्री भण्डारणका लागि गोदाम घरको व्यवस्था | महिना | ३ | ६००० | १८००० |
| ४ | खाद्य सामग्री ढुवानीका लागि गाडीको व्यवस्थापन | पटक | ४ | १५००० | ६०००० |
| ५ | विपद्बाट विस्थापितहरूको लागि रासन कार्डको छुपाई (परिचय पत्र सँग तादाम्यता कायम हुने गरी) | सङ्ख्या | २००० | १० | २०००० |
| | जम्मा | | | | रु१९८,०००।०० |
| ६ | मानवीय सहयोगका लागि आवश्यक पर्ने तयारी खानाको व्यवस्था (विस्थापित १२२४९ जनाको लागि १ हप्तासम्म) | | | | |
| ६.१ | चाउचाउ (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति १ प्याकेटका दरले) | प्याकेट | ८५७४३ | २५ | २१४३५७५ |
| ६.२ | चिउरा (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ३०० ग्रामका दरले) | केजी | २५७२३ | ४० | १०२८९२० |
| ६.३ | भुजा (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति १०० ग्रामका दरले) | केजी | ८५७४ | ७० | ६००१८० |
| ६.४ | बिस्कुट (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति १ प्याकेटका दरले) | प्याकेट | ८५७४३ | १५ | १२८६१४५ |
| ६.५ | भेली (प्रतिहप्ता प्रतिव्यक्ति ५०० ग्रामका दरले) | केजी | ६१२५ | ७० | ४२८७५० |
| ६.६ | नुन (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ५ ग्रामका दरले) | केजी | ४२८ | २५ | १०७०० |
| | जम्मा | | | | रु ५४,९८,२७०।० |
| ७ | मानवीय सहयोगका लागि आवश्यक पर्ने खाद्य सामग्रीको व्यवस्थापन (१२२४९ जनाको लागि ३ हप्तासम्म) | | | | |
| ७.१ | चामल (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ४२० ग्राम) | क्विन्टल | ११५८ | ५००० | ५७९,०००।०० |
| ७.२ | दाल (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ६० ग्राम) | क्विन्टल | १५४ | १५००० | २३१०००।०० |
| ७.३ | तेल (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ३० मि.लि) | लिट्र | ७७९६ | १४५ | १११८८२० |
| ७.४ | नुन (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ५ ग्राम) | केजी | १२८६ | २५ | ३२१५० |
| ७.५ | मसला (प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ५ ग्रामका दरले) | केजी | १२८६ | २०० | २५७२०० |
| ८ | वितरकको लागि पारिश्रमिक (१ महिना) | जना | ५ | १५००० | ७५००० |
| | जम्मा | | | | रु५५,८३,१७०।०० |
| | कुल जम्मा | | | | रु१,५१,८५,४४०।०० |

४.४. आपतकालीन आवास तथा गैर खाद्य सामाग्री व्यवस्थापन क्षेत्र

यस विपद् पूर्व तयारी आँकलन गर्दा विपद्बाट हुनसक्ने सम्भावित मानवीय असर तपसिल अनुसार आँकलन गरिएको छ ।

विस्थापित परिवारलाई कम्तिमा १ महिनाको लागि आवास तथा गैर खाद्य सामाग्रीको व्यवस्था गर्नु पर्ने,

- सार्वजनिक पूर्वाधारको क्षति (सडक, पुल, विद्युत् आपूर्ति, सञ्चार),
 - आवासको अस्थायी क्षति तथा मुख्य रूपमा केटाकेटी, महिला, वृद्ध-वृद्धा र विभिन्न किसिमले असहाय मानिस (अपाङ्ग) हरूको विस्थापन सहित व्यक्तिगत सामानहरूको क्षति,
 - विद्यालयका कक्षा कोठा, पुलिस चौकी तथा स्वास्थ्य केन्द्रहरूजस्ता उपलब्ध सार्वजनिक संस्थाहरूमाथि दबाव,
 - सामुदायिक संस्थागत स्थानहरूमा अस्थायी आवासको उपयोग गर्दा सामुदायिक स्वास्थ्यसम्बन्धी व्यवहारमा देखिने चुनौतीहरू ।
- उल्लेखित आँकलन गरिएको व्यवस्थापनको लागि नेपाल रेडक्रस सोसइटीले अन्य सरोकारवाला हरूसंगको समन्वयमा नेतृत्व गर्ने छ ।

समष्टिगत उद्देश्य :

- आवास : सुरक्षित तथा न्यूनतम मानवीयस्तरको बस्ने ठाउँको प्राप्तिका लागि भौतिक एवं प्राथमिक सामाजिक आवश्यकताहरूमा व्यक्ति तथा परिवारहरूको पहुँच सुनिश्चित गर्ने । यथासम्भव यस प्रक्रियामा बढीभन्दा बढी आत्मनिर्भरता तथा आफैँ व्यवस्थापन (Self-Management) प्रक्रिया अपनाउन जोड दिईने छ,
- शिविर समन्वय तथा शिविर व्यवस्थापन : प्राकृतिक विपद्का कारणले घरबारविहीन बनेका मानिसहरूका निमित्त स्थायी समाधानको खोजीका लागि प्रयत्न गर्नुका साथै विस्थापित व्यक्तिहरूलाई मानव अधिकारको उपभोग गर्न सक्षम पार्नका निमित्त जीवनस्तर उठाई शिविरहरूमा जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने ।

विशिष्ट उद्देश्य :

- जलवायुका प्रतिकूल असरहरूबाट संरक्षण प्रदान गर्नका लागि मानिसहरूका लागि छाना भएका पर्याप्त ठाउँ उपलब्ध गराउने,
- जल-वायुबाट संरक्षण प्रदान गर्नका लागि र तिनको मर्यादा, सुरक्षा तथा कल्याण सुनिश्चित गर्नका लागि प्रभावित व्यक्तिहरूसँग पर्याप्त कम्बल एवं लुगा उपलब्ध गराउने,
- घरायसी भाँडा-कुँडा तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्यका लागि आवश्यक सामाग्रीहरू जस्तै साबुन आदिको व्यवस्था गरी मानवीय मर्यादा तथा कल्याणका लागि न्यूनतम औजारहरूमा पीडित परिवारहरूको पहुँच पुर्याउने ।

४.४.१. आपतकालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, आपतकालीन परिस्थितिको अवधिमा

| क्र.सं. | प्रतिकार्यसम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | समयअवधि |
|---------|--|---|---|
| १ | आपतकालीन विषयगत समितिको समन्वय बैठक <ul style="list-style-type: none"> ● जानकारीको सङ्कलन ● परिस्थितिको विश्लेषण | पूर्वाधार विकास डिभिजन कार्यालयको नेतृत्वमा सम्बन्धित सबै सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाहरू | तत्काल, विपद् आएको २ घण्टा भित्र, पहिलो ७ दिनसम्म १ दिन बिराएर, दोस्रो हप्ताबाट हप्तामा १ पटक |
| २ | कार्यदललाई परिस्थिति विश्लेषणका लागि प्रभावित क्षेत्रमा पठाउने | विषयगत प्रमुख | ४ घण्टाभित्र |
| २.१ | अवस्था विश्लेषण गरी ल्याएको प्रतिवेदन अनुसार तत्काल बैठक बस्ने र कार्ययोजना बनाउने | विषयगत प्रमुख, सम्बन्धित विषयका सदस्यहरू | १२ घण्टाभित्र |
| ३ | विस्थापितहरूलाई पूर्व निर्धारित स्थानमा बासको व्यवस्था मिलाउने, आश्रयस्थल (Shelter) निर्माणको लागि सामाग्रीको व्यवस्था गर्ने | विषयगत प्रमुख, स्थानीय कार्यकर्ता, कार्यदल | १२ घण्टाभित्र |
| ४ | बाँकी विस्थापितहरूलाई सुरक्षित स्थानमा त्रिपालको व्यवस्था गरी अस्थायी बसोवास गराउने | क्षेत्र प्रमुख, स्थानीय कार्यकर्ता, कार्यदल | १२ घण्टाभित्र |

| | | | |
|-----|--|---|-------------------------|
| ५ | गैरखाद्य सामाग्री तत्काल, विपद प्रभावित क्षेत्रमा पठाउने र वितरण गर्ने (वितरण गर्दा परिवार सङ्ख्या, लिङ्ग र उमेरका आधारमा आवश्यकता पहिचान गरी लक्षित वर्गलाई विशेष ध्यान दिने) | जि.वि.व्य.स., क्षेत्र प्रमुख, रेडक्रस | १२ घण्टाभित्र |
| ६ | अन्य विषयगत समिति (खानेपानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा निकाय, सम्बन्धित INGOs, NGOs सँग समन्वय गरी मानवीय सेवा प्रदान गर्ने) | सम्बन्धित क्षेत्रको प्रमुख र रेडक्रस | २४ घण्टाभित्र |
| ७ | अन्य क्षेत्रका टोलीहरूसँग मिली बहुक्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा (MIRA) सञ्चालन गर्ने | सम्बन्धित क्षेत्रका सदस्यहरू | ३ देखि ५ दिनभित्र |
| ७.१ | बहुक्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखाबाट आएको सूचनाको विश्लेषण गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने | सम्बन्धित क्षेत्रका सदस्यहरू | ७ दिनभित्र |
| ७.२ | प्रतिवेदनलाई जि.वि.व्य.स. र अन्य क्षेत्रका प्रमुखहरूलाई उपलब्ध गराउने | सम्बन्धित क्षेत्रको प्रमुख | ७ दिनभित्र |
| ८ | उद्धार गरिएका पीडितहरूलाई आवासस्थलमा बुझ्ने र दर्ता गर्ने | सम्बन्धित क्षेत्रका सदस्यहरू | आवश्यकता अनुसार, नियमित |
| ९ | परिस्थिति समीक्षा/मूल्याङ्कन गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने | कार्यदल | प्रत्येक हप्ता |
| १० | आवासको निरीक्षण र अनुगमन | कार्यदल | प्रत्येक हप्ता |
| ११ | विस्थापितहरूलाई पनःस्थापना/पुनःनिर्माण कार्यका लागि आवश्यक सहयोग गर्ने | क्षेत्र प्रमुख, समुदाय, राजनैतिक कार्यकर्ता | १ महिनामा |
| १२ | प्रतिवेदन तयार गरी छलफलका लागि वितरण गर्ने | क्षेत्र प्रमुख, कार्य दल | १ महिनापछि |

४.४.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारीसम्बन्धी गतिविधि (सङ्कटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले)

| क्र.सं. | पूर्वतयारीसम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | समयअवधि |
|---------|---|--|--------------------------------|
| १ | सरोकारवालासँग समन्वयात्मक बैठकको आयोजना गरी बैठकलाई निरन्तरताका लागि मिति तोक्ने | क्षेत्र प्रमुख | वैशाख |
| २ | पूर्व तयारीका लागि कार्यदल गठन (नाम, ठेगाना, सम्पर्क नं. समेत) | क्षेत्र प्रमुख, सम्बन्धित क्षेत्रका सदस्यहरू | वैशाख दोस्रो सम्म |
| ३ | जिल्ला तथा स्थानीय सरोकारवालाको क्षमता तथा स्रोत नक्सांकन गर्ने | कार्यदल | वैशाख तेस्रो हप्तासम्म |
| ४ | स्थानीयवासिको प्रतिकार्यमा गठित कार्यदलले सुरक्षित स्थान तथा आश्रय स्थलको पहिचान गर्ने | कार्यदल | वैशाख तेस्रो हप्तासम्म |
| ५ | स्रोतको कमी मापन गरी सोको पूर्तिका लागि सरोकारवालासँग समन्वय गरी व्यवस्थापन गर्ने | कार्यदल | जेठको पहिलो हप्ता |
| ६ | राष्ट्रिय सरोकारवालासँग परिस्थिति विश्लेषण र स्रोत उपलब्धता बारे बैठक बसी छलफल गर्ने | जि.वि.व्य.स., क्षेत्र प्रमुख, कार्यदल | जेठको पहिलो हप्ता |
| ७ | सुरक्षित गोदामको पहिचान गरी व्यवस्थापन गर्ने | कार्यदल | जेठ दोस्रो हप्तासम्म |
| ८ | गोदामको सुरक्षा व्यवस्था मिलाउन सुरक्षा निकायसँग समन्वय गर्ने | क्षेत्र प्रमुख, सुरक्षा निकाय | समान भण्डारण गर्नु १ हप्ता अघि |
| ९ | विपद् प्रभावित गाउँपालिका तथा नगरपालिकामा सामुदायिक आश्रय स्थलको निर्माण गर्ने | रेडक्रस, क्षेत्रका सदस्यहरू, | चैत्र, वैशाख |
| १० | आवासका सामाग्री तथा गैर खाद्य सामाग्री वितरणका लागि आवश्यक यातायातको पहिचान तथा व्यवस्थापनका साथै स्वयंसेवकको पहिचान गरी तालिम दिने | जि.वि.व्य.स., क्षेत्र प्रमुख, रेडक्रस | जेठ तेस्रो हप्तासम्म |

| | | | |
|----|---|---|----------------------|
| ११ | परिचालित स्वयंसेवकको दुर्घटना विमा तथा जीवन विमाका लागि जिल्ला विपद व्यवस्थापन समितिमा अनुरोध गर्ने | क्षेत्र प्रमुख, रेडक्रस | जेठ तेस्रो हप्तासम्म |
| १२ | गोदाम घरको नियमित अनुगमन, निरीक्षण र रेखदेख गर्ने | कार्यदल, सुरक्षा निकाय, जि.वि.व्य.स., रेडक्रस | नियमित |
| १३ | कार्यदलले DDMC मा नियमित प्रतिवेदन दिने | कार्य दल | प्रत्येक महिनामा |

४.४.३. आवास तथा गैर खाद्य सामाग्री क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट

| क्र.सं. | गतिविधि | इकाई | परिमाण | दर (रु) | जम्मा (रु) |
|---------|---|-------|--------|---------|------------------|
| १ | समन्वय बैठक | पटक | १ | १०००० | १०००० |
| २ | सामाग्री भण्डारणका लागि गोदाम घर भाडामा लिने | महिना | ३ | ६००० | १८००० |
| ३ | गोदाम घरको संरक्षण र व्यवस्थापनका लागि कर्मचारी व्यवस्था | महिना | ३ | ६००० | १८००० |
| ४ | विस्थापित परिवारका लागि आश्रय स्थलको निर्माणका लागि पारिश्रमिक | वटा | १९१५ | २०० | ३८३००० |
| ५ | आश्रय स्थलको निर्माणका लागि बाँस, डोरी खरिद | वटा | १९१५ | ३०० | ५७४५०० |
| ६ | विस्थापित परिवारका लागि किचन सामाग्री (बाल्टिन, जग, थाल, कचौरा, डाँडु, पनियो, बाटा, डेक्की, कराई, गिलास, चूलो, दाउरा) | सेट | २०४२ | ३५०० | ७१४७००० |
| ७ | विस्थापित परिवारलाई अस्थायी आवासको व्यवस्थापन गर्न त्रिपालको खरिद | थान | १९१५ | ३००० | ५७४५००० |
| ८ | विस्थापित परिवारलाई अस्थायी आवासको व्यवस्थापन गर्न ओडने ओछ्याउने कपडा (कम्बल ३, मेटिक्स ३) खरिद | सेट | २०४२ | ३५०० | ७१४७००० |
| ९ | दुई वर्षसम्मका केटाकेटीहरूका लागि कपडा (भोटो, भेष्ट, सुरुवाल, ब्लाड्केट, टोपी, पेन्टी) | सेट | ४८९ | १००० | ४८९००० |
| १० | दुईदेखि पाँच वर्षसम्मका केटाकेटीहरूका लागि कपडा (ब्लाड्केट, टोपी, पेन्टी) | सेट | ११०३ | ८०० | ८८२४०० |
| ११ | गर्भवती तथा स्तनपान गराई रहेकी महिला (पेटीकोट, ब्लाउज, पछौरा, सारी, पेन्टी) | सेट | ३०७ | १५०० | ४६०५०० |
| १२ | गर्भवती महिला (सुत्केरी सामाग्री) | सेट | १४१ | ७०० | ९८७०० |
| १३ | वृद्ध वृद्धा तथा विभिन्न किसिमले अपाङ्गता भएका विस्थापित महिलालाई १ सेट कपडा (पेटीकोट, ब्लाउज, पछौरा, सारी, चप्पल) | सेट | १८४१ | १५०० | २७६१५०० |
| १४ | वृद्धवृद्धा तथा विभिन्न किसिमले अपाङ्गता भएका विस्थापित पुरुषलाई १ सेट कपडा (दौरा, सुरुवाल, टोपी, गम्छा, चप्पल) | सेट | १८३४ | १५०० | २७५१००० |
| १५ | हुवानीको व्यवस्थापन | | | | |
| १६ | स्वयं सेवकहरूलाई पारिश्रमिक | जना | ५ | ६००० | ३०००० |
| १७ | स्वयं सेवकहरूलाई तालिम | जना | ५ | १५०० | ७५०० |
| १८ | स्वयं सेवकको दुर्घटना विमा | जना | ६ | २००० | १२००० |
| १९ | अनुगमन, मूल्यांकन तथा प्रतिवेदन तयारी | | | १५००० | १५००० |
| | जम्मा | | | | रु२,८५,५०,१००।०० |

४.५. खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र

विपद्बाट हुन खानेपानी तथा सरसफाई संग सम्बन्धित सार्वजनिक पूर्वाधारहरूको क्षतिहरूमा विपद्को कारणबाट होचो स्थानमा रहेका क्षेत्रहरूमा सुरक्षित खानेपानीको मुहान अवरोद्ध हुने गरी इनारहरू दूषित हुने र डुबने, वातावरण दूषित हुने गरी शौचालयहरू भरिने, सुरक्षित पानीको अभाव तथा ढलबाट दूषित वातावरणले गर्दा भाडा तथा हैजा फैलिन जोखिम बढ्ने हुँदा त्यसबाट हुन सक्ने सम्भावित मानवीय असरलाई कम गर्न यस क्षेत्रले आवश्यक व्यवस्था गर्ने छ। यस क्षेत्रको नेतृत्व गर्ने निकायले

सम्बन्धित स्थानीय निकायसँगको समन्वयमा आपत्कालीन व्यवस्थापनका काम गर्ने छ ।

समष्टिगत उद्देश्य :

- प्रभावित परिवारहरूको जीवनयापन सुचारु गर्न अत्यावश्यक खानेपानी, स्वास्थ्य तथा सर-सफाइसँग सम्बन्धित न्यूनतम सेवाहरू सुनिश्चित गर्ने र यिनीहरूसँग सम्बन्धित रोगव्याधीहरू फौलन नदिन उपयुक्त रोकथामका उपाय समेत अपनाउने । साथै समाजमा रहेका जातीय समूहहरूबीच सद्भाव कायम हुने गरी आश्रयस्थलमा उपयुक्त व्यवस्थापन गर्ने ।

विशिष्ट उद्देश्य :

- विस्थापित समुदायका लागि, खास गरी शिविरमा बस्ने मानिसहरूका लागि सुरक्षित खानेपानी, स्वास्थ्य शिक्षा तथा अस्थायी रूपमा सरसफाइ एवं नुहाउने सुविधाहरूमा पहुँच उपलब्ध छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने,
- विस्थापित मानिसहरूलाई आधारभूत स्वास्थ्यसम्बन्धी सामग्री उपलब्ध गराइएको छ र खानेपानी, सरसफाइ तथा स्वास्थ्यसँग सम्बन्धित व्यवहारिक प्रचलनहरूका बारेमा उचित रूपमा जानकारी उपलब्ध गराइएको छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने,
- सम्पूर्ण उपकरण तथा सुविधा उपलब्ध गराइएका छन् र विस्थापित मानिसहरू बस्ने शिविरहरूमा सफा-सुगंध (Cleanliness) कायम गर्न सचेतना बढाइएको र तिनको सशक्तीकरण गरिएको छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने ।

४.५.१. आपत्कालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, विपद (आपत्कालीन परिस्थिति) को अवधिमा

| क्र.सं. | प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|---------|--|---|--|
| १ | WASH क्षेत्रको समन्वय बैठक: <ul style="list-style-type: none"> ■ सूचना सङ्कलन तथा परिस्थिति विश्लेषण ■ कार्य तथा जिम्मेवारी बाँडफाड ■ सहयोगी संस्थाको पहिचान ■ Cluster सदस्यहरू बीच सम्झौता गर्ने ■ Gap विश्लेषण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | पहिलो विपद् आएको २४ घण्टा भित्र, दोस्रो पहिलो साता १ दिन विराएर, तेस्रो : दोस्रो हप्तामा १ पटक |
| २ | विपदबाट भएको क्षति बारे सूचना सङ्कलन गरी आवश्यकताको विश्लेषण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | ३ दिन भित्र |
| ३ | WASH Cluster सदस्यहरूले आआफ्नो माथिल्लो निकायमा Gap को जानकारी गराई प्रतिकार्यको लागि अनुरोध गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | ३ दिन भित्र |
| ४ | अन्य क्षेत्रका टोलीहरूसँग मिली बहुक्षेत्रगत द्रुत लेखाजोखा (MIRA) सञ्चालन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | ३ दिन भित्र |
| ५ | MIRA विश्लेषण गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | ५ दिन भित्र |
| ६ | खानेपानी शुद्धिकरणका सामान वितरण गर्ने <ul style="list-style-type: none"> ■ १० र २० लिटरका बाल्टीन १/१ वटा ■ १ लि.को जग १ ■ पिउस (पहिलो १ हप्ता) ■ वाटर गार्ड (१ हप्ता पछि) | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | १ हप्ता भित्र |
| ७ | पानी शुद्धिकरण गर्ने तरिका सम्बन्धी अभिमुखीकरण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | १ हप्ता भित्र |
| ८ | विस्थापितहरूलाई प्रति परिवार एक सेट हाईजिन किट (हर्पिक, ब्रस, फिनेल, बाल्टिन, मग) उपलब्ध गराउने र अभिमुखीकरण गर्ने । | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | १० दिन भित्र |

| क्र.सं. | प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|---------|--|---|---|
| ९ | विस्थापितहरूको लागि WASH का सुविधाको निर्माण तथा मर्मत कार्य <ul style="list-style-type: none"> २० महिलाको लागि १ नयाँ शौचालय निर्माण ५० पुरुषको लागि १ नयाँ शौचालय निर्माण महिला, बालबालिका विस्थापितलाई स्नान गृह निर्माण पहाडको लागि पोलिथिन पाइप फिटिङ गर्ने तराई र भित्री मधेशको लागि आवश्यकता अनुसार हेण्ड पाइप जडान गर्ने पूराना चर्पी तथा हाते कलको मर्मत गर्ने (पूर्वाधार स्थापना गर्दा अपाङ्ग, महिला, बालबालिका, पुरुष सबैलाई पायक र सहज हुने गरी प्रतिकार्य व्यवस्था मिलाउने) | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | १ हप्ता भित्र दोस्रो हप्ता भित्र |
| १० | सरसफाई प्रवर्द्धन कार्यक्रम सन्चालन <ul style="list-style-type: none"> विस्थापित शिविर क्षेत्रको निर्मलीकरण फोहरमैला व्यवस्थापन सरसफाई समिति गठन सूचना, शिक्षा तथा संचारसम्बद्ध सामग्री वितरण स्वयमसेवक परिचालन सरसफाई सम्बन्धी जनचेतना (माईकिङ्ग, सडक नाटक) | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | १ हप्ता देखि नियमित |
| ११ | व्यक्तिगत तथा सामुहिक सरसफाई र सरुवा रोगको महामारी (जस्तै: भाडापखाला) सम्बन्धी स्वास्थ्य क्षेत्रसँग समन्वय गरी स्वास्थ्य र सरसफाई सचेतना कार्यक्रम सन्चालन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | दोस्रो हप्ता देखि |
| १२ | प्रभावित विद्यालय, मदरसा, स्वास्थ्य केन्द्रमा चर्पी र पानीका कलहरूको मर्मत गरी सञ्चालनमा ल्याउने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | तेस्रो हप्ताबाट |
| १३ | अन्य क्षेत्र र समुदायसँग छलफल र समन्वय गरी पृष्ठपोषण लिई सुधार गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | दोस्रो हप्ताबाट नियमित |
| १४ | वास क्षेत्रको नियमित बैठकको प्रतिवेदन तयार गरी वितरण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | प्रत्येक हप्ता |
| १५ | अनुगमन मूल्यांकन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | नियमित |

४.५.२. आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारीसम्बन्धी गतिविधि सङ्कटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले

| क्र.सं. | पूर्वतयारीसम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | समय अवधि |
|---------|---|---|--|
| १ | WASH क्लस्टरको नियमित बैठक : <ul style="list-style-type: none"> बैठकको निरन्तरताको लागि निर्णय वास क्लस्टरको संस्था र सदस्य पहिचान हरेक संस्थाको सम्पर्क व्यक्ति पहिचान गर्ने हरेक संस्थाको स्रोत साधनको नक्सांकन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | वैशाखदेखि आश्विनसम्म र आवश्यकता अनुसार |

| | | | |
|----|--|---|-----------------------|
| २ | खानेपानी तथा सरसफाइका पूर्वाधारसम्बन्धी उच्च जोखिममा रहेका गाउँपालिका तथा नगरपालिकामा रहेका समुदाय, विद्यालय, स्वास्थ्य चौकी र संभावित स्थानान्तरण गर्ने क्षेत्रको अवस्था अध्ययन गरी कार्ययोजना तयार गर्ने । | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | मंसिरदेखि फाल्गुनसम्म |
| ३ | विभिन्न संस्थासँग भएको खानेपानी तथा सरसफाइ सामाग्रीको मौज्जात विवरण सङ्कलन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | असार |
| ४ | वास सम्बन्धी विभिन्न तहमा दक्षता भएका व्यक्ति र संस्थाहरूको रोस्टर तयार गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | फाल्गुन / चैत्र |
| ५ | मिरा सम्बन्धी तालिम र कार्य सञ्चालन: <ul style="list-style-type: none"> ■ मिराको फाराम नेपालीमा तयार गर्ने ■ वास कलस्टरका सबैलाई र विपद्बाट उच्च प्रभावित क्षेत्रका स्वयमसेवक कर्मचारीलाई मिरासम्बन्धी तालिम दिने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | वैशाख |
| ६ | खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी पूर्वाधार निर्माणका लागि लागत अनुमान गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | माघ फाल्गुन |
| ७ | खानेपानी तथा सरसफाइसम्बन्धी स्थानीय स्रोत साधन तथा सीप परिचालन गर्न महिला, बालबालिका तथा अपाङ्ग सबैको लागि योजना बनाउने । | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | माघ फाल्गुन |
| ८ | वाढी प्रभावित क्षेत्रमा भएका हाते कलहरूलाई अग्लो बनाउने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | फाल्गुन |
| ९ | वाढी प्रभावित क्षेत्रमा सुरक्षित विऊ भण्डारण स्थलको निर्माण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | चैत्र |
| १० | वाढी प्रभावित क्षेत्रमा अग्लो पारिएका चर्पीहरू निर्माण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | चैत्र |
| ११ | वाढी प्रभावित क्षेत्रमा नालाहरूको निर्माण तथा मर्मत गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | चैत्र |
| १२ | अति आवश्यक खानेपानी तथा स्वास्थ्य सरसफाइ सम्बन्धी सामाग्रीहरूको जगेर्ना गरी भण्डारण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | जेठ असार |
| १३ | WASH Cluster का सदस्य तथा ग्रामीण महिला स्वास्थ्य कार्यकर्तालाई खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी तालिम दिने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | जेठ |
| १४ | व्यक्तिगत तथा सामुदायिक सरसफाई र पानी शुद्धिकरण, हाईजिन किट सम्बन्धी समुदायलाई अभिमुखीकरण गर्न ग्रामिण महिला स्वास्थ्य कार्यकर्तालाई परिचालन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | जेठ देखि आश्विन |
| १५ | स्थानीय भाषामा खानेपानी तथा सरसफाईसम्बन्धी प्रचार प्रसार सामाग्री तयार गरीप्रचार प्रसार गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | जेठ देखि भाद्रसम्म |
| १६ | केन्द्रीय स्तरमा WASH Cluster ले तयार पारेको अनुगमन सूचक तथा फारमहरू स्थानीय स्तरमा उपयोगी बनाई WASH Cluster का सदस्यहरूलाई अभिमुखीकरण गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | चैत्र |

| | | | |
|----|---|---|-------------|
| १७ | जिल्ला तथा गाउँ स्तरका बाल समूह र नाट्य समूहलाई WASH सम्बन्धी तालिम सन्चालन गर्ने | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन क्षेत्र स्थानीय तह | चैत्र/वैशाख |
|----|---|---|-------------|

४.५.३. खानेपानी, सरसफाई तथा स्वास्थ्य प्रवर्द्धन क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट

| क्र.सं. | गतिविधि | इकाई | परिमाण | दर (रु) | जम्मा (रु) |
|---------|---|---------|--------|---------|---------------|
| १ | WASH क्षेत्रको समन्वय बैठक | पटक | १ | १०००० | १०००० |
| २ | खानेपानी शुद्धिकरणका सामान खरिद, ढुवानी र वितरण | | | | |
| २.१ | १० र २० लिटरका बाल्टीन १/ १ वटा र १ लि.को जग १ वटा | परिवार | २०४२ | ५०० | १०२१००० |
| २.२ | पिउस (पहिलो १ हप्ताको लागि ५ वटा प्रति परिवार) | वटा | १०२१० | १७ | १७३५३ |
| २.३ | वाटर गार्ड (१ हप्ता पछिको लागि १ वटा प्रति परिवार) | सङ्ख्या | २०४२ | ४५ | ९८८९० |
| ३ | खानेपानी, सरसफाई तथा स्वास्थ्य प्रवर्द्धनका लागि स्वास्थ्य स्वयं सेविकाको परिचालन | जना | १० | ४५०० | ४५००० |
| ४ | विस्थापितहरूलाई प्रति परिवार एक सेट हाईजिन किट (हर्पिक, ब्रस, फिनेल, बाल्टिन, मग) | परिवार | २०४२ | २५० | ५१०५०० |
| | जम्मा | | | | रु१०,२१०००१०० |
| ५ | विस्थापितहरूको लागि WASH का सुविधाको निर्माण तथा मर्मत कार्य | | | | |
| ५.१ | शिविरमा विस्थापितहरूको लागि खानेपानीको धारा तथा हाते कल निर्माण | वटा | २०० | १५००० | ३०००००० |
| ५.२ | २० महिलाको लागि १ नयाँ शौचालय निर्माण | वटा | ३०७ | ३००० | ९१२००० |
| ५.३ | ५० पुरुषको लागि १ नयाँ शौचालय निर्माण | वटा | १२२ | ३००० | ३६६००० |
| ५.४ | स्नान गृह निर्माण | वटा | १०० | २००० | २००००० |
| ५.५ | पुराना चर्पी तथा हातेकलको मर्मत | वटा | ४०० | २५०० | १०००००० |
| | जम्मा | | | | रु५४७८०००१०० |
| ६ | सरसफाई सम्बन्धी जनचेतना (माईकिङ्ग, सडक नाटक) | पटक | २६ | ४००० | १०४००० |
| ७ | प्रभावित विद्यालय, मदरसा, स्वास्थ्य केन्द्रमा चर्पी र पानीका कलहरूको मर्मत | | १ | १४५००० | १४५००० |
| ८ | सूचना, शिक्षा तथा संचारसम्बन्धी सामाग्रीको तयारी | | १ | ६०००० | ६०००० |
| ९ | WASH Cluster का सदस्य तथा ग्रामिण महिला स्वास्थ्य कार्यकर्तालाई खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी १ दिने तालिम | जना | २५० | २०० | ५०००० |
| १० | अनुगमन मूल्यांकन | | | १५००० | १५००० |
| | जम्मा | | | | रु३७४०००१०० |
| | कुल जम्मा | | | | रु१०२१०००१०० |

४.६. स्वास्थ्य तथा पोषण व्यवस्थापन क्षेत्र

विपद्बाट हुनसक्ने सम्भावित मानवीय असरहरू महामारी जन्य रोगहरू (खाद्यपदार्थ तथा पानीजन्य रोगहरू) : भूडोपखाला, आउँ/रगतमासी, हैजा, टाईफाइड, ज्वरो, खाद्यजन्य विषाक्तता (संक्रमित खाद्यपदार्थ मासु, च्याउ) हेपटाइटिस “ए”, “ई” आदि, हावाको माध्यमबाट : दादुरा, इन्फ्लुएन्जा, आपतकालीन तल्लो श्वास प्रश्वास प्रणाली संक्रमण, निमोनिया, ठेउला, आदि । कीटजन्य रोग : औलो, डेंगु, स्क्रब टाईफस आदि, प्रत्यक्ष सम्पर्कबाट : हेपटाइटिस “बी”, आखाँको संक्रमण, छालाको संक्रमण, HIV/AIDS, चोटपटक, घाईते आदि हुन सक्ने छन् । त्यसै गरीविभिन्न सेवाहरू अवरुद्ध भई नियमित मातृसेवा, खोप, पोषण, क्षयरोग, कुष्ठरोग, परिवार नियोजन सेवा मा असर पर्न सक्ने आँकलन गरिएको छ । विपद्को समयमा भौतिक रूपमा कर्मचारीको अभाव, औषधि उपकरण नष्ट हुने, उपचार केन्द्र क्षतिग्रस्त हुने, समस्या आउन सक्ने भएकोले त्यस्ता समस्याको व्यवस्थापनको लागि स्वास्थ्य तथा पोषण व्यवस्थापन क्षेत्रको नेतृत्वमा स्थानीय निकाय र सरोकारवाला हरु संगको समन्वयमा आपतकालीन व्यवस्थापन गर्ने छ ।

समष्टिगत उद्देश्य :

जस्तोसुकै आपतकालीन अवस्था परेता पनि मानव जीवन सुरक्षित, स्वस्थ र भरपर्दो (Human survival, healthy and well-being), खासगरी एकदमै जोखिममा रहेका समूहको स्वास्थ्य एवं पोषणसम्बन्धी आवश्यकताहरू पूरा भएका छन् भनी सुनिश्चित गर्ने ।

विशिष्ट उद्देश्य (स्वास्थ्य) :

- भाडापखाला, हैजा, औलो तथा अन्य पानीजन्य एवं कीटजन्य रोगहरूको पर्याप्त रोकथाम तथा उपचार क्षमता सुनिश्चित गर्नका निमित्त जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय मार्फत सबैले सहयोग गर्ने,
- अरू द्रुत लेखाजोखा (Rapid Assessment) सँग एकीकृत गरी स्वास्थ्य तथा पोषण (अवस्था तथा सेवाहरू) को द्रुत सर्वेक्षण क्षमतालाई सुदृढ पार्ने,
- रोग फैलन गएका खण्डमा प्रभावकारी प्रतिकार्य तथा लेखाजोखाका लागि क्षमता अभिवृद्धि गर्ने,
- आधारभूत स्वास्थ्य सेवाहरूमा निरन्तर पहुँच सुनिश्चित गर्न र स्वास्थ्य शिविरको सञ्चालन गर्न र अर्को निकायमा पठाउने संयन्त्र (Referral Mechanism) को विकास गर्न जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग पुऱ्याउने,
- पर्याप्त आपतकालीन आपूर्ति र मानव स्रोत लगायतका विषयमा शीघ्र क्षमता अभिवृद्धिका लागि जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग गर्ने ।

विशिष्ट उद्देश्य (पोषण) :

- विस्थापित मानिसहरूका लागि पूरक खाना खुवाउने कार्यक्रम (Supplementary Feeding Programme - SFP) मा पहुँचको माध्यमबाट गर्भवती तथा दूध खुवाउने महिला एवं पाँच वर्षमुनिका केटाकेटीहरूमा गम्भीर कुपोषणको वृद्धिलाई रोकथाम गर्न जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग गर्ने,
- गम्भीर कुपोषण (Severe Acute Malnutrition - SAM) को उपचार तथा सेवामा निरन्तर पहुँच सुनिश्चित गर्न जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालय/जिल्ला जन स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग गर्ने,
- निरन्तर स्तनपान सुनिश्चित गर्न र अवाञ्छित स्तनपानका विकल्पहरूको वितरणमा रोक लगाउन जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयलाई मद्दत गर्ने,
- भिटामिन ए को वितरण, जुका मार्ने औषधि तथा प्रभावित केटाकेटीहरूका लागि खोपसम्बन्धी गतिविधिहरू सुनिश्चित गर्नका निमित्त जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयलाई सहयोग गर्ने,
- सरकारका नियमित खोप तथा अन्य बालबालिका स्वास्थ्य गतिविधिलाई निरन्तरता दिने वा अवरुद्ध हुन नदिने ।

४.६.१. आपत्कालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, विपद् (आपत्कालीन परिस्थिति) को अवधिमा

| क्र.सं. | प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|---------|---|------------------------------|--|
| १ | Health/Nutrition (H/N) क्षेत्रको समन्वय बैठकः <ul style="list-style-type: none">■ परिस्थितिको विश्लेषण■ जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिलाई प्रतिकार्य योजनाको जानकारी■ प्रतिकार्य योजनाको कार्यन्वयनका लागि उपसमूह गठन■ उपसमूहको भूमिका र जिम्मेवारी तोक्ने■ उप समूहको कार्य क्षेत्र निर्धारण गर्ने■ प्रतिकार्य योजनाको समीक्षा गरी सुधार गर्ने र जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिलाई अवगत गराउने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | विपद् शुरु भएको २४ घण्टा भित्र, पहिलो सात दिनसम्म १ दिन विराएर, दोस्रो हप्ता पछि हप्तामा १ पटक |

| क्र.सं. | प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|---------|--|---|--------------------|
| २ | द्रुत लेखाजोखा (Rapid Assessment) <ul style="list-style-type: none"> द्रुत लेखाजोखा सञ्चालन गर्ने द्रुत लेखाजोखाको सूचनालाई वर्ष र लिङ्गको आधारमा विश्लेषण गर्ने सूचनालाई रुजु गर्ने प्रतिकार्य गर्नु पर्ने जनसङ्ख्याको अनुमान गर्ने आपतकालीन प्रतिकार्यको लागि आवश्यक पर्ने सामग्री, औषधि, मानव श्रोतको अनुमान गर्ने जिल्ला विपद व्यवस्थापन समिति र उप समूहलाई सो को जानकारी गराउने | स्वा.का. , क्षेत्रका सदस्यहरू | ३ दिनभित्र |
| ३ | तत्कालीन मानवीय सहयोग (Response) | | |
| ३.१ | जिल्लाको द्रुत प्रतिकार्य टोली (RRT) लाई परिचालन गर्ने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ३.२ | खोप (Immunization) सेवा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ३.३ | पखाला, ARI जस्ता रोगहरूको नियन्त्रणका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ३.४ | स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गरी चेतना अभिवृद्धि गर्ने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ३.५ | कुपोषित बालबालिका, गर्भवति तथा सुत्केरी महिलाको पहिचान गरी Supplementary Feeding को व्यवस्था गर्ने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ३.६ | मलेरिया नियन्त्रणका लागि विषादि छर्कने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ३.७ | Long Lasting Insecticide Treated Net वितरण गर्ने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ३.८ | स्वास्थ्य शिविर केन्द्रहरू स्थापना गरी सञ्चालन गर्ने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ३.९ | स्ट्रेचर, एम्बुलेन्सको व्यवस्था गर्ने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा, रेडक्रस | आवश्यकता अनुसार |
| ३.१० | पोषण क्लिनिक सञ्चालन गर्ने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा। गैरसरकारी संस्थाहरू | आवश्यकता अनुसार |
| ३.११ | संरक्षण क्षेत्रसँग समन्वय गरी मनोसामाजिक परामर्श सेवा उपलब्ध गराउने | स्वा.का. स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ४ | अनुगमन (Monitoring) | | |
| ४.१ | अनुगमन चेकलिष्ट तयार गरी जिल्ला विपद व्यवस्थापन समिति र उप समितिलाई जानकारी गराउने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | ३ देखि १५ दिनभित्र |
| ४.२ | अनुगमन टोली गठन गरी अनुगमन गर्ने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | ३ देखि १५ दिनभित्र |
| ४.३ | जिल्ला विपद व्यवस्थापन समिति र अन्य क्षेत्रका सदस्यहरू द्वारा संयुक्त अनुगमन (Joint Monitoring) गर्ने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | ३ देखि १५ दिनभित्र |

| क्र.सं. | प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|---------|--|------------------------------|------------------------|
| ४.४ | अनुगमनबाट प्राप्त नतिजालाई जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति र अन्य क्षेत्रका सदस्यलाई जानकारी गराउने र आवश्यक परेमा तत्काल कार्य योजना बनाउने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | ३ देखि १५ दिनभित्र |
| ५ | प्रतिवेदन (Reporting) | | |
| ५.१ | राहत तथा प्रतिकार्य सम्बन्धी सूचनाहरू सङ्कलन गर्ने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | ३० दिन पछि |
| ५.२ | प्रतिवेदन तयार गर्ने र सबै क्षेत्रसँग छलफल गरी जानकारी गराउने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | ३० दिन पछि |
| ५.३ | अनुगमनबाट प्राप्त नतिजालाई जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठक समक्ष छलफल गर्ने र वितरण गर्ने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | ३० दिन पछि |
| ५.४ | अन्तिम प्रतिवेदन तयार गर्ने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | ३० दिन पछि |
| ६ | अन्य क्षेत्रसँग (WASH, Food, Protection) समन्वय बैठकको आयोजना गर्ने | स्वा.का. | प्रत्येक हप्तामा १ पटक |

४.६.२. आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (विपद्/सङ्कटकालीन परिस्थितिभन्दा पहिले)

| क्र.सं. | पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | समय अवधि |
|---------|--|--|---------------------|
| १ | क्लस्टरको नियमित बैठक : ■ बैठकलाई नियमित गर्न मिति तोक्ने ■ जिम्मेवारी बाँडफाँड | स्वा.का. | प्रत्येक चौमासिक |
| २ | जिल्ला स्थित Rapid Response Team का १५ जनालाई द्रुत लेखाजोखा सम्बन्धी एक दिने अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने | स्वा.का. | वैशाख |
| ३ | Cluster सँग सम्बन्धित संस्थाहरूमा रहेको गाडी, एम्बुलेन्स, स्ट्रेचर, जनशक्तिको नक्सांकन गर्ने | स्वा.का., क्षेत्रका सदस्यहरू | वैशाख |
| ४ | मानवीय सहयोगको लागि अत्यावश्यक औषधिको व्यवस्थापन गरी भण्डारण गर्ने (१५ प्रतिशत प्रभावितलाई पुग्ने गरी) | स्वा.का. | अषाढ अन्तसम्म |
| ५ | ढुवानीको व्यवस्था गर्न गाडी तयारी अवस्थामा राख्ने | स्वा.का. स्थानिग तह स्वास्थ्य शाखा | आवश्यकता अनुसार |
| ६ | एम्बुलेन्स, स्ट्रेचर अवस्थामा राख्ने | स्वा.का., स्थानिग तह स्वास्थ्य शाखा Redcross | आवश्यकता अनुसार |
| ७ | प्रति गाउँपालिका तथा नगरपालिकामा ६ सेटका दरले ४८ सेट प्राथमिक उपचार किट (First Aid Kits) को व्यवस्था गरी राख्ने | स्वा.का., नेरेसो, स्थानीय तह | अषाढ अन्तसम्म |
| ८ | पोषण (Infant Feeding in Emergency and Supplementary Feeding) सम्बन्धमा प्रत्येक स्थानीय तहमा स्वास्थ्य कार्यकर्ता (प्यारामेडिक्स) लाई २ दिने तालिम सञ्चालन गर्ने | स्वा.का. | जेठ मसान्तसम्म |
| ९ | बच्चा, गर्भवती तथा सुत्केरी महिला गरीजम्मा १५३९० जनाको लागि प्रति दिन १०० ग्रामका दरले १ महिनाका लागि अतिरिक्त खाद्यान्न (Supplementary Food) को भण्डारण गरी सञ्चय गर्ने | स्वा.का., WFP/UNICEF | अषाढ अन्तसम्म |
| १० | २००० थान Long Lasting Insecticide Treated Net (भुल) को भण्डारण गरी सञ्चय गर्ने | स्वा.का., प्रदेश सरकार | पौष देखि चैत्र सम्म |

| | | | |
|----|--|-------------------------|-------------------------|
| ११ | स्वास्थ्य शिविर सञ्चालनका लागि थप स्वास्थ्य कार्यकर्ताको पहिचान गर्ने | स्वा.का. | जेठ अन्तसम्म |
| १२ | सूचना, शिक्षा तथा संचार सम्बन्धी सामाग्रीको छपाई गर्ने र प्रति गाउँपालिकामा १००० प्रतिका दरले उपलब्ध गराउने, सूचनालाई स्थानीय वा राष्ट्रिय एफएमबाट प्रशारण गरी जनचेतना फैलाउने । | स्वा.का. | जेठको अन्तसम्म र नियमित |
| १३ | स्वास्थ्यसम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्न माइकद्वारा सन्देश प्रसारण गर्ने, सडक नाटकको आयोजना गर्ने | स्वा.का., UNICEF, गैस स | फाल्गुन देखि अषाढसम्म |
| १४ | स्वास्थ्य कार्यकर्ता र सामुदायिक संस्थाका स्वयं सेवकलाई सूचना, शिक्षा तथा संचार सम्बन्धी सामाग्रीको प्रयोग र अन्तर व्यक्ति संवाद सम्बन्धी अभिमुखीकरण गर्ने | स्वा.का. | जेठको अन्तसम्म |
| १५ | अनुगमन तथा प्रतिवेदन तयारीका लागि सम्पर्क व्यक्ति (Focal Person) तोक्ने | स्वा.का. | अषाढ मसान्तसम्म |

४.६.३. स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट

| क्र.सं. | क्रियाकलापहरू | इकाइ | परिमाण | दर | जम्मा रकम (रु) |
|---------|---|---------|--------|-------|------------------|
| १ | समन्वय बैठक | पटक | १ | १००० | १०००० |
| २ | प्रारम्भिक मानवीय सहयोग सम्बन्धी अभिमुखीकरण (१ दिने) | जना | १ | १००० | १०००० |
| ३ | अत्यावश्यक औषधीहरूको भण्डारण | जना | १२२४९ | १५० | १८३७३५० |
| ४ | जनचेतना अभिवृद्धिका लागि हातेमाइक | वटा | १० | ४००० | ४०००० |
| ५ | जनचेतना अभिवृद्धिका लागि सडक नाटक | पटक | २६ | ४००० | १०४००० |
| ६ | जनचेतना अभिवृद्धिका लागि पोष्टर निर्माण तथा छपाई | थान | १०००० | २० | २००००० |
| ७ | जनचेतना अभिवृद्धिका लागि लिफलेट छपाई | थान | ५००० | ६ | ३०००० |
| ८ | First Aid Kits को व्यवस्थापन | थान | ६० | ३००० | १८०००० |
| ९ | महिला स्वास्थ्य स्वयंसेवकहरूलाई अभिमुखीकरण | जना | ७१३ | ४५० | ३२०८५० |
| १० | पोषण सम्बन्धमा सबै गाउँपालिका तथा नगरपालिकाका स्वास्थ्य कार्यकर्तालाई २ दिने अभिमुखीकरण | जना | १०४ | १२०० | १२४८०० |
| ११ | इन्फेन्ट फिडिंग इन इमर्जेन्सी र सम्लीमेन्टी फिडिंग सम्बन्धी २ दिने तालिम | जना | ५२ | १२०० | ६२४०० |
| १२ | सम्लीमेन्ट फूडको व्यवस्थापन (१०० ग्राम प्रति दिनका दरले १ महिनाका लागि) | जना | २८३२ | १२०० | ३३९८४०० |
| १३ | अति कुपोषित बच्चाहरूलाई पुनर्स्थापना | १ पटक | ५ | ३५०० | १७५०० |
| १४ | पुनर्स्थापित बच्चाहरू हेरचाहको लागि पारिश्रमिक | १ महिना | ५ | ६००० | ३०००० |
| १५ | एम्बुलेन्स सेवाका लागि ड्राइभर भत्ता | १ महिना | १ | ६००० | ६००० |
| १६ | एम्बुलेन्स सेवाका लागि इन्धन | १ महिना | १ | ६०००० | ६०००० |
| १७ | स्वास्थ्य शिविरमा जनशक्तिको परिचालन (८ शिविरमा ३ जनाको दरले) १ महिनाका लागि | जना | २४ | १५००० | ३६०००० |
| १८ | स्वास्थ्य शिविरमा औजारको व्यवस्था | १ पटक | ८ | १५०० | १५०० |
| १९ | स्वास्थ्य शिविरमा स्टोभ (प्रति शिविर १ वटाका दरले ८ वटा) | १ पटक | ८ | ६०० | ४८०० |
| २० | मट्टितेल प्रति दिन प्रति शिविर १ लिटरका दरले | लिटर | २४० | १०० | २४००० |
| २१ | सुत्केरी स्याहार केन्द्रको व्यवस्थापन (एक महिनासम्म) | वटा | ८ | १५००० | १२०००० |
| २२ | भुलको मौज्जात राख्ने | वटा | २०४२ | २५०० | ५१०५००० |
| | जम्मा | | | | रु१,२०,५४,६००।०० |

४.७ आपतकालीन शिक्षा क्षेत्र

विपद्बाट बालबालिकाहरुको शिक्षामा हुनसक्ने सम्भावित असरमा विद्यालयहरु विपद्बाट बढी प्रभावित भई आपतकालिन अवस्थामा करिब २ हप्ता वा सम्म विद्यालय बन्द हुने गरेको कारण विद्यार्थीहरु शिक्षाका अवसरबाट बञ्चित हुने, विद्यालयका कक्षा कोठा, दराज, बेन्च, टेबल र पाठ्यपुस्तक जस्ता भौतिक सामग्री आँशिक रूपमा क्षति भई पठन पाठनलाई असर पुग्ने, विद्यार्थीका शैक्षिक सामग्रीहरु नष्ट हुने, शिक्षकहरु स्वयं विपद्बाट प्रभावित भै विद्यालय आउन नसक्ने अवस्था आउन सक्दछ। त्यस्तो अवस्थामा बालबालिकाहरुलाई शैक्षिक गतिविधिबाट विमुख हुन नदिनको लागि विभिन्न आपत्कालीन बैकल्पिक व्यवस्थाको काम यस क्षेत्रले गर्ने छ।

समष्टिगत उद्देश्य :

- प्रभावितहरुको जीवनयापनलाई सुचारु गरी शैक्षिक अधिकारको संरक्षण गर्न र सामान्य अवस्था एवं स्थायित्वमा फर्काउने कार्यको सहजीकरण गर्नका निमित्त विद्यालय जाने उमेरका तथा प्रभावित सम्पूर्ण केटाकेटीहरुको गुणस्तरीय शिक्षामा निरन्तर तथा तत्काल पहुँच सुनिश्चित गर्ने,
- सुरक्षित सिकाईको वातावरण उपलब्ध गराई विपद्बाट परेको मनोवैज्ञानिक असरको सामना गर्ने कार्यमा बालबालिकाहरु र शिक्षकहरुलाई मद्दत गर्न योगदान पुऱ्याउने।

विशिष्ट उद्देश्य :

- प्राकृतिक विपद्बाट प्रभावित विद्यालय जाने उमेरका केटाकेटी तथा शिक्षकहरुलाई गुणस्तरीय शिक्षाको निरन्तरता सुनिश्चित गर्नका लागि र उनीहरुलाई सुरक्षित रूपमा सिकाउने एवं सिकने वातावरण तयार पार्ने,
- प्रभावकारी आपतकालीन पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्यलाई सहजीकरण गर्नका निमित्त क्षेत्रगत कार्यसमूहका सदस्यहरु (Cluster members) का बीचमा प्रभावकारी समन्वय, अनुगमन तथा सूचनाको आदान प्रदान सुनिश्चित गर्ने,
- आपतकालीन परिस्थितिमा पहिलो प्रतिकार्य उपलब्ध गराउने व्यक्तिका रूपमा सरोकारवालाहरुको क्षमता बढाउने,
- द्रुत तथा चालु (Rapid and On-going) शिक्षाका लागि लेखाजोखा सञ्चालन गरिन्छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने र आपत्कालीन परिस्थितिमा रहेका बालबालिकाहरुको शिक्षाका निमित्त राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय प्रमुख प्रतिवद्धताहरु र न्यूनतम मापदण्डबाट निर्देशित भएर उपयुक्त सहयोग कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने,
- आपतकालीन परिस्थितिमा प्रतिकार्य उपलब्ध गराउनका लागि रणनीतिक साभेदारी तथा अन्य साभेदार/क्षेत्रहरु (Clusters) सँग सम्बन्ध स्थापना तथा सुदृढीकरण गर्ने,
- विपद् व्यवस्थापन मा विद्यार्थी एवं शिक्षकको क्षमता विकास गराउने।

४.७.१ आपतकालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, आपत्कालीन परिस्थितिको अवधिमा

| क्र.सं. | प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिलेसम्म |
|---------|--|---|--|
| १ | विपद् एवं महामारी पछि जानकारी सङ्कलन र जिम्मेवारी बाँडफाडका लागि शिक्षा क्षेत्रका सबै सदस्यसँग समन्वय बैठक गर्ने | स्थानीय तह शिक्षा शाखा NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, गाउँपालिका, नगरपालिका, वि.व्य.स. | १) पहिलो बैठक, विपद् शुरु भएको २४ घण्टा भित्र २) पहिलो हप्तामा २ दिनको फरकमा ३) दोस्रो हप्तामा २ पटक ४) त्यसपछि हप्तामा १-१ पटक |
| २ | शिक्षासम्बन्धी द्रुत लेखाजोखा सञ्चालन गर्ने | स्थानीय तह शिक्षा शाखा पालिका NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member | प्रकोप भएको ३ देखि ५ दिन भित्र |
| ३ | द्रुत लेखाजोखाको तथ्यांक विश्लेषण र प्रतिवेदन तयारी गर्ने | शि.वि.स.ई, पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member | २ दिन भित्रमा |
| ४ | शिक्षा क्षेत्रको बैठक आयोजना गरीमाथिको प्रतिवेदनमा छलफल गर्ने र निष्कर्ष निकाल्ने | शि.वि.स.ई. पालिका | २ दिन भित्रमा |
| ५ | विस्थापित वा प्रभावित विद्यार्थीका लागि शैक्षिक सहयोग | | |

| | | | |
|-----|---|---|---|
| ५.१ | विस्थापित वा प्रभावित विद्यार्थीलाई कक्षा सञ्चालनका लागि सुरक्षित स्थानको छनौट गर्ने र प्रभावित विद्यार्थीको लागि वैकल्पिक सिकाइ प्रणाली छनौट गर्ने | शि.वि.स.ई,पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member | पहिलो ५ दिन भित्र |
| ५.२ | विस्थापित विद्यार्थीहरूलाई एव विषम परिस्थितिबाट प्रभावित विद्यार्थीहरूलाई अस्थायि विद्यालय (Temporary Learning Center) वा वैकल्पिक सिकाइ प्रणाली निर्माण गरी कक्षा सञ्चालन गर्ने वा सिकाइलाई निरन्तरता दिने | शि.वि.स.ई, पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, Schools | विस्थापित स्थापित नभएसम्म र परिस्थिति सहज नभएसम्म |
| ५.३ | विद्यालयमा आवश्यक भौतिक र शैक्षिक सामग्री उपलब्ध गराउने एवं वैकल्पिक सिकाइको लागि आवश्यक उपकरणको व्यवस्था गर्ने | शि.वि.स.ई, पालिका NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, School | ७ दिन भित्रमा |
| ५.४ | विद्यार्थीलाई शैक्षिक सामग्रीका पाठ्यपुस्तक, पोशाक, सिकाइ उपकरण सहयोग गर्ने साथै शिक्षकलाई वैकल्पिक सिकाइ प्रणाली अवलम्बन गर्न आवश्यक उपकरण व्यवस्था गर्ने | शि.वि.स.ई, पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, School | ७ दिन भित्रमा |
| ५.५ | खेलकुद लगाएत अतिरिक्त सिकाइका सामग्री, वैकल्पिक सिकाइको लागि चाहिने सामग्री, खाजाको व्यवस्थापन गर्ने | शि.वि.स.ई पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, School | निरन्तर |
| ५.५ | शिक्षक, स्थानीय स्वयंसेवक, सहयोगी कार्यकर्ताको कार्य दल गठन गरी परिचालन गर्ने | शि.वि.स.ई पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, School | ७ दिन भित्रमा |
| ५.६ | ५ वर्ष मुनिका बालबालिकाको लागि बाल विकास केन्द्र ECD को स्थापना गरीसिकाइलाई निरन्तरता दिने | शि.वि.स.ई पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, School | आवश्यकता अनुसार |
| ५.७ | ECD मा शैक्षिक सामग्री खेलकुदका सामग्री, खेलौना, खाजा तथा अन्य सामग्रीको व्यवस्थापन गर्ने | शि.वि.स.ई पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, School | आवश्यकता अनुसार |
| ६ | वस कलस्टर सँग समन्वय बैठकको आयोजना गरीअस्थायी विद्यालय वा वैकल्पिक सिकाइ प्रणाली सञ्चालन भएका स्थानमा खानेपानी, सुरक्षा साधनहरु (जस्तै मास्क, सावुन, स्यानिटाइजर, ग्लोव आदी) र लैङ्गिकमैत्री शौचालयको व्यावस्था गर्ने | शि.वि.स.ई पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, School | ७ देखि १० दिन भित्र |
| ७ | समन्वय बैठक गरी मनोसामाजिक परामर्शका लागि संरक्षण क्षेत्रमा सिफारिस गर्ने | शि.वि.स.ई | निरन्तर |

| | | | |
|----|--|---|----------------------------|
| ८ | अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण | शि.वि.स.ई पालिका, NGO/CBOs युनिसेफ, Education Cluster Member, School | निरन्तर |
| ९ | बिस्थापित एवं विषम परिस्थितिबाट प्रभावितहरूलाई विद्यालयमा नभई अन्य सुरक्षित स्थानमा व्यवस्थापन गर्न Shelter Cluster सँग समन्वय गर्ने | शि.वि.स.ई र पालिका | निरन्तर |
| १० | समीक्षा बैठक | Education Cluster Member | कार्यक्रमको बिचमा र अन्तमा |

४.७.२ आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (विपद परिस्थिति भन्दा पहिले)

| क्र.सं. | पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिलेसम्म |
|---------|---|---|--------------------|
| १ | व्यवस्थापन तथा समन्वय सम्बन्धि | | |
| १.१ | शिक्षा क्षेत्रको समन्वय बैठक आयोजना: <ul style="list-style-type: none"> सदस्यहरूको पहिचान तथा खोजी स्रोत तथा क्षमताको पहिचान र सङ्कलन जिम्मेवारी बाँडफाँड सम्पर्क व्यक्ति तोक्ने | शि.वि.स.ई र पालिका, को अगुवाईमा NGO/CBOs, युनिसेफ, Education Cluster Member NRCS, SMC, PTA, & Political party | वैशाख १५ सम्म |
| १.२ | व्यवस्थापन सम्बन्धी: <ul style="list-style-type: none"> सुरक्षित स्थान वा वैकल्पिक सिकाइ विधिको पहिचान गर्ने अस्थायी विद्यालय स्थापना वा वैकल्पिक सिकाइ विधिको लागि चाहिने सामग्रीको पहिचान र व्यवस्थापन गर्ने आवश्यक शैक्षिक सामग्रीको व्यवस्था तथा पाठ्यक्रम वा पाठ्यपुस्तक वा पाठ्यसामग्रीको निर्माण गर्ने | शि.वि.स.ई र पालिका, को अगुवाईमा NGO/ CBOs, Unicef, Education Cluster Member, NRCS, SMC, PTA, & Political party | जेठ मसान्त सम्म |
| २ | विगतका वर्षमा सिकिएको पाठको पहिचान: क) विद्यालयमा पर्खाल वा घेराबेराको व्यवस्था ख) बिस्थापित एवं प्रभावित बालबालिकालाई विद्यालयमा भन्दा अन्यत्र उपयुक्त व्यवस्थापन गर्ने । ग) विपद एवं प्रकोप सम्बन्धमा शिक्षक, विद्यार्थी र समुदायलाई चेतनामुलक कार्यक्रम सन्चालन गर्ने | शि.वि.स.ई र पालिका, को अगुवाईमा NGO /CBO Unicef, Education Cluster Member NRCS, SMC, PTA, & Political party | असारको पहिलो हप्ता |

| | | | |
|----|---|--|--------------------|
| ३ | बहु-क्षेत्रीय प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा (MIRA) <ul style="list-style-type: none"> MIRA को लागि टोली र सदस्यहरूको पहिचान तथ्यांक सङ्कलनकर्ताको कार्य क्षेत्र निर्धारण तथ्यांक सङ्कलन कर्ताको मुख्य सम्पर्क व्यक्ति पहिचान मिरा अभिमुखीकरण कार्यक्रममा सहभागिता | शिक्षा विकास तथा समन्वय ईकाइ | वैशाखमसान्त सम्म |
| ४ | आधाररेखा (Baseline) सम्बन्धी तथ्याङ्क सङ्कलन : <ul style="list-style-type: none"> जोखिमपूर्ण क्षेत्रका विद्यालय, विद्यार्थी, शिक्षकको तथ्यांक सङ्कलन जिल्लाका विभिन्न निकाय/सरोकारवालाहरूसँग उपलब्ध स्रोतको आँकलन र नक्साङ्कन | १. शि.वि.स.ई र पालिका को नेतृत्वमा २. क्षेत्रगत सदस्यहरूको सहयोगमा | वैशाखदेखि जेठसम्म |
| ५ | विपद एवं प्रकोप प्रभावित क्षेत्रको शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ताको रोष्टर निर्माण गर्ने | शि.वि.स.ई र पालिका, | असारको १५ सम्म |
| ६ | विपद एवं प्रकोप प्रभावित क्षेत्रको शिक्षक, समुदाय र सामाजिक कार्यकर्तालाई पूर्व तयारी सम्बन्धी अभिमुखीकरण गर्ने | शि.वि.स.ई र NGOs | असारको १५ सम्म |
| ७ | रोष्टरमा रहेका सदस्यहरूलाई जनचेतनामुखी एवं क्षमता अभिवृद्धिका कार्यक्रम सञ्चालन गरीपरिचालन गर्ने | NGOs | असारको १५ सम्म |
| ८ | Temporary Learning Center and alternative Learning Center का लागि आवश्यक पर्ने त्रिपाल, शिक्षक रोष्टर, विद्यालय किट, विद्यार्थी किट, पाठ्य पुस्तक, पोशाक, स्टेशनरी, प्रविधियुक्त उपकरण आदिको अग्रिम व्यवस्थापन गरी संचय गर्ने | शि.वि.स.ई.र पालिका को अगुवाईमा NGO/CBOs, Unicef, Education Cluster Member NRCS, SMC, PTA, & शिक्षा तथा मानवस्रोत विकास केन्द्र | असार मसान्तसम्म |
| ९ | विपद एवं प्रकोप प्रभावित क्षेत्रका विद्यालयहरूलाई विद्यालय किटको व्यवस्था गर्ने | शि.वि.स.ई., | असार मसान्तसम्म |
| १० | सूचना, शिक्षा तथा सूचनासम्बन्धी सामाग्रीको व्यवस्थापन गर्ने | शि.वि.स.ई, | असारको पहिलो हप्ता |
| ११ | विपद एवं प्रकोप प्रभावित क्षेत्रका विद्यालयहरूमा जोखिम न्यूनीकरण गर्न रोकथाममूलक (Preventive) कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने | शि.वि.स.ई, पालिका, स्वास्थ्य कार्यालय, जिल्ला समन्वय समिति, जल उत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण कार्यालय | जेठ मसान्तसम्म |
| १२ | अनुगमन चेक लिष्ट तयार गर्ने र अभिमुखीकरण गर्ने | शि.वि.स.ई., | असारको पहिलो हप्ता |

| | | | |
|----|---|---------------------------------|-------------------------------|
| १३ | पूर्वतयारी योजनाको समीक्षा गर्नका लागि समन्वय बैठक : <ul style="list-style-type: none"> पूर्वतयारी गतिविधिहरूको अनुगमन गर्नका लागि कार्य योजना तयार गर्ने अनुगमन | शि.बि.स.ई. र क्षेत्रका सदस्यहरू | असारको पहिलो हप्ता निरन्तर |
|----|---|---------------------------------|-------------------------------|

४.७.३ शिक्षा क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट

| क्र.सं. | गतिविधि | इकाई | परिमाण | दर (रु) | जम्मा (रु) |
|---------|---|---------|--------|---------|---------------------|
| १ | समन्वय बैठक | पटक | १ | १०००० | १०००० |
| २ | आधाररेखा (Baseline) सम्बन्धी तथ्याङ्क सङ्कलन | पटक | १ | १५००० | १५००० |
| ३ | विस्थापित विद्यार्थीहरूलाई अस्थायी विद्यालय (Temporary Learning Center) को निर्माण | कोठा | ५ | २०००० | १००००० |
| ४ | अस्थायी विद्यालयमा भौतिक सामग्री (डेस्क १७, बेन्च १७, कालोपाटी १, टेबुल २, कुर्ची ५) | सेट | १ | ४५००० | ४५००० |
| ५ | विस्थापित विद्यार्थीलाई शैक्षिक सामग्री (पाठ्यपुस्तक) सहयोग | सेट | १३४७ | ९०० | १२१२३०० |
| ६ | विस्थापित विद्यार्थीलाई पोशाक सहयोग | सेट | १३४७ | ६०० | ८०८२०० |
| ७ | विस्थापित विद्यार्थीलाई खेलकुदका सामग्री व्यवस्थापन | सेट | ७ | २५०० | १७५०० |
| ८ | विस्थापित विद्यार्थीलाई खाजाको व्यवस्थापन (१ महिना) | जना | १३४७ | ९०० | १२१२३०० |
| ९ | ३ देखि ५ वर्षका बालबालिको लागि बाल विकास केन्द्रको (ECD) को स्थापना | केन्द्र | ७ | १५०००० | १०५०००० |
| १० | ECD मा शैक्षिक सामग्री खेलकुदका सामग्री, खेलौना, खाजा तथा बस्नका लागि कार्पेटको व्यवस्थापन | केन्द्र | ७ | ३५००० | २४५००० |
| ११ | विपद प्रभावित क्षेत्रको शिक्षक, समुदाय र सामाजिक कार्यकर्तालाई पूर्व तयारी सम्बन्धी १ दिने अभिमुखीकरण | पालिका | ८ | ११००० | ८८००० |
| १२ | विपद प्रभावित क्षेत्रका विद्यालयहरूलाई विद्यालय किट र विद्यार्थी किटको व्यवस्थापन | सेट | १४ | ६००० | ८४००० |
| १३ | IEC सामग्रीको व्यवस्थापन | | | २०००० | २०००० |
| १४ | विपद प्रभावित क्षेत्रका विद्यालयहरूमा जोखिम न्यूनीकरण गर्न Preventive भौतिक कार्यक्रमहरू सञ्चालन | पालिका | ८ | २५००० | १८०००० |
| | जम्मा | | | | रु३६६६३००।०० |

४.८. संरक्षण समिति

विपद्बाट हुनसक्ने सम्भावित असरसको कारणबाट जनको क्षति, घाइते बाल-बालिका, विछोडिएका तथा एकल बाल-बालिका वा वृद्धवृद्धा, अनाथ अपांगताभएको व्यक्तिहरूको सङ्ख्यामा वृद्धि, मानिस तथा पाल्तू जनावरहरूको आन्तरिक विस्थापन

विद्यालय बन्द, शैक्षिक अवसरहरूमा अवरोध, बढ्दो दुर्व्यवहार र शोषण, भेदभाव, सम्भावित मानसिक आघात (Trauma) तथा मनोवैज्ञानिक असर, लिङ्गमा आधारित हिंसा (Gender Based Violence) को बढ्दो जोखिमता, सामना गर्ने संयन्त्र (Coping mechanism) मा अवरोध, शान्ति सुरक्षाको अभाव तथा लैंगिक हिंसा असुरक्षाको वातावरण, केही समुदाय अथवा समूहहरूका लागि मानवीय प्रतिकार्यमा पहुँच नहुनु अथवा पहुँच अपर्याप्त हुनु जस्ता समस्या अउन सक्ने भएकाले यस क्षेत्रले त्यस्ता किसिमका समस्याको निगरानी, आवश्यक पूर्व तयारी एवं सुरक्षाको प्रत्याभूति दिने काम गर्ने छ।

समष्टिगत उद्देश्य :

बालबालिका लगायत जोखिममा रहेका विभिन्न समूहहरूले आपतकालीन परिस्थितिको कारणबाट उत्पन्न हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार तथा हेलाबाट संरक्षण प्राप्त गर्ने, खाद्य तथा गैर खाद्य सामग्रीको निर्दिष्ट सेवा प्राप्त गरी न्यूनतम स्तरीय मानवीय जीवपनयापनको प्रत्याभूति दिने।

विशिष्ट उद्देश्य :

- प्राकृतिक विपद् तथा अन्य आपतकालीन परिस्थितिहरूमा उपलब्ध गराइने प्रतिकार्य कार्यक्रमहरूमा जोखिममा रहेका समूहहरूका लागि मानव अधिकारसम्बन्धी कानून, अन्तर्राष्ट्रिय मानवीय कानून तथा राष्ट्रिय कानूनले प्रत्याभूत गरेका (Guaranteed) मौलिक अधिकारहरूको संरक्षण गर्दछन् भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने
- जोखिममा रहेका समूहहरूको संरक्षण सुनिश्चित गरी आपतकालीन प्रतिकार्यको न्यायोचित वितरणमा सहयोग उपलब्ध गराउने
- आपतकालीन परिस्थितिबाट उत्पन्न हिंसा, शोषण, दुर्व्यवहार तथा हेलाका जोखिमहरूलाई सम्बोधन गरी विपद्बाट प्रभावित मानिसहरूको संरक्षण गर्ने र त्यस्ता दुर्व्यवहारबाट प्रभावित भई जीवित व्यक्तिहरूका लागि सेवासम्बन्धी प्रावधानहरूमा सहयोग उपलब्ध गराउने
- बाल-मैत्री स्थान तथा मनो-सामाजिक परामर्शसम्बन्धी सहयोगको स्थापना गरी सुरक्षित वातावरणमा बाल-बालिका तथा महिला रमाउँदछन् भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने
- बिछोड भएका बाल-बालिका, खास गरी पाँच वर्षको उमेरभन्दा मुनिका केटाकेटी तथा किशोरीहरूले पहिचान, दर्ता तथा स्वास्थ्यसम्बन्धी जाँचका बारेमा सहयोग र त्यस्तो सहयोग पछि उपयुक्त सेवा तथा संरक्षणका सुविधासहित परिवारको खोजी गर्ने कार्यमा सहयोग प्राप्त गर्दछन् भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने
- यौन दुर्व्यवहार, हिंसाका विरुद्ध सुरक्षित बसाई व्यवस्थापन तिनको अनुगमन, प्रतिवेदन तथा पैरवी (advocacy) गर्ने प्रणालीको स्थापना गरी बाल-बालिका तथा महिला माथि हुने यौन दुर्व्यवहार र शोषणको रोकथाम गर्ने ।

४.८.१. आपतकालीन प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि, आपत्कालीन परिस्थितिको अवधिमा

| क्र.सं. | प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|---------|---|--|---|
| १ | सुरक्षा समिति समन्वय बैठक ■ परिस्थिति विश्लेषण ■ जिम्मेवारी बाँडफाँड | जि.वि.व्य.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | पहिलो : विपद् आएको १२ घण्टा भित्र, दोस्रो : पहिलो साता १ दिन बिराएर तेस्रो : दोस्रो हप्तामा १ पटक |
| २ | परिस्थिति विश्लेषण गरी जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिमा प्रतिकार्यका लागि जानकारी गराउने | जि.वि.व्य.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | २ देखि ७ दिनसम्म |
| ३ | अन्य क्षेत्रका टोलीहरूसँग मिली बहुक्षेत्रगत प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा (MIRA) सञ्चालन गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | ३ दिन भित्र |
| ४ | परिस्थिति सम्बन्धी पहिलो प्रतिवेदन तयार गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | ३ दिन भित्र |
| ५ | प्रारम्भिक लेखाजोखा प्रतिवेदन तयार गर्नको निम्ति आधाररेखाका तथ्यांकको समीक्षा गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | पहिलो दिनदेखि |
| ६ | प्रारम्भिक जानकारीका आधारमा प्रारम्भिक मानवीय सहयोग उपलब्ध गराउने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | ३ दिन भित्र |
| ७ | MIRA बाट सूचनाको विश्लेषण तथा क्षेत्रगत समूहले अनुमोदन गर्ने गरी प्रारम्भिक प्रतिकार्यको योजना सहित प्रतिवेदन तयार पार्ने | न.पा./गा.पा रेडक्रस, विपद्पीडित सरोकार मञ्च | १ हप्ता भित्र |
| ८ | श्रोत परिचालन गर्नका निम्ति क्षेत्रगत आकास्मिक योजनाको समीक्षा गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | ३ दिन भित्र |

| क्र.सं. | प्रतिकार्य सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवार निकाय | कहिले सम्म |
|---------|--|--|------------------------|
| ९ | मानवीय सहायताका लागि प्रयोगमा ल्याउन सकिने भनी तयारी अवस्थामा राखिएका सम्झौताहरूलाई क्रियाशील बनाउने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | ३ दिन भित्र |
| १० | मानवीय सहायताको अनुगमन गर्न र सुधारका लागि पृष्ठपोषणका लागि टोली खटाउने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | १ हप्ताभित्र र निरन्तर |
| ११ | जोखिममा रहेका समूहहरूको पहिचान लगायत पहिलो ७ दिनभित्र मानवीय सहयोग र अन्य सेवा प्रदायकसँग सम्झौता | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | पहिलो दिन देखिनै |
| १२ | हराएका, तनावग्रस्त, घाइते, अशक्त आदिको खोजी गर्ने र भेटिएकालाई पारिवारिक पुनर्मिलन गराउने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | निरन्तर |
| १३ | स्वयं सेवकहरू परिचालन गरी मनोसामाजिक सहयोग उपलब्ध गराउने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | निरन्तर |
| १४ | गर्भवती तथा सुत्केरी आमाहरूको लागि सुरक्षित स्थान, स्याहार संभार, सरसफाइ र पोषणको व्यवस्थापन गर्न अन्य क्षेत्र (स्वास्थ्य, आवाश, खाद्य तथा पोषण, WASH (वास) सँग समन्वय गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | निरन्तर |
| १५ | घाइते महिला तथा बालबालिकालाई उपचारको लागि शिविरमा सेवा प्रदान गर्न स्वास्थ्य क्षेत्रसँग समन्वय गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | निरन्तर |
| १६ | भेदभाव, हिंसा,, दुर्व्यवहार, शोषणका घटनाको नियमित अनुगमन गरी आवश्यक प्रतिकार्य गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | निरन्तर |
| १७ | निगरानी समूह गठन गरिपरिचालन गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | निरन्तर |
| १८ | कानुनी परामर्श तथा सहयोग गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | निरन्तर |
| १९ | सुरक्षित तथा सुविधायुक्त स्थान, शौचालय र स्नान स्थलको व्यवस्थापन गर्न अन्य क्षेत्रसँग समन्वय गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | निरन्तर |
| २० | संरक्षणका सवाल तथा कानुनी उपचारका लागि सचेतना कार्यक्रम सन्चालन गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | निरन्तर |
| २१ | मानव अधिकार अवस्थाको अनुगमन | अनुगमन टोली | निरन्तर |

४.८.२. आपतकालीन परिस्थितिको पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि (विपद परिस्थिति भन्दा पहिले)

| क्र.सं. | पूर्वतयारी सम्बन्धी गतिविधि | जिम्मेवारी | समयावधि |
|---------|---|---|----------------|
| १ | सुरक्षा समिति समन्वय बैठक <ul style="list-style-type: none"> ■ बैठकलाई नियमित गराउने निर्णय गर्ने । ■ कार्य जिम्मेवारीको बाँडफाँड गर्ने ■ संरक्षण सरोकारवाला संस्थाहरूको सम्पर्क सूची तयार गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | वैशाख भित्र |
| २ | गत वर्षका विपद सम्बन्धी संरक्षण कार्यमा सिकेका प्रमुख पाठहरूको पहिचान गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | वैशाख भित्र |
| ३ | संरक्षणमा कार्य गर्ने सरोकारवाला संस्थाहरूको पहिचान गरीरोष्टर खडा गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | वैशाख भित्र |
| ४ | बहुक्षेत्रगत द्रुत लेखाजोखा को सरोकारवालाहरूलाई तालिम दिने (गृह मन्त्रालय, यु.एन., आदि संस्थाबाट प्रशिक्षकहरू आमन्त्रण गरी) | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | वैशाख |
| ५ | MIRA तथ्यांक सङ्कलन र विश्लेषण सहित प्रतिवेदन तयार पार्न सम्पर्क व्यक्ति (Focal Person) तोक्ने । | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | वैशाख |
| ६ | आधाररेखा (Baseline) सम्बन्धी तथ्याङ्क सङ्कलन : <ul style="list-style-type: none"> ■ जोखिम क्षेत्रका महिला, बालबालिका, अपाङ्ग, अनाथ, गर्भवती महिला, वृद्धहरू, अशक्त, एकल महिला, HIV/AIDs लागेकाहरूको तथ्यांक सङ्कलन गरी स्थिति विश्लेषण गर्ने ■ मनोसामाजिक कार्यकर्ताहरूको रेकर्ड अद्यावधिक गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | वैशाख देखि जेठ |
| ७ | सङ्घाभिमुख गाउँपालिका तथा नगरपालिकाहरूको सामाजिक नक्सा बनाउने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | माघ, फागुन |
| ८ | सङ्घाभिमुख गाउँपालिका तथा नगरपालिकामा प्रकोप व्यवस्थापन समितिसँग छलफल गरीपूर्व तयारी कार्ययोजना बनाउने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | माघ, फागुन |
| ९ | मानवीय सहयोगमा महिलाहरूको लागि बस्ने, नुहाउने, चर्पी र लुगा धुने प्रयाप्त ठाँउ र छुट्टा छुट्टै राख्ने । आश्रय र WASH क्षेत्रसँग छलफल गरीव्यवस्था गर्न निर्णय गर्ने । | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | जेठ |
| १० | किशोरी तथा महिलाहरूको महिनावारीको समयमा सुरक्षित राख्न आवश्यक सामग्रीहरूको व्यवस्था मिलाउने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | जेठ |
| ११ | अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको लगत अनुसार आवश्यक सर सामग्रीहरूको व्यवस्थापन गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | जेठ |

| | | | |
|----|--|---|--------------|
| १२ | आमा समूह, क्लब, गाँउ स्तरका समूहलाई घरेलु हिंसाबारे जानकारी तथा संगठित बनाई घरेलु हिंसा विरुद्ध आवाज उठाउने । घरेलु हिंसा विरुद्ध सचेतनना जगाउने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | जेठ |
| १३ | बाल क्लबहरू स्थापना गरी उनीहरूको क्षमता विकास गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | जेठ |
| १४ | बालअधिकार संरक्षण सम्बन्धमा सरोकारवालाहरूलाई अभिमुखीकरण गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | भाद्र आश्विन |
| १५ | जेष्ठ नागरिक तथा जोखिममा पर्नसक्ने समूहलाई पूर्व जानकारी एवं अभिमुखीकरण गर्ने | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | भाद्र आश्विन |
| १६ | वृद्ध/वृद्धा बालबालिका, अपाङ्ग, गर्भवती, सुत्केरी दलित जनजाति, पिछडा वर्गहरूलाई विशेष प्राथमिकता दिई समावेश गर्ने र अनुगमन मूल्याङ्कन गर्ने । | जि.वि.व्य.स., जि.स.स., गाउँपालिका, नगरपालिका, जिल्ला प्रहरी कार्यालय | नियमित |

४.८.३. संरक्षण क्षेत्रको लागि अनुमानित बजेट

| क्र.सं. | गतिविधि | इकाई | परिमाण | दर (रु) | जम्मा (रु) |
|---------|--|---------------|--------|---------|----------------|
| १ | समन्वय बैठक | पटक | १० | १०००० | १०००० |
| २ | स्वयमसेवकहरू परिचालन गरीविस्थापितहरूलाई मनोसामाजिक सहयोग (१ महिना) | जना | ८ | ३५०० | २८००० |
| ३ | संरक्षणका सुरक्षा सवाल तथा कानूनी उपचारका लागि सचेतना कार्यक्रम सन्चालन | गा.पा./ न.पा. | १५ | ११००० | १६५००० |
| ४ | आधाररेखा (Baseline) सम्बन्धी तथ्याङ्क सङ्कलन | गा.पा./ न.पा. | १५ | ४००० | ६०००० |
| ५ | युवा किशोरी तथा महिलाहरूको महिनावारी सुरक्षित राख्न आवश्यक सामग्रीहरूको व्यवस्था | गा.पा./ न.पा. | १ | ३०००० | ३०००० |
| ६ | फरक क्षमता भएका व्यक्तिहरूलाई आवश्यक सर सामग्रीहरूको व्यवस्थापन | गा.पा./ न.पा. | १ | १५०००० | १५०००० |
| ७ | आमासमूह, क्लब, गाँउ स्तरका समूहलाई घरेलु हिंसाबारे जानकारी गराउन अभिमुखीकरण | गा.पा./ न.पा. | १५ | ६००० | ९०००० |
| ८ | बाल क्लबहरू स्थापना र क्षमता विकास | गा.पा./ न.पा. | १५ | ६००० | ९०००० |
| ९ | जेष्ठ नागरिक तथा जोखिममा पर्नसक्ने समूहलाई पूर्व जानकारी एवं अभिमुखीकरण | गा.पा./ न.पा. | १५ | ६००० | ९०००० |
| १० | प्रजनन स्वस्थ सम्बन्धी अभिमुखीकरण | जना | ६०० | २०० | १२०००० |
| ११ | स्वस्थ सरसफाइ, पोषण सम्बन्धी २ दिने तालिम | जना | २०० | ६०० | १२०००० |
| १२ | अपाङ्गहरूका लागि १ दिने पूर्व जानकारी तथा अभिमुखीकरण गोष्ठी | गा.पा./ न.पा. | १५ | ६००० | ९०००० |
| १३ | गर्भवती, सुत्केरी, हिंसापीडितका लागि सामग्री (अवश्यकता अनुसार) | | १ | २५०००० | २५०००० |
| १४ | बालअधिकार संरक्षण सम्बन्धी २ दिने तालिम | जना | १५० | १५०००० | २२५००००० |
| १५ | सरोकारवालाहरूसँगको १ दिने अन्तरकृया गोष्ठी | पटक | १ | २०००० | २०००० |
| १६ | अनुगमन, प्रतिवेदन तयारी | | १ | १५००० | १५००० |
| | जम्मा | | | | रु२३,८२८०००।०० |

मानवीय सहयोगका मापदण्डहरू

विपद्को अवस्थामा जिल्ला विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य अन्तर्गत गठित ८ वटा विषयगत क्षेत्रहरूले विपद्ग्रस्त स्थान, समुदायहरूको सूचना संकलन एवं विश्लेषण गरी पिडितहरूको उद्धार तथा राहत कार्यमा सहजीकरण गर्न निम्नानुसारका मापदण्डहरू तय गरिएको छ ।

५.१. समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड :

- समन्वय बैठक, विपद् आएको पहिलो हप्तामा एक दिन बिराएर र दोस्रो हप्ताबाट हप्तामा एक पटक बस्ने,
- समन्वय बैठक र प्रतिवेदनका बारेमा जानकारी गराउने,
- जोखिममा परेका समूह तथा जनसङ्ख्यालाई न्यायोचित रूपमा उद्धार सामग्रीको वितरण तथा सहयोग गर्ने,
- अवस्था तथा आवश्यकताको आधारमा रहेर बहुविषयगत प्रारम्भिकदूत लेखाजोखा (Multi-Sectoral Initial Rapid Assessment-MIRA) समूह परिचालन गर्ने,
- पहिलो हप्तामा परिस्थितिका बारेमा प्रत्येक दिन प्रतिवेदन तयार गर्ने र क्रमशः आवश्यकता अनुसार हरेक दुई दिन तथा साप्ताहिक रूपमा निरन्तरता दिने,
- २४ घण्टाभित्र सञ्चार माध्यमका लागि समाचार पठाउने र पहिलो हप्तामा हरेक दिन पठाउने,
- क्षेत्रीय विपद् व्यवस्थापन समितिलाई सक्रिय पार्न प्रयास गर्ने,
- समन्वय तथा शिविर व्यवस्थापनको अनुगमन गर्ने, प्रतिवेदन तयार गरी सबैलाई जानकारी गराउने ।
- केन्द्रमा प्रतिवेदन नियमित रूपमा पठाउने ।

५.२. खोज तथा उद्धार क्षेत्र सँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड :

- प्रकोपको लगत्तै उपकरण सहित खोज तथा उद्धार (SAR) टोली खटाउने,
- जोखिममा परेका समूह तथा जनसङ्ख्यालाई न्यायोचित रूपमा यथासक्य चाँडो खोज तथा उद्धार गरी सहयोग गर्ने,
- धन तथा जनको सुरक्षा गरी सुरक्षित जीवनको प्रत्याभूत गराउने,
- अन्य क्षेत्रसँग समन्वय गरी राहत सामग्री वितरणमा सहयोग गर्ने,
- घाईते, असक्त, असहाय, बालबालिका, महिला, वृद्धवृद्धालाई प्राथमिकताका साथ सुरक्षित स्थानान्तरण गर्ने,

५.३. खाद्य क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड :

- प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन न्यूनतम २१०० क्यालोरी प्राप्त हुने गरी सामान्य खाद्यान्नको अनुपात (Ratio),
- प्रभावित मानिसहरूका लागि हाल विद्यमान तथा उपलब्ध भएका र पहुँचयोग्य खाद्य पदार्थमा परिपूरक (Complementary) को रूपमा एक अथवा दुई खाद्य पदार्थहरू पूरक रासनको रूपमा उपलब्ध गराउने,
- निश्चित समूहका व्यक्तिहरू (ससाना बालबच्चा, एचआईभी एडस भएका व्यक्ति, कुपोषित व्यक्तिहरू आदि) को आवश्यकतालाई पूरा गर्नका लागि सामान्य रासनका अतिरिक्त परिपूरक रासनको व्यवस्था ।
 - ✓ मापदण्डबमोजिमको खाद्य किट (kit)– सिफारिश
 - ✓ चामल – प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ४२० ग्राम,
 - ✓ दाल – प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ६० ग्राम,
 - ✓ वनस्पति तेल – प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ३० मि.लि.,
 - ✓ नुन – प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति ५ ग्राम
- स्थानीय परिस्थिति बमोजिम खाद्यान्न वितरणको मात्रा निर्धारित गरिने छ । सुरुमा घरायसी स्तरमा वितरण गरिने र अन्तिम लेखाजोखाबाट प्राप्त तथ्याङ्कको आधारमा व्यक्ति र परिवार संख्याका आधारमा मापदण्ड बनाई वितरण गरिनेछ ।

५.४. आवास तथा गैरखाद्य सामग्री क्षेत्र सँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड :

- औसतमा एक व्यक्तिका लागि ३.५-४.५ वर्ग मिटरको छाना भएको क्षेत्र उपलब्ध छ, औसतमा ५ सदस्यहरूको एक परिवारका लागि कम्तिमा पनि ४.५ मिटरको डोरी सहितको प्लास्टिक सिट र सहायता सामग्री,

- कम्बलमा मानिसहरूको पर्याप्त पहुँच,
- दुई वर्षसम्मका केटाकेटीहरूका लागि कम्तिमा पनि एक पूरा सेट कपडा,
- महिला, केटी, पुरुष तथा केटाहरूको लागि कम्तिमा पनि एक पूरा सेट कपडा छ । यसका अतिरिक्त, महिला तथा केटीहरूका लागि नियमित सरसफाइसम्बन्धी सामग्रीको आपूर्ति,
- मानिसहरूसँग उपयुक्त घरायसी सामग्री एक सेट भाँडा,
- शिविर बन्द गर्ने र बहिर्गमन रणनीति,
- शिविर स्थापना गर्नका लागि अग्रिम रूपमा जमिनको पहिचान गर्ने, जुन जमिन सुरक्षित तथा स्फेयरको मापदण्ड अनुसार हुनुपर्ने,
- विद्यालय तथा सार्वजनिक स्थलहरूसँग अग्रिम रूपमा नै समझदारी पत्र (MoU) मा दस्तखत गर्ने,
- शिविरका लागि योजना तर्जुमा गर्दा नै सांस्कृतिक तथा सामाजिक मूल्यहरू एवं परिस्थितिलाई ध्यानमा राख्ने,
- शिविर स्थापना गर्नका लागि विगतमा प्रयोग गरिएका ठाउँहरूको अभिलेख हेर्ने वा अभ्यास बुझ्ने,
- सरकारी निकायहरु, नागरिक समाज, स्थानीय निकाय तथा सरोकारवाला समूहसँगको परामर्शमा शिविर स्थापना गर्ने ।

५.५. खानेपानी, सरसफाइ व्यवस्थापन क्षेत्र सँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड :

- पहाडी क्षेत्रहरूमा विपदपछि पहिलो हप्तासम्म पाइपद्वारा अथवा जिल्ला सदरमुकामको खानेपानी योजनासँग सम्बन्ध कायम गरी खानेपानी भण्डारण गरिने ट्याङ्कीद्वारा र तराईका जिल्लाहरूमा प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति न्यूनतम ५ लिटर पानी उपलब्ध गराउने र पहिलो ४ हप्ताभित्र प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन उपलब्ध गराइने पानीको परिमाणलाई १५ लिटर पुऱ्याउने,
- शिविरमा बस्ने विस्थापित मानिसहरू तथा घर तथा व्यक्तिगत सम्पत्ति नष्ट भएका व्यक्तिहरूका लागि पानी सङ्कलन गर्नका लागि बाल्टीन र पानी शुद्ध गर्नका लागि ३० दिनसम्म खानेपानी शुद्ध गर्ने ट्याब्लेट (Tablets) अथवा वाटर गार्ड (Water Guard) उपलब्ध गराउने,
- शिविरमा बसोबास गर्ने विस्थापित मानिसहरूका लागि उपयुक्त सरसफाइ एवं महिलाहरूका लागि नुहाउने सुविधाका निमित्त अस्थायी चर्पी (हरेक २० व्यक्तिका लागि एक चर्पी र पहिलो हप्ताभित्र हरेक १० व्यक्तिका लागि एक चर्पीका दरले सो संख्यालाई बढाउने) को निर्माण गर्ने,
- शिविरमा बसोबास गर्ने प्रभावित मानिसहरूलाई जिल्ला स्वास्थ्य तथा खानेपानी कार्यालयका कर्मचारी, साभेदार गैर-सरकारी सङ्गठन, महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवक एवं रेडक्रसका स्वयंसेवकहरूसँग मिली स्वास्थ्यसम्बन्धी किट (kits) वितरण गर्ने र स्वास्थ्य प्रवर्द्धनसम्बन्धी गतिविधिहरू (पानी शुद्ध पार्ने उचित तरिका र साबुनद्वारा हात धुने) सञ्चालन गर्ने,
- एकरूपताका लागि जिल्ला आपतकालीन योजनालाई राष्ट्रिय आपतकालीन योजनासँग मेल खाने गरी तयार पार्ने ।

५.६. स्वास्थ्य तथा पोषण व्यवस्थापन क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड :

- प्रारम्भिक लेखाजोखा सञ्चालन गरिएको समयमा स्वास्थ्यसम्बन्धी निगरानी (Health surveillance) सुरु गर्ने,
- समुदायको तहमा रोग तथा चोट-पटकको उपचार विद्यमान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रको प्रणालीको माध्यमबाट, स्वास्थ्य संस्थाहरूमा केही उपचार एवं थोरै सङ्ख्यामा गम्भीर विरामीहरूलाई सिफारिस गरी अन्य केन्द्रहरू (Referral Centres) मा पठाई आपतकालीन स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमको कार्यान्वयन गरिनेछ,
- सिफारिश गरी पठाइने अन्य केन्द्रहरू (Referral Centres) मा केन्द्रहरूमा पुग्नका निमित्त विरामीहरूका लागि उपयुक्त यातायातको प्रवन्ध गरिनेछ ।
- सरुवा रोगको माहामारीको अवस्थामा जोखिममा रहेकालाई सुरक्षित क्वारेन्टिनको व्यवस्था गरीनिगरानी गर्ने र प्रभावितलाई अलग्गै उपचारको व्यवस्था मिलाउने र राष्ट्रिय आपतकालीन स्वास्थ्य निती, निर्देशन तथा मापदण्डको कार्यान्वयन गर्ने ।

५.७. शिक्षा क्षेत्रसँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड:

- विपदको घटना घटेको पहिलो हप्ताभित्र एवं माहामारी फैलिएको पहिलो हप्ता भित्र शिक्षासम्बन्धी पूर्वाधार, आवश्यक उपकरण र शिक्षामा संलग्न व्यक्तिहरूका अवस्थाका बारेमा द्रुत लेखाजोखा (Rapid Assessment) सञ्चालन गर्ने,
- शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई, पालिकाहरु र स्थानीय क्षेत्रगत सदस्यहरू (Cluster Members) सँगको समन्वयमा तथा प्रभावित समुदायहरूसँगको परामर्शमा प्रभावित/आन्तरिक रूपमा विस्थापित एवं प्रभावित बाल-बालिकाहरूको सिकाइलाई जारी राख्नका निमित्त अस्थायी रूपमा सिक्ने ठाउँ वा वैकल्पिक सिकाइ प्रणाली पत्ता लगाउने,

- सम्भव भएसम्म यथाशक्य चाँडो अर्थात् सिद्धान्ततः पहिलो दुई हप्ताभित्र, न्यूनतम मापदण्डबमोजिम ६ देखि ८ हप्ताभित्र न्यूनतम पूर्वाधारसहित विद्यालय जाने बाल-बालिकाहरूका निमित्त अस्थायी वा वैकल्पिक रूपमा सिक्ने ठाउँ वा विधी तथा स-साना बाल-बालिकाहरूका लागि सुरक्षित स्थान एवं भरपर्दो सिकाइ विधि स्थापना गर्ने,
- विद्यालयहरू पुनः खुला गराएर र शिक्षण-सिकाइका सामग्री उपलब्ध गराएर र अर्ध-संरचनागत (Semi-Structured) मनोरञ्जनका सामग्रीको व्यवस्था मिलाएर सिकाइ जारी राख्ने र शिक्षक तथा विद्यार्थीहरूको पुनः एकीकरण प्रारम्भ गर्ने,
- विद्यालय बाहिर रहेका बाल-बालिकाहरू अस्थायी रूपमा खडा गरिएका सिक्ने ठाउँमा भर्ना गरिएका छन् अथवा तिनको शिक्षाका लागि वैकल्पिक व्यवस्था गरिएको छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने,
- पीडित एवं प्रभावित बाल-बालिकाहरूका निमित्त नियमित सिकाइ प्रणालीमा क्रमशः तिनलाई समावेश गर्दै लैजाने ।

५.८. संरक्षण क्षेत्र सँग सम्बन्धित मानवीय सहयोगका मापदण्ड :

- प्रभावित जनसमुदायको अधिकारको उल्लङ्घन भएमा वा दुर्व्यवहार तथा शोषण अथवा भेदभावको अनुगमन गर्ने र प्रतिवेदन पेश गर्ने संयन्त्रको स्थापना गर्ने अथवा स्थापित संयन्त्रलाई परिचालन गर्ने,
- विभिन्न समुदायका सदस्यहरूबाट, विशेषतः अति गरिब तथा पछाडि पारिएका वा सीमान्तिकृत समुहबाट मानवीय सहयोग तथा आधारभूत सेवा सुविधामा समान पहुँच प्रतिकार्य पाए नपाएको अनुगमन गर्ने,
- साभेदारहरूका बीचमा अभिलेख राख्ने तथा दर्ता गर्ने प्रणालीमा एकरूपता सुनिश्चित गर्ने,
- बाल-मैत्री ठाउँलगायत बाल-बालिका तथा महिलाहरूका लागि सुरक्षित वातावरणको सिर्जना गर्ने,
- शिक्षा तथा संरक्षणसम्बन्धी प्रतिकार्य कार्यक्रममा मनो-सामाजिक सहयोगलाई एकीकरण गर्ने,
- हेरचाह गर्ने व्यक्तिहरूबाट बाल-बालिकाहरू विछोडिने कार्यको रोकथाममा सहयोग गर्ने,
- विछोडिएका तथा परिवार साथ नभएका बाल-बालिकाहरू, खास गरी पाँच वर्षको उमेरभन्दा मुनिका बाल-बालिका तथा किशोरीहरूको पहिचान, दर्ता तथा स्वास्थ्य जाँचको लागि सहजीकरण गर्ने र खोजी तथा पुनर्मिलनमा संलग्न साभेदारहरूलाई सहयोग उपलब्ध गराउने,
- परिवारबाट विछोड भएमा तथा साथमा नरहेका बाल-बालिकाहरू र अन्य जोखिममा परेका समूह जस्तै: परिवार नभएका, बृद्ध, अपांग तथा दीर्घ रोगबाट पीडित समूहका मानिसहरूलाई हेरचाह तथा संरक्षण प्रदान गर्ने (वास तथा अन्य सेवाको व्यवस्था),
- मानवीय सहयोग तथा स्थायी समाधानका बारेमा आन्तरिक रूपमा विस्थापित मानिसहरूलाई नियमित रूपमा सूचनाको प्रवाह भइरहेको छ भन्ने कुरा सुनिश्चित गर्ने,
- फिर्ता हुने कार्यक्रम तथा स्थायी समाधानको तर्जुमा गर्ने कार्यमा आन्तरिक रूपमा विस्थापित व्यक्तिहरूलाई संलग्न बनाउन प्रयास गर्ने
- शिविर तथा पुनर्वासका क्षेत्रहरूमा पर्याप्त सुरक्षाका लागि पैरवी (Advocacy) गर्ने ।

कार्यान्वयन तथा पुनरावलोकन रणनीति

६.१. विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना क्रियाशील हुने

जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिले स्वीकृत गरेको मिति देखि यस विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना अविच्छिन्न रुपमा लागू हुनेछ ।

६.२. विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको कार्यान्वयन योजना

जिल्लाका हरेक निकायहरूले विभिन्न विषयगत क्षेत्रमा आवद्ध रहि यो विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना कार्यान्वयन गर्न सघाउने छन् । साथै स्थानीय तहमा कार्यरत संघसंस्थाहरूले विषयगत योजनाहरू कार्यान्वयन गर्न स्वयंसेवक एवं प्रतिनिधि छनौट गरी आवश्यक सहयोग गर्नेछन् । योजना कार्यान्वयनमा सबै पक्षहरूको सहभागितालाई प्राथमिकता दिईनेछ ।

६.३. विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको नियमित समीक्षा तथा अद्यावधि

विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना कार्यान्वयनको समग्र अनुगमन जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिले यसका पदाधिकारीहरू मध्येबाट उपयुक्त व्यक्तिहरू संलग्न गरी एक कार्यदल बनाई सोहि कार्यदलमार्फत गरिनेछ । योजना कार्यान्वयनको नियमित समीक्षा गरिनेछ । यो समीक्षा विपद् हुन सक्ने सम्भावित अवधि र प्रकोप भएका बखत दैनिक गरिने छ ।

प्रतिवेदन तथा अभिलेखन

७.१. प्रतिवेदन तथा सञ्चार

जिल्ला भित्र घट्ने प्रकोपको प्रकृतिका आधारमा समुदाय र जिल्ला तहका विभिन्न उपसमिति बीच आवश्यक सञ्चार सम्पर्क कायम गरिने छ । विशेष गरीयस जिल्लामा पहिरो, बाढीको प्रकोपले प्रभावित गर्ने हुँदा धेरै स्थान र ठूलो मात्रामा विपद्को स्थिति भए सो समयमा दैनिक सम्पर्क गर्ने र संचार माध्यमलाई सूचना संप्रेषण गरिने छ ।

विषयगत अगुवाहरूले प्रतिकार्य सम्बन्धी प्रतिवेदन जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिलाई बुझाउनु पर्नेछ । यस्तो प्रतिवेदन विपद् प्रतिकार्यका अवधिमा सकेसम्म दैनिक रुपमा तयार गरिने छ । साथै अनुगमन टोलीले तयार गरेको प्रतिवेदन समितिको हरेक बैठकमा प्रस्तुत गरिनेछ ।

७.२. संस्थागत व्यवस्था

विपद् जोखिम न्यूनिकरण तथा व्यवस्थापन वा विपद् व्यवस्थापन योजनामा उल्लेख भए बमोजिम प्रतिकार्य योजनाको कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन संस्थागत रुपमा गरिनेछ । यसको संयोजन जिल्ला स्तरमा जिल्ला प्रशासन कार्यालय र स्थानीय तहहरूमा जिल्ला समन्वय समितिको समेत सहयोग लिई सम्बन्धित स्थानीय तहहरूले गर्नेछन् ।

७.३. अभिलेखीकरण

जिल्ला स्तरमा विपद् प्रतिकार्यको अभिलेखीकरण जिल्ला प्रशासन कार्यालयले जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको सदस्य सचिवको हैसियतले गर्नेछ भने स्थानीय स्तरमा गाउँपालिका तथा नगरपालिकाहरूको स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिहरूले नेतृत्व गर्नेछन् । जुनसुकै तहमा भएपनि जिल्ला अगुवा सहयोगी निकाय, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी तथा सम्बन्धित सरोकारवालाहरूले अभिलेखीकरण कार्यलाई सहयोग गर्नेछन् ।

७.४. अनुमोदन प्रक्रिया

यस विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको अनुमोदन प्रचलित ऐन बमोजिम जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिले विषयगत निकायहरू एवं जिल्लाका सबै निकायहरूको सहभागितामा कार्यशालाको आयोजना मार्फत गरिएको छ । प्रतिवेदन तथा अभिलेख प्रक्रिया सम्बन्धी व्यवस्थाको सारांश रुपमा तपसिल अनुसार हुने छ ।

| सि नं | प्रक्रिया गत कार्य | जिम्मेवार निकाय | समय वा अवधि | कैफियत |
|-------|--|--|--------------------------|---|
| १ | संचार समन्वय | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति वा जिल्ला आपत्कालीन कार्य संचालन केन्द्र | विपद् शुरु भएपछि निरन्तर | |
| २ | प्रतिकार्य प्रतिवेदन | विषयगत अगुवाहरू | दैनिक | |
| ३ | प्रतिकार्य योजना कार्यन्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन | जिल्ला स्तरमा जिल्ला प्रशासन कार्यालय, स्थानीय स्तर स्थानीय तहले | दैनिक | जिल्ला समन्वय इकाई को सहयोग लिने |
| ४ | प्रतिकार्य योजना कार्यन्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रतिवेदन | अनुगमन टोली | हरेक बैठकमा | |
| ५ | अभिलेख तयारी | जिल्ला स्तरमा जिल्ला प्रशासन कार्यालय स्थानीय स्तरमा पालिकाहरू | | जिल्ला अगुवा सहयोगी निकाय, रेडक्रस, तथा सम्बन्धित सरोकारवालाहरूले सहयोग गर्ने |
| ६ | प्रतिकार्य योजना अनुमोदन | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति | | सबै सरोकार वाला , पालिका हरुको सहभागितामा कार्यशाला मार्फत गर्ने |

अनुसूचीहरू

अनुसूची १ : समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन क्षेत्र सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण

| क्र.सं. | नाम | कार्यालय, निकाय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|--|--|---------------------------------------|
| १ | श्री सुमन घिमिरे प्र.जि. अ. श्री खिम राज भुपाल, स.प्र.जि.अ. | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | ९८५७०८७७७७ ०७८५४०२०१ ९८४९१८००५८ |
| २ | श्री प्रमुख | जिल्ला समन्वय समिति | ०७८५४०४५३ |
| ३ | श्री आनन्द शर्मा भुपाल | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | ९८४९१८००५८ |
| ४ | श्री देवी प्रसाद आचार्य | जिल्ला समन्वय अधिकारी, जि.स.स. | ९८५७०४०४३५ |
| ५ | श्री वीरेन्द्र पराजुली | नेपाल पत्रकार महासंघ | ९८५७०४००१९ |
| ६ | श्री चन्दन भा | नेपाल टेलिकम | ९८५१०९६११२ |
| ७ | श्री बद्रिनाथ नेपाल | गै.स.सं.महासंघ, नवलपरासी | ९८४७०४९९५१ |
| ८ | श्री प्रज्वल महर्जन, प्र. उ. | जिल्ला प्रहरी कार्यालय | ९८५७०९०३४४ ९८५८७८५५५५ |
| ९ | श्री शुसान्त बराल | राष्ट्रिय अनुसन्धान जिल्ला कार्यालय | ९८५७०८७४०१, ९८५८०५११८१ |
| १० | श्री दिपेन्द्र बोगटी | नं २ बन तथा पर्यावरण सुरक्षा गण हात्तिखोर | ९८४९४८२०४१ |
| ११ | वीर भद्र नाथ, | स. प्र. बल नेपाल नं ३१ गुल्म | ९८६२९६६५१५, ९८०२९८११०० |
| १२ | स्थानीय तह सूचना अधिकारी हरु | सबै पालिका हरु | अनुसूचि अनुसार |
| १३ | श्री हरि प्रसाद सापकोटा | सहमति | ९८५५००१३८४, ९८४९१६७७०३ |
| १४ | श्री गीता कँडेल | गोरखापत्र दैनिक | ९८४७२७२०३१ |

अनुसूची २ : खोज, उद्धार सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण

| क्र.सं. | नाम | कार्यालय, निकाय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|--|--|---------------------------------------|
| १ | श्री सुमन घिमिरे प्र.जि. अ. श्री खिम राज भुपाल, स.प्र.जि.अ. | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | ९८५७०८७७७७ ०७८५४०७९९ ९८४९१८००५८ |
| २ | श्री दिपेन्द्र बोगटी, प्र. से. | नं २ बन तथा पर्यावरण सुरक्षा गण हात्तिखोर | ९८४९४८२०४१ |
| ३ | श्री प्रज्वल महर्जन, प्र.उ. | जिल्ला प्रहरी कार्यालय | ९८५८७८५५५५ |
| ४ | श्री वीर भद्र नाथ | सशस्त्र प्रहरी बल,नेपाल ३१ नं. गुल्म, नवलपरासी । | ९८६२९६६५१५ |
| ६ | श्री मदन भक्त अधिकारी, सभापति श्री काँसी राम पाठक, मन्त्रि | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ,जिल्ला शाखा नवलपरासी (ब.सु.पू) | ९८५५०६३८७० ९८५७०४०८१७ |

अनुसूची ३ : कृषि तथा खाद्य व्यवस्थापन क्षेत्र सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण

| क्र.सं. | नाम | कार्यालय, निकाय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|----------------------|-----------------------------|---------------|
| १ | श्री डामुराम पोखेल | उद्योग वाणिज्य संघ, नवलपुर | ९८५७०४०६४८ |
| २ | श्री रेशमलाल सापकोटा | उद्योग वाणिज्य संघ, देवचुली | ९८५७०४०१२६ |

| | | | |
|----|---------------------------|---|---------------------------|
| ३ | श्री अमृत भट्टचन | जिल्ला उद्योग वाणिज्य संघ, गैडाकोट, | ९८५५०५६६६७ |
| ४ | श्री केदार प्रसाद पराजुली | उद्योग वाणिज्य संघ, मध्यविन्दु | ९८५७०४०५११ |
| ५ | श्री बद्रीनाथ नेपाल | गै.स.सं.महासंघ, नवलपरासी र मातहकका संस्थाहरु : विजयविकास श्रोत केन्द्र, सहमति, हिकोडेफ, सामाजिक विकास आर्थिक विकास केन्द्र, हिमालय सामुदायिक विकास मञ्च, असल छिमेकी नेपाल, कोपिला नेपाल, जागृति बाल युवा सरोकार केन्द्र, रेससफिरिरि, ह्याचर नेपाल, सहयोगी मन, वेस नेपाल र रिड नेपाल, दिप ज्योति सामाजिक विकास केन्द्र, लुम्बीनी प्लस, | ९८४७०४९९५१ |
| ६ | रामचन्द्र धिताल | चौधरी गुप | ९८५७०८६१५३ |
| ७ | श्री विष्णुप्रसाद शर्मा | प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना, सुन्तलाजात फलफूल जोन | ९८५७०८७०३१ |
| ८ | गायत्री राज काफ्ले | भेटनेरी अस्पताल तथा पशु विज्ञ सेवा केन्द्र | ९८४३०६६७९५ |
| ९ | श्री देवी प्रसाद आचार्य | जिल्ला समन्वय अधिकारी, जि.स.स. | ९८५७०४०४३५ |
| १० | गोपाल शर्मा लामिछाने | कृषि ज्ञान केन्द्र | ९८५७०८८१५४ |
| ११ | विकास खनाल | कृषि शाखा प्रमुख,कावासोती नगरपालिका | ९८४७४३५४३५ |
| १२ | रेशम ढकाल | कृषि शाखा प्रमुख,मध्यविन्दु नगरपालिका | ९८५७०३७३५९ |
| १३ | शंकर तिवारी | कृषि शाखा प्रमुख,बौदिकाली गाउँपालिका | ९८२११४५९५० |
| १४ | प्रमूख | कृषि शाखा प्रमुख, हुप्सेकोट गाउँपालिका | ९८४५४२२९१८ |
| १५ | मनोज चापागाई | कृषि शाखा प्रमुख,विनयी त्रिवेणी गाउँपालिका | ९८६५०२२४८३ |
| १६ | प्रमूख | कृषि शाखा प्रमुख,बुलिङ्गटार गाउँपालिका | ९८५७०७०१०७ |
| १७ | सरस्वती ढकाल | कृषि शाखा प्रमुख, देवचुली नगरपालिका | ९८१४२३२२११ |
| १८ | हरि प्रसाद सापकोटा | सहमति | ९८५५००१३८४, ९८४९१६७७०३ |

अनुसूची ४ : आवास तथा गैर खाद्य सामाग्री क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण

| क्र.सं. | नाम | कार्यालय, निकाय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|-----------------------------|---|-------------------------|
| १ | श्री मदनभक्त अधिकारी | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, जिल्ला शाखा नवलपुर, | ९८५५०६३८७० |
| २ | श्री ऋषिराम कँडेल | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, जिल्ला शाखा नवलपुर | ९८५७०२३२३३ |
| | श्री काँशीराम पाठक, मन्त्री | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | ९८५७०४०८१७ |
| ३ | श्री मोहन राज काफ्ले | डिभिजन वन कार्यालय | ९८५७०८७६३६ |
| ४ | श्री देवी प्रसाद आचार्य | जिल्ला समन्वय अधिकारी, जि.स.स. | ९८५७०४०४३५ |
| ५ | श्री रविन्द्र तिवारी | जिल्ला प्राविधिक कार्यालय | ९८५७०८७५७३ |
| ६ | श्री डामुराम पोखेल | उद्योग वाणिज्य संघ, नवलपुर | ९८५७०४०६४८ |
| ७ | श्री धर्म बस्याल | उद्योग वाणिज्य संघ, देवचुली | ९८५७०२८२८७ |
| ८ | श्री अमृत भट्टचन | नवलपरासी जिल्ला उद्योग वाणिज्य संघ, | ९८५५०५६६६७ |
| ९ | श्री बद्रीनाथ नेपाल | गै.स.सं.महासंघ | ९८४७०४९९५१ |
| १० | श्री दमन बहादुर भण्डारी | श्री मध्यवर्ती उपभोक्ता समिति | ९८६४४५२५०८ |
| ११ | श्री जयलाल भण्डारी | मध्यविन्दु साभेदारी वन | ९८४७३३२६१९ |
| १२ | श्री आशिष श्रेष्ठ, | जिल्ला आयोजना कार्यन्वयन इकाई(भवन तथा आवास) | ९८४५९०३१०७ ०७८५४०३०९ |

अनुसूची ५ : खानेपानी तथा सरसफाइ क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण

| क्र.सं. | नाम | कार्यालय, निकाय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|-------------------------|---|--------------------------|
| १ | कार्यलय प्रमुखहरु | स्थानीय निकायहरु | अनुसूचिमा छ |
| | श्री महेन्द्र आचार्य | खानेपानी तथा सरसफाइ डिभिजन, इकाई कार्यलय कावासोती | ९८५७०६४२०६ ०७८५४९९९० |
| ३ | श्री कृष्ण घिमिरे | हिकोडेफ | ९८५९९००९०४ |
| ४ | श्री प्रेम गुरुङ्ग | सामाजिक विकास तथा अनुसन्धान केन्द्र | ९८४५०२६९४४ |
| ५ | श्री मदनभक्त अधिकारी | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | ९८५५०६३८७० |
| ७ | श्री बद्रि नाथ नेपाल | गै.स.सं.महासंघ | ९८४७०४९९५९ |
| ८ | श्री भीमलाल कंडेल | खानेपानी तथा सरसफाइ उपभोक्ता संस्था | ९८५७०४९०७७ |
| ९ | श्री दीपक जिर्सी | सनराइज मिनरल वाटर कम्पनी | ९८४७०८८०९३ |
| १० | श्री सोम काप्री | उपाध्यक्ष, नेपाल बोटल वाटर उद्योग संघ, नेपाल तथा प्रो. सुमन मिनरल वाटर, गैडाकोट | ९८५५०६३०३४ ०७८ ५०९५५० |
| ११ | श्री हरि प्रसाद सापकोटा | सहमति | ९८५५००९३८४ ९८४९९६७७०३ |

अनुसूची ६ : स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति, संस्थाको विवरण

| क्र.सं. | नाम | कार्यालय, निकाय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|-----------------------------|--|-------------------------|
| १ | श्री केशव प्रसाद चापागाई | स्वास्थ्य कार्यालय | ९८५७०४७९७६ |
| २ | श्री वीर बहादुर थापा | मध्यविन्दु जिल्ला अस्पताल | ९८५८४२४७६४ |
| ३ | डा सुजाता शर्मा | जिल्ला आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्र | ९८४७४३८२३४ |
| ४ | डा. गायत्री राज वाग्ले | भेटनरी अस्पताल तथा पशु विज्ञ | ९८५७०६४२०६ |
| ५ | श्री बद्रिनाथ नेपाल | गै.स.स. महासंघ | ९८४७०४९९५९ |
| ७ | श्री कमल नारायण श्रेष्ठ | औषधि व्यवसायि संघ, जिल्ला शाखा, नवलपरासी जिल्ला शाखा | ९८५७०२३८९९ |
| ८ | श्री ईश्वरी घीमीरे | नेपाल स्वास्थ्य व्यवसायी संघ, नगर इकाई गैडाकोट | ९८४५९०८३९९ |
| ९ | डा त्रिभुवन भण्डारी, मे. अ. | प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दुम्कौली | ९८४६३३३८२५ ०७८५४५०८८ |

अनुसूची ७ : शिक्षा क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण

| क्र.सं. | नाम | कार्यालय, निकाय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|-----------------------------|------------------------------|---------------|
| १ | श्री कृष्ण चन्द्र पोखेल | शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाई | ९८५५०५९८५५ |
| २ | श्री बालकृष्ण चापागाई | गैडाकोट नगरपालिका | ९८५९९७३७४७ |
| ३ | श्री रामप्रसाद शर्मा | देवचुली नगरपालिका | ९८५६०५२०२९ |
| ४ | श्री क्षेत्र बहादुर भण्डारी | कावासोती नगरपालिका | ९८५९९९८७९९ |
| ५ | श्री टेक प्रसाद पाण्डे | मध्यविन्दु नगरपालिका | ९८४७०२३८८९ |
| ६ | श्री माधवराज गौतम | हुप्सेकोट गाउँपालिका | ९८५७०४०४३९ |

| | | | |
|----|--------------------------|---|------------|
| ७ | श्री बुद्धि रानाभाट | बुलिडटार गाउँपालिका | ९८६५००५१६७ |
| ८ | श्री शाखा प्रमुख | बौदीकाली गाउँपालिका | ९८४५१७६६०१ |
| ९ | श्री भूप राज पाण्डे | वियनी- त्रिवेणी गाउँपालिका | ९८४७०८०७२१ |
| १० | श्री चन्द्र देव तिवारी | शिक्षक महासघ | ९८५७०४०८१२ |
| ११ | श्री हरि प्रसाद न्यौपाने | नेपाल रा शि सगठन | ९८५७०४१७२७ |
| १२ | श्री चुडामणि शर्मा | ने शि सघ | ९८५५०६१५७३ |
| १३ | श्री दिपक रावत | प्याक्सन | ९८५५०५७८९६ |
| १४ | श्री रमेश अधिकारी | एनप्याक्सन | ९८५७०२७४६३ |
| १५ | श्री शिव प्रसाद देवकोटा | इम्बक्स | ९८५७०४०१४४ |
| १६ | श्री भिमलाल कंडेल | नेपाल स्काउट | ९८५७०४१०७७ |
| १८ | श्री लक्ष्मी गौतम | शिक्षाका लागि राष्ट्रिय अभियान नवलपुर | ९८४७०९५३०६ |
| १९ | श्री जुगताराम थनेत | फुलबारी सामुदायिक पुस्तकालय तथा स्रोत केन्द्र | ९८४७०८९६९३ |
| २० | श्री सूर्यप्रसाद पाण्डे | अरग्यौली श्रोत पुस्तकालय | ९८५७०४०३६६ |

अनुसूची ट : संरक्षण क्षेत्रको सम्पर्क व्यक्ति तथा संस्थाको विवरण

| क्र.सं. | नाम | कार्यालय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|--|-----------------------------------|------------------|
| १ | श्री ज्ञान प्रसाद भुषल | सामाजिक विकास कार्यलय | ९८५७०४८७५९ |
| २ | प्रमुख वा अध्यक्ष | सबै स्थानीय तहहरु प्रमुखा | अनुसूची मा रहेको |
| ३ | उप प्रमुखवा उपाध्यक्ष | सबै स्थानीय तहहरु प्रमुखा | अनुसूची मा रहेको |
| ४ | अध्यक्ष चेतनारायण भुषाल | नेपाल बार एसोसिएसन | ९८६७२२३८६३ |
| ५ | श्री ऋषिराम कंडेल | नेपाल रेडकस सोसाईटी | ९८५७०२३२३३ |
| ६ | तोकेको व्यक्ति | महिला प्रहरी सेल , नवलपरासी पूर्व | |
| ७ | विना सिलवाल | श्री कोपिला नेपाल | ९८५६०३८७१४ |
| | लुम्बिनी प्लस | श्री निर्मला पौडेल | ९८४५१८०३९३ |
| ८ | सहमति तथा एकल महिला पौरवी मञ्च | श्री लक्ष्मी भट्टराई | ९८५५०५३५१३ |
| ९ | नेपाल बाल संगठन, नवलपरासी वर्दघाट सु.पू. | श्री विष्णु देवी पाण्डे | ९८५१००६९३९ |

अनुसूची ड : जिल्ला स्थित राष्ट्रिय राजनैतिक दलहरुको सम्पर्क सूचि

| क्र.सं. | राजनैतिक दल | प्रमुखको नाम | सम्पर्क नं. |
|---------|------------------------------|-------------------------------|-------------|
| १. | ने.क.पा. (एमाले) | श्री मुक्तिराम प्रोखरेल | ९८५७०२९३०५ |
| २. | नेपाली कांग्रेस | श्री महेन्द्रध्वज जिशी | ९८५१०१५९७५ |
| ३. | ने.क.पा. (माओवादी केन्द्र) | श्री मित्र शरण शर्मा “बिहानी” | ९८५११७५९८१ |
| ४. | जनता समाजवादी पार्टी | श्री ओमनारायण थनेत | ९८६१५४५६८८ |
| ५. | राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी | श्री विष्णु अधिकारी | ९८४७२५३७७६ |
| ६. | नेकपा एकीकृत समाजवादी | श्री शालीग्राम भट्टराई | ९८५७०४०८५१ |

अनुसूची १० : जिल्ला स्थित नेपाली सेना, गण, व्यारेक, गुल्म र सुरक्षा वेशहरूको विवरण

| क्र.सं. | संस्था | नाम | सम्पर्क नम्बर |
|---------|------------------------------------|-----------------------------|---------------|
| १ | नं.२ वन तथा पर्यावरण गण, हात्तिखोर | प्र से श्री दिपेन्द्र बोगटी | ९८४१४८२०४१ |
| २ | क. गुल्म भाल्टुनडाँडा | प्रमुख | |
| ३ | शुरक्षा से. मु. त्रिवेणी | प्रमुख, | |
| ४ | अमलटारी व्यारेक | प्रमुख | ०७८६२०३६२ |

अनुसूची ११ : जिल्ला प्रहरी कार्यालय नवलपुर र मातहत कार्यालय प्रमुखहरूको विवरण

| क्र.सं. | संस्था | नाम | सम्पर्क नं. |
|---------|--|-----------------------------|-------------|
| १ | जिल्ला प्रहरी कार्यालय नवलपरासी पूर्व | प्रज्वल महर्जन | ९८५८७८५५५५ |
| २ | जिल्ला ट्राफिक प्रहरी कार्यालय नवलपरासी पूर्व | प्रदिप थापा | ९८५७०८७२२२ |
| ३ | ईलाका प्रहरी कार्यालय, गैडाकोट, नवलपरासी पूर्व | प्रशान्त श्रेष्ठ | ९८५५०५३१९९ |
| ४ | ईलाका प्रहरी कार्यालय, दुम्कीबास, नवलपरासी पूर्व | राम नारायण गुप्ता | ९८५७०४०९२७ |
| ५ | ईलाका प्रहरी कार्यालय, डेढगाउँ, नवलपरासी पूर्व | शिव कुमार क्षेत्री | ९८५७०४६५९९ |
| ६ | ईलाका प्रहरी कार्यालय, रजहर, नवलपरासी पूर्व | भिमसेन घिमिरे | ९८५७०४०८४१ |
| ७ | ईलाका प्रहरी कार्यालय, रुद्रपुर, नवलपरासी पूर्व | विष्णु प्रसाद खनाल | ९८५७०४००६१ |
| ८ | ईलाका प्रहरी कार्यालय, त्रिवेणी, नवलपरासी पूर्व | रजिना राना | ९८५७०१३६८० |
| ९ | प्रहरी चौकी, कोल्हुवा, नवलपरासी पूर्व | कृष्ण अधिकारी | ९८५७०४०४९३ |
| १० | प्रहरी चौकी, अरुणखोला, नवलपरासी पूर्व | प्रेम ब.विष्ट | ९८५७०४०८२८ |
| ११ | प्रहरी चौकी, दाउन्ने, नवलपरासी पूर्व | चन बहादुर थापा | ९८५७०८१००६ |
| १२ | प्रहरी चौकी, तम्सरिया, नवलपरासी पूर्व | मोहन थापा क्षेत्री | ९८५७०४००९५ |
| १३ | प्रहरी चौकी, बुलिडटार, नवलपरासी पूर्व | रामदेव साह | ९८५७०४०४८३ |
| १४ | प्रहरी चौकी, हुप्सेकोट नवलपरासी पूर्व | रुक्मागत न्यौपाने | ९८५७०८७१८० |
| १५ | अस्थाई प्रहरी पोष्ट दलदले नवलपरासी पूर्व | डम्बर बहादुर खत्री क्षेत्री | ९८५७०४००३८ |
| १६ | अस्थाई प्रहरी पोष्ट डण्डा नवलपरासी पूर्व | चन्द्र बहादुर नेपाली | ९८५७०४०८२७ |
| १७ | अस्थाई प्रहरी पोष्ट मौलाकालिका नवलपरासी पूर्व | रमेश प्रसाद यादव | ९८५५०१२५१५ |
| १८ | अस्थाई प्रहरी पोष्ट शंखदेव नवलपरासी पूर्व | राम बिलास यादव | ९८५७०४००३२ |
| १९ | अस्थाई प्रहरी पोष्ट बेल्लिया न.प. पूर्व | टिकाराम पोखेल | ९८५७०४०८०२ |
| २० | अस्थाई प्रहरी पोष्ट सर्दी न.प. पूर्व | कृष्ण प्रसाद लामिछाने | ९८५७०८८९२८ |
| २१ | सा.स.के. नवलपुर नवलपरासी पूर्व | ईन्द्रा महतो | ९८५७०४३३५० |
| २२ | सा.स.के. गैडाकोट नवलपरासी पूर्व | चित्र कुमारी गुरूड | ९८४५५०४४३० |
| २३ | प्रमुख जिल्ला अधिकारी निवास गार्ड (ब.सु.पू.) | शक्तिमान डागी | ९८४५१५३७७८ |
| २४ | जि.अ.स.तथा सु.प्र.ई.गार्ड न.प.(बर्दघाट-सुस्ता पूर्व) | चित्र बहादुर खत्री | ९७४५१५३७७८ |

अनुसूची १२ : जिल्ला स्थित शसस्त्र प्रहरी बर्ली नवलपरासी र मातहत कार्यालय प्रमुखहरूको विवरण

| क्र.सं. | संस्था | नाम | सम्पर्क नं. |
|---------|--|---------------|--------------------------|
| १ | सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल नं.३१ गुल्म हे. क्वा पूर्वी नवलपरासी | स.प्र. ना. उ. | ९८५१२७२५१५ ९८०२९८११०० |
| २ | सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल औद्योगिक सुरक्षा वेश, दलदले | इन्चार्ज | ९८५१२७२५१६ |

| | | | |
|---|---|----------|------------|
| ३ | सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल औद्योगिक सुरक्षा वेश, चोरमारा | इन्चार्ज | ०७८-४१०११० |
| ४ | सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल औद्योगिक सुरक्षा वेश, सर्दी | इन्चार्ज | ९८५१२७२५१ |
| ५ | सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल वि.ओ.पि. विनयी-त्रिवेणी | इन्चार्ज | ९८५१२७२५१६ |

अनुसूची १३ : जिल्लामा सञ्चालित एम्बुलेन्सहरूको सम्पर्क सूची

| क्र.स. | नगरपालिका / गाउँपालिका | ठेगाना | चालकको नाम | सम्पर्क नं. |
|--------|---------------------------------------|----------------------------|---------------------|---------------------------|
| १ | किसान साकोस | गैडाकोट न.पा. | सन्तोस थापा | ९८५५०५६५५९, ९८२११७९८४० |
| २ | नगर अस्पताल , गैडाकोट | गैडाकोट न.पा | निशसल वाईवा | ९८५५०६४३८८ |
| ३. | सामाजिक सरोकार चेन्ज नेपाल | गैडाकोट न.पा | राम कुमार श्रेष्ठ | ९८४७२७१२३४, ९८१९२६५४८३ |
| ४. | नारायणी कला खेती स्मृति | गैडाकोट न.पा-४ | शिशिर शर्मा | ९८६७९९८३९५, ९८१४२३४०९९ |
| ५. | हर्क बहादुर स्मृति प्रतिष्ठान | गैडाकोट न.पा-४ | सुरेन्द्र बा. घर्ति | ९८६५०४५५५२, ९८११२३९०४९ |
| ६. | अमरापुरी स्वास्थ्य चौकी | गैडाकोट न.पा-१६ | राम प्रसाद सापकोटा | ९८६३२७२७२४, ९८१०१८४५२८ |
| ७. | सारिका फउण्डेसन नेपाल | गैडाकोट न.पा-१४ | ज्ञान बा. नेपाली | ९८४७३६८८९९, ९८१११८८८९९ |
| ८. | बसुमनि शिव न्यूरस्मृति प्रतिष्ठान | देवचुली न.पा. फारम | चुडामणी जैसी | ९८५७०४०४८८, ९८१५४१४८८८ |
| ९. | प्राकृतिक चिकित्सालय | देवचुली न.पा. रजर | बम बा. भुजेल | ९८५७०४१६९२, ९८६९९९९३५७ |
| १०. | श्री पशुपति मच्छे रुपा सापकोटा संस्था | देवचुली न.पा. रजर | चिन्तामणी सापकोटा | ९८५७०८७७८५, ९८१८५४७५७३ |
| ११ | सि. जि. मेडिकियर | देवचुली न.पा. केउरनी | दिपक राज गौतम | ९८५७०८६२६० |
| १२ . | दुम्कौली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र | देवचुली न.पा. केउरनी | सुरज सिं अधिकारी | ९८४७०७४०९९, ९८२१५१०२१४ |
| १३. | सन्तोष स्मृति प्रतिष्ठान | देवचुली न.पा. दलदले | करन न्यौपाने | ९८५७०४१३७६, ९८२१५५४४६९ |
| १४. | देवचुली अस्पताल प्रा.लि. | देवचुली न.पा. दलदले | खुम बा. सारु | ९८४४७६५०८८, ९८२१९१३१६६ |
| १५. | नवदुर्गा युवा क्लब | देवचुली न.पा. मुन्दे | गोविन्द थापा | ९८५७०४१५६९, ९८२१५५९५५२ |
| १६. | रन्नमान श्रेष्ठ स्मृति संस्था | देवचुली न.पा. प्रगतिनगर | नवराज श्रेष्ठ | ९८५७०४१७४३, ९८११८८१५३३ |
| १७. | नारायणी सामुदायिक विकास केन्द्र | देवचुली न.पा. प्रगतिनगर | महेन्द्र रानाभाट | ९८५७०४०६४४, ९८००७७७०२२ |
| १८. | ग्रामिण सामुदायिक विकास | बुलिडटार गा.पा. | अशोक कुमाल | ८७१७२०८७८६ |

| | | | | |
|-----|--------------------------------------|------------------------------|-------------------|-----------------------------|
| १९. | डेढगाउँ सामुदायिक सेवा | बौदिकाली गा.पा. डेढगाउँ | | ९८१६६६७०४९, ९८०२९३०९८० |
| २०. | सन्तुदेवी उपचार केन्द्र | कावासोती न.पा. पिठौली | शेर बहादुर महतो | ९८४७०७४६३४, ९८०७५७८१७१ |
| २१. | ने.रो.सो. उप-शाखा | कावासोती न.पा. .कावासोती | गोपिराम ब्लोन | ९८४७१४५२६६, ९८४७०५३५८५ |
| २२. | नवलपुर अस्पताल प्रा.लि. | कावासोती न.पा. कावासोती | सन्त बा. राना | ९८४७४३५३६९, ९८६७२२४१६९ |
| २३. | मातृभूमि युवा क्लब | कावासोती न.पा. विष्णु नगर | तिलक कुमाल | ९८४०९७२३१०, ९८४७०७४३५७ |
| २४. | भू.पु.सैनिक कल्याणकारी संस्था | कावासोती न.पा. कावासोती | भिम बा. थापा | ९८४४७१०२४२, ९८००७४१७३६ |
| २५. | कालीगण्डकी सामुदायिक अस्पताल | कावासोती न.पा. कावासोती | मान बा. गुरौ | ९८४७०५३३५०, ९८०७५७५३३० |
| २६. | मध्यविन्दु जिल्ला अस्पताल | कावासोती न.पा. डण्डा | बाबुराम बस्नेत | ९८४७०१४५६४, ९८१५४२२९४५ |
| २७. | ने.रो.सो. जिल्ला शाखा | नवलपुर | अन्तविर नेपाली | ९८५७०४८९९०, ९८१०३७८६८४ |
| २८. | हजुरको बचत तथा ऋण सहकारी संस्था | हुप्सेकोट,न.पा. भ्यालबास | मोहन सिं सोती | ९८४७४१५६९३, ९८१८३८९७८३ |
| २९. | देउराली स्वास्थ्य चौकी -पिपुल्स) | हुप्सेकोट न.पा. भ्यालबास | याम बा. रजाली | ९८५७०४१३००, ९८०४४६२७९६ |
| ३०. | दीर्घायु नेपाल | मध्यविन्दु न.पा.कोलुवा | प्रेम नारायण ढकाल | ९८४७२३८२५३, ९८१७४०४७८४ |
| ३१. | शक्ति श्री सेवा समाज | मध्यविन्दु न.पा. चोरमारा | सुमन कुवर | ९८६७२४९०७३, ९८६७२४९०७६ |
| ३२. | P.H.C चोरमारा | मध्यविन्दु न.पा. चोरमारा | केशव काफ्ले | ९८६०१९८४६५, ९८४७५०२९३४ |
| ३३. | स्व. पुतली स्मृति संस्था | मध्यविन्दु न.पा. अरुणखोला | सन्त बा. चौधरी | ९८४२६२९८८८, ९८१७२८३५०९ |
| ३४. | ने.रो.सो.उपशाखा अरुणखोला | मध्यविन्दु न.पा. अरुणखालो | हरि न्यौपाने | ९८६७२३५३२४, ९८४७१२०९४० |
| ३५. | फडिन्द्र बहादुर कार्की स्मृति संस्था | मध्यविन्दु न.पा. अरुणखोला | अशोक आले मगर | ९८६९९४९४४४४४, ९८५७०४१०११ |
| ३६. | नेपाल परिवार नियोजन संघ | मध्यविन्दु न.पा. अरुणखोला | ओम कुमार के सि | ९८४१३६४०४५, ९८१६४८५६६९ |
| ३७. | नेपाल हेल्थ लाईन फा. | मध्यविन्दु न.पा. अरुणखोला | कृष्ण पुन | ९८६५५४४८१५ |
| ३८. | लाली गुरास युवा क्लब | विनयत्रिवेणी गा.पा. सर्दि | भरत चौधरी | ९८६७१८६६८६ |
| ३९. | जिमि नेवा गुठी | विनयत्रिवेणी गा.पा. बगैचा | टोप बा. ठकुरी | ९८६७०२६७९९, ९८११९२६४४५ |
| ४०. | खगेश्वर भुर्तेल स्मृति समाज | विनयत्रिवेणी गा.पा. सर्दि | तारानाथ | ९८६७४०३८०४ |

| | | | | |
|-----|----------------------------------|---------------------------------|--------------------|---------------------------|
| ४१. | दुम्कवास बजार व्यवस्थापन समिति | विनयत्रिवेणी गा.पा. दुम्कवास | भिम बा. सुनार | ९८४६६१०६०१ |
| ४२. | इन्द्रेणी कृषि सहकारी संस्था लि. | कावासोती न.पा. | धन बा. अस्लामी मगर | ९८४३९७९५८७, ९८१८३३४८०९ |
| ४३. | स्व. भमीबहादुर स्मृति समाज | मध्यविन्दु न.पा. | नारायण थारु | ९८४६९५८०६२ |
| ४४. | नाथुराम थारु स्मृति प्रतिष्ठान | मध्यविन्दु न.पा. | | ९८१२९१४९३३ |

अनुसूची १४ : स्वास्थ्य क्षेत्र सम्पर्क सूचि

१४.१ स्थानीय तहका स्वास्थ्य शाखाको सम्पर्क सूचि

| क्र.सं | स्थानीय तह स्वास्थ्य शाखा प्रमुखहरूको नाम | स्थानीय तह | फोन न |
|--------|---|----------------------|------------|
| १ | भलक राज पौडेल | गैडाकोट न. पा. | ९८५६०४५९३३ |
| २ | राम कुमार श्रेष्ठ | देवचली न.पा. | ९८४६११४९१५ |
| ३ | कृष्ण नागिला | कावासोती न.पा. | ९८४१४५४७९३ |
| ४ | ख्याम बहादुर क्षेत्री | मध्यविन्दु न.पा. | ९८४७५६१८२९ |
| ५ | ध्रुव काफ्ले | विनयी त्रिवेणी.गा पा | ९८४७०४९२२९ |
| ६ | कृष्ण सापकोटा | हुप्सेकोट गा पा | ९८४५१४१४२६ |
| ७ | अशोक कुमार श्रेष्ठ | बुलिङ्गटार गा पा | ९८५७०४१३४९ |
| ८ | टोपकान्त अधिकारी | बौदीकाली गा.पा. | ९८४७५९५१८६ |

१४.२ अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वास्थ्य तथा उपस्वास्थ्य चौकीहरूको सम्पर्क सूची

| क्र.सं. | नाम थर | कार्यालय, निकाय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|-------------------------|---|---------------|
| १ | डा. वीर बहादुर थापा | मध्यविन्दु जिल्ला अस्पताल | ९८५८४२४७८४ |
| २ | चित्र बहादुर सुनार | दूम्कौली प्रा.स्वा.केन्द्र, नवलपरासी | ९८४५५१७२४४ |
| ३ | ईन्द्र बहादुर महतो | पिठौली स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७०४१२३३ |
| ४ | हरि प्रसाद शर्मा वाग्ले | धोबादी स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७०४१७०८ |
| ५ | लिला प्रसाद अर्याल | देवचुली स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७०४१७०८ |
| ६ | लोकनाथ अर्याल | प्रगतीनगर स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७०५३१३८ |
| ७ | विश्वराज कडेल | शिवमन्दिर स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७२४०७६८ |
| ८ | डा. हिमाल खत्री | बुलिङ्गटार प्रा.स्वा.केन्द्र, नवलपरासी | ९८४९११०५७७ |
| ९ | प्रविन कुमार यादव | अर्खला स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९७४५८५५८७० |
| १० | राम कुमार महतो | कोटथर स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८०७५४२९२६ |
| ११ | ऋषीकान्त रानाभाट | डाडांभेरी स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४५७९१०८५ |
| १२ | रामानन्द महतो | नवलपुर स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७०८७५२४ |
| १३ | समिक्षा मर्दनिया | नारायणी स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८०३०९९८०७ |
| १४ | परशुराम भुसाल | कुमारवर्ती स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४५३३०३१३ |
| १५ | ज्ञानेन्द्र मल्ल | अग्यौली स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८१२९५६९४५ |
| १६ | नरेश शाही | कावासोती स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८५७०४०८२४ |
| १७ | रघुनाथ भट्टराई | त्रिवेणीसुस्ता स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४६३७३१६६ |
| १८ | राम प्रसाद पाण्डेय | चोरमारा प्रा.स्वा.के., नवलपरासी | ९८५५०५०५३२ |
| १९ | चुडामणि काफ्ले | प्रसौनी स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७०९५०९९ |
| २० | टेकनाथ न्यौपाने | देउराली स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८५७०४१२८२ |
| २१ | विजय महतो | हुप्सेकोट स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४९६६९३४९ |

| क्र.सं. | नाम थर | कार्यालय, निकाय | सम्पर्क नम्बर |
|---------|--------------------|--------------------------------------|---------------|
| २२ | भिम बहादुर ढेंगा | मैनाघाट स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८६७३३४९८५ |
| २४ | मधव आचार्य | गौडकोट नगर अस्पताल | ९८५५०४६९३९ |
| २५ | दिपा सदाशंकर | रतनपुर उपस्वास्थ्य चौकी | ९८६९५८६९९९ |
| २६ | वेद ब.दाहाल | रजहर स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७५६९८२९ |
| २७ | रुवि श्रेष्ठ | अमरापुरी स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८६५०८८९६६ |
| २८ | सरला कुमाल | गौडाकोट स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८५६०३७३९६ |
| २९ | मेघ बहादुर ठाडा | रकुवा डेढगाउ प्रा.स्वा.के, नवलपरासी | ९८५६०३६९०६ |
| ३० | हिक्मत खडका | नरम स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८६६३९६४८२ |
| ३१ | शेभा सारु | भारतीपुर स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७९४०००२ |
| ३२ | अम्बु कुमार यादव | मिथुकरम स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९७४२९९२९१० |
| ३३ | हस्वुदिन अंसारी | रकुवा स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८६४०४५२६७ |
| ३४ | राम विश्वास राउत | जौबारी स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४५५७०८२६ |
| ३५ | निशा कुमारी जयसवाल | रुचाङ स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४७४६९७३६ |
| ३६ | तिल कुमारी कुमाल | दूमिकवास स्वास्थ्य चौकी, | ९८४७०४९८३९ |
| ३७ | सिता आचार्य | बेनिमणीपुर स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४५९९९८९९ |
| ३८ | शरण किरण रानाभाट | नयांबेलहानी स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४२९०५२९८ |
| ३९ | धिरज साह | धुर्कोट स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८६६५७९०४५ |
| ४० | गज्जु कुमार पटेल | राकाचुली स्वास्थ्य चौकी, नवलपरासी | ९८४५५२०८२२ |

अनुसूची १५ : संचारकर्मीहरूको सम्पर्क सूची

| क्र.सं. | सम्पर्क व्यक्ति | सम्पर्क नम्बर |
|---------|----------------------------------|---------------|
| १ | होमराज रानाभाट | ९८५५०५६३३३ |
| २ | मध्य विन्दु एफ एम, स्टेशन मेनेजर | ०७८५४०९३८ |
| ३ | विजय एफ.एम., स्टेशन मेनेजर | ९८५५०५६८०२ |
| ४ | प्रेस चौतारी, विद्रोही गिरी | ९८५७०२८९०४ |
| ५ | प्रेस युनियन, नवीन पौडेल | ९८५७०४०५२२ |
| ६ | आरपी उपाध्याय | ९८४७०४९२३४ |
| ७ | प्रेमचन्द्र रौनियार | ९८४७०५३५७९ |
| ८ | के.वि.राना | ९८५७०२८९७० |
| ९ | हरिनारायण रेग्मी | ९८४७०५३५८९ |
| १० | दीपक भट्टराई | ९८४७०७३३६९ |
| ११ | लाल कुमार भट्टराइ | ९८४७०७३५९९ |
| १२ | विद्रोही गिरी | ९८५७०२८९०४ |
| १३ | शालिक राम कोइराला | ९८४७०७३३६० |
| १४ | राम कुमार श्रेष्ठ | ९८०४४२९०६० |
| १५ | घनश्याम बगाले | ९८५७०४०९६० |
| १६ | नारायण शर्मा | ९८५७०२७४४९ |
| १७ | वीरेन्द्र पराजुली | ९८५७०४००९९ |
| १८ | श्रीराम सिग्देल | ९८४७०५०८९० |

अनुसूची १६ : नगर/गाँउ पालिका प्रमुख/अध्यक्ष तथा प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतको सम्पर्क सूची

| सि.नं. | न.पा/गा.पा | नाम | फोन नं. | इमेल |
|--------|---------------------------|--|---------------------------|------------------------------------|
| १ | गैंडाकोट नगरपालिका | मदन भक्त अधिकारी, नगर प्रमुख | ९८५५०६३८७० | |
| | | शान्ति कोइराला नगर उपप्रमुख | ९८४७९६३७२७ | |
| | | मुक्तिराम रिजाल, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | ९८५७६३९१११ | gaindakotmun@gmail.com |
| २ | देवचुली नगरपालिका | हरि प्रसाद न्यौपाने नगर प्रमुख | ९८५७०४०१८४ | |
| | | श्री पर्वता तिवारी नगर उपप्रमुख | ९८५७०४०७४२ | |
| | | गोविन्द सिग्देल, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | ९८५७६४२१११ | devchulimunicipality@gmail.com |
| ३ | कावासोती नगरपालिका | श्री विष्णु प्रसाद भुषाल नगर प्रमुख | ९८५७०२९३८२ | |
| | | श्री फुलकुमारी महतो, नगर उपप्रमुख | ९८४७९२९६६३ | |
| | | राकेश गुरुङ्ग प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | ९८५७६४११११ | kawasotimunicipality2014@gmail.com |
| ४ | मध्यविन्दु नगरपालिका | श्री भिमलाल अधिकारी नगर प्रमुख | ९८५७०२३२६८ | |
| | | श्री पूर्ण कला महतो नगर उपप्रमुख | ९८४७९११७९५ | info@madhyabindumun.gov.np |
| | | श्री बासुदेव खनाल प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | ९८५७०४१००३ | madhyabindu@gmail.com |
| ५ | विनयी त्रिवेणी गाउँपालिका | श्री घनश्याम गिरी अध्यक्ष | ९८५७०२३०४८ | |
| | | श्री भगवति बैदवार उपाध्यक्ष | ९८४५०८७७५२ | info@binayitribenimun.gov.np |
| | | श्री दिनेश कुमार गौड प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | ९८५७०४००५४ | ito.binayitribenimun@gmail.com |
| ६ | बौदिकाली गाउँपालिका | श्री प्रकाश ओझा अध्यक्ष | ९८५७०४१०८२, ९८५१२२९३९६ | |
| | | श्री डिल कुमारी के. सी सारु उपाध्यक्ष | ९८५७०४१०५४ | |
| | | श्री प्रदिप चन्द्र सुवेदी प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | ९८५७०४६२६४ | |
| ७ | हुप्सेकोट गाउँपालिका | श्री लक्ष्मी पाण्डे, अध्यक्ष | ९८५७०८७३०० | hupsekotrmun@gmail.com |
| | | श्री पूर्ण सिं राना उपाध्यक्ष | ९८५७०८७३०१ | |
| | | श्री सुरेन्द्र प्रसाद बस्याल प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | ९८५७०८७३०२ | |
| ८ | बुलिङ्गटार गाउँपालिका | श्री दिपेन्द्र सुनारी, अध्यक्ष | ९८४३९६१५६६ | bulingtargaunpalika@gmail.com |
| | | श्री दिलमाया राना | ९८६५४५०७८१ | |
| | | श्री बोधराज बस्याल प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | ९८५७०७०१०७ | |

अनुसूची १७ : आपूर्तिकर्ताहरूको सम्पर्क विवरण (केही)

| क्र.सं. | व्यवसायको नाम | व्यवसायिको नाम | सम्पर्क नम्बर | ठेगाना |
|------------------------------------|--------------------------------------|---------------------|-----------------------|----------------------|
| चामल, चिउरा, चाउचाउ, तेल, औषधि आदी | | | | |
| १ | सुमन जनरल स्टोर्स | माधव प्रसाद कोइराला | ९८४५११२९६० | मुकुन्दपुर ४ हर्कपुर |
| २ | न्यू कन्चन सप्लायर्स | रामप्रसाद ढकाल | ०७८५०१६७० | गैडाकोट २ |
| ३ | फास्टफुड नेपाल (उत्पादक) | चौधरी ग्राम उद्योग | ०७८५४५०२३, ५४५००८ | दुम्कौली |
| ४ | एग्रो गोल्ड तेल मिल | दिपक प्रसाद सापकोटा | ९८५५०५५०३२ | गैडाकोट |
| ५ | नारायणी मैदा मिल | प्रमुख | ०५६ ५०३०९४ | गैडाकोट |
| ६ | सि.जि. | खड्ग बहादुर पौडेल | ९८०२०२०११२ | दुम्कौली |
| ७ | टाईम फर्मा स्यूटिकल्स | प्रमुख | ०७८ ५०३१३१ | मुकुन्दपुर |
| ८ | सुमी फर्मा स्यूटिकल्स | प्रमुख | ०७८ ६२०२२८ | मुकुन्दपुर |
| १० | विजय श्री उपभोक्ता सहकारी मिनी मार्ट | अध्यक्ष | ९८५५०६५४४९ | गैडाकोट |
| ११ | किसान मार्ट, | व्यवस्थापक | ९८५५०५२३७१, ०७८५०१९१९ | गैडाकोट |
| १२ | गैडाकोट खाद्या उद्योग | शालिकराम सापकोटा | ९८५५०६०८३१ | गैडाकोट |

अनुसूची १८ : जिल्लामा उपलब्ध हेलिप्याडको विवरण

| क्र.सं. | स्थान | जिआर | अक्षांस देशान्तर |
|---------|-------------------|----------|------------------------|
| १ | हान्तीखोर | 13606443 | N27°41'53" 84°08'98" |
| २ | भ्याल्डुङ्गाडाँडा | 94725752 | N27°38'9" E 83°56'39" |
| ३ | भ्याल्डुङ्गाडाँडा | 94305820 | N27°38'31" E 83°56'24" |
| ४ | त्रिवेणी | 83404400 | N27°30'49" E 83°49'55" |
| ५ | दाउन्ने | 83404400 | N27°30'49" E 83°49'55" |
| ६ | अमलटारी | 0949 | N26°33'56" E 84°05'24" |
| ७ | पोखरी ताल | 13646419 | N27°40'45" E 84°08'17" |

अनुसूची १९ : नेपाल रेडक्रस उपशाखाहरूको सम्पर्क सूची

| क्र.सं. | उपशाखाको नाम | ठेगाना | सभापतिको नाम | सम्पर्क नम्बर |
|--|-----------------------------|-------------|---------------------------|---------------|
| १ | ने.रे.सो.शिवमन्दिर/कावासोती | कावासोती | श्रीवेदप्रसाद न्यौपाने | ९८५७०२७४६७ |
| २ | ने.रे.सो. गैडाकोट | गैडाकोट | श्री उमाकान्त सापकोटा | ९८५५०५९४२५ |
| ३ | ने.रे.सो. दाउन्ने देवी | दुम्कबास | श्री रेखा अधिकारी | ९८५७०४६०२१ |
| ४ | ने.रे.सो. आरुङ्गखोला | आरुणखोला | श्री मेघराज पाण्डेय | ९८५७०४११२५ |
| ५ | ने.रे.सो. देव-बरचुली | रजहर | श्री लक्ष्मी प्रसाद पौडेल | ९८६७०२६१७० |
| ६ | ने.रे.सो बुलिङटार | बुलिङटार | श्री अशोक श्रेष्ठ | ९८५७०४१३४९ |
| ७ | ने.रे.सो त्रिवेणीधाम | त्रिवेणीधाम | श्री रन्ताकुमारी काफ्ले | ९७४७०१९४८४ |
| ८ | ने.रे.सो चोरमारा | चोरमारा | श्री बिन्दु काफ्ले | ९८५७०४१०९३ |
| ९ | ने.रे.सो कोल्लुवा | कोल्लुवा | श्री बद्रिनाथ नेपाल | ९८१२९०२७९७ |
| १० | ने.रे.सो अमरापुरी | अमरापुरी | श्री मुकुन्द प्रसाद पौडेल | ९८५७०४१४७१ |
| ११ | ने.रे.सो प्रगतिनगर | प्रगतिनगर | श्री शशिधर रेग्मी | ९८५७०४०३१७ |
| रेडक्रस नवालपरासी (ब सु पूर्व) अर्न्तगतका प्राथमिक उपाचर प्रशिक्षक एवं स्वयंसेवकहरू | | | | |
| १ | ने.रे.सो.शिवमन्दिर/कावासोती | कावासोती ६ | श्री शशिधर कंडेल | ९८५७०४५५२६ |
| २ | ने.रे.सो.शिवमन्दिर/कावासोती | कावासोती २ | श्री हिराकुमारी महतो | ९८५७०४००३६ |
| ३ | ने.रे.सो गैडाकोट | गैडाकोट | श्री गोविन्द रिमाल | ९८५७०४६८०० |
| ४ | ने.रे.सो. देव-बरचुली | देवचुली ३ | श्री लक्ष्मि प्रसाद पौडेल | ९८६७०२६१७० |
| ५ | ने.रे.सो. देव-बरचुली | देवचुली १२ | श्री निराजन प्रसाद चौधरी | ९८४७०९४०४५ |
| ६ | ने.रे.सो. देव-बरचुली | देवचुली १६ | श्री मैना कुमारी श्रेष्ठ | ९८४७०७१५३६ |

अनुसूची २० : संकटासन्न गाउँपालिका तथा नगरपालिकाअन्तर्गतका विद्यालयहरूको सम्पर्क सूची

| क्र.सं. | गा.पा./न.पा | विद्यालयको नाम | प्र.अ.को नाम | सम्पर्क फोन |
|---------|---------------|-----------------------------------|------------------------|------------------|
| १ | देवचुली | देवचुली मा.वि. | नारायण प्रसाद भण्डारी | ९८४७०५३३१७ |
| | | वडचुली मा.वि. | चन्द्रदेव तिवारी | ९८५७०४०८१२ |
| २ | मध्यविन्दु | जनतासिद्ध अमर मा.वि. | पिंजड चौधरी | ९८४७०८९९५८ |
| | | जनता मा.वि. | नेत्र ब.गुरौं | ९७४७००९६६८ |
| | | भिउरान स्मालहेवन | नेत्र चौधरी | ९८१७४८९७१६ |
| ३ | गैंडाकोट | महेन्द्र स्मारक प्रा.वि. | शिवप्रसाद काफ्ले | ९८४५०५३४०८ |
| ४ | कावासोती | दुर्गा भवानी प्रावि बाघखोर | छत्तुराम महतो | ९८१५४९६५०० |
| | | नारायणी प्रावि अमलटारी | ध्रुवप्रसाद पोखरेल | ९८४७२९३६५९ |
| | | बालसिद्ध प्रावि तल्लो भिउरान | गीता पौडेल | ९८४७४९०९८० |
| | | शिव उ.मा.वि. | अर्जुन पौडेल | ९८४७०७३११९ |
| | | जनकल्याण मा.वि. | यदुनाथ काफ्ले | ९८४७०४८८२५ |
| | | नवदुर्गा आ.वि. | टिकाराम डुम्रे | ९८४७०४८३९७ |
| | | महाराजा आ.वि. | बिमला श्रेष्ठ | ९८४७०९६५१७ |
| | | जनविकास विद्याश्रम | प्रेम न्यौपाने | ९८५७०४०३५८ |
| | | सिद्धार्थ मा.वि. | भोजराज दाहल | ९८५७०२७३२० |
| | | समता शिक्षा निकेतन | महेश भुर्तेल | ९८५७०४०६८८ |
| | | हृप्सेकोट | हृप्सेकोट, जनता मा.वि. | चोक बहादुर पाइजा |
| ८ | विनयीत्रिवेणी | ना.ग.सा.संस्कृत उ.मा.वि. | रमेश पराजुली | ९७५७०४९३९९ |
| | | शिवपुरगढी मा.वि. | अदम ब. थापा | ९७४७०९९४९१ |
| | | राष्ट्रिय आ.वि. | हरि बहादुर क्षेत्री | ९८४७९३६३८८ |
| | | नेपाल आ.वि. | ओम ब. सिंह | ९८४७०४९६८९ |
| | | उज्वलशिशु मा.वि. | दिपक कुवर | ९८५७०८०७३७ |
| | | मुक्तिनाथ वेद विद्याश्रम त्रिवेणी | निलकण्ठ आचार्य | ०७८५६०९४६ |

अनुसूची २१ : प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा फारम (Initial Rapide Assessment Form /IRA)

अनुसूची-१



प्रारम्भिक द्रुत लेखाजोखा फारम

Initial Rapid Assessment Form (IRA)

विपद् लेखाजोखा मार्गदर्शन, २०७२ (प्रथम संशोधन, २०७८) सँग सम्बन्धित

१. घटनास्थलको जानकारी

| | | |
|----------------|-----------------|-----------------------------------|
| प्रदेशको नाम : | जिल्लाको नुमा : | गाउँ/नगरपालिकाको नाम : |
| वडा नम्बर : | टोल : | सूचना संकलन मिति (गते/महिना/साल): |

२. घटनास्थलको वस्तुस्थिति

| विपद्को प्रकार | घटना घटेको मिति (गते/महिना/साल) | घटना घटेको समय (घण्टा/मिनेट) |
|---|------------------------------------|--|
| | | |
| मौसमको वर्तमान अवस्था कस्तो छ ? | | <input type="checkbox"/> सामान्य <input type="checkbox"/> प्रतिकूल |
| जिल्ला सदरमुकामबाट अनुमानित दुरी (किमि) | | पालीका सदरमुकामबाट अनुमानित दुरी (किमि) |

| मृतकसंख्या | बेपत्तासंख्या | घाइते संख्या | जम्मा प्रभावित (अनुमानित घरघुरी संख्या) : | जम्मा विस्थापित (अनुमानित घरघुरी संख्या) : |
|-------------|---------------|--------------|--|---|
| महिला : | महिला : | महिला : | | |
| पुरुष : | पुरुष : | पुरुष : | | |
| बालबालिका : | बालबालिका : | बालबालिका : | | |
| अन्य : | अन्य : | अन्य : | | |
| जम्मा : | जम्मा : | जम्मा : | | |

| | | |
|--|--|--|
| खोज तथा उद्धारको अवस्था | <input type="checkbox"/> भइरहेको <input type="checkbox"/> नभएको | <input type="checkbox"/> उद्धार संख्या |
| विस्थापितहरू हाल बसिरहेको ठाउँ/संरचना | <input type="checkbox"/> मानवीय सहायतास्थल: संख्या | |
| | <input type="checkbox"/> सामुदायिक खुलास्थान: संख्या | |
| | <input type="checkbox"/> विद्यालय: संख्या | |
| | <input type="checkbox"/> सार्वजनिक भवन संख्या | |
| | <input type="checkbox"/> सडक छेउ वा सडक माथि संख्या | |
| | <input type="checkbox"/> वन क्षेत्र: संख्या | |
| | <input type="checkbox"/> आफन्त/छिमेकी: संख्या | |
| | अन्य (उल्लेख गर्ने) संख्या | |

| | | | | |
|--|---------------------------------|---------------------------------------|-------------------------|--|
| अहिले प्रभावित स्थानसम्म आवत-जावतको अवस्था | <input type="checkbox"/> ठिक छ | सामान्य अवस्थामा यातायात सेवाको पहुँच | सवारी साधन/यातायात सेवा | <input type="checkbox"/> अवरुद्ध भएको |
| | <input type="checkbox"/> कठिन छ | | | <input type="checkbox"/> अवरुद्ध नभएको |
| | <input type="checkbox"/> वन्द छ | <input type="checkbox"/> छ | | |
| | | <input type="checkbox"/> छैन | | |
| नजिकै चालु हेलीप्याडको अवस्था | | | | |
| <input type="checkbox"/> चालु | | | | |
| <input type="checkbox"/> अवरुद्ध | | | | |
| <input type="checkbox"/> छैन | | | | |

| | |
|---|--|
| स्वास्थ्य सेवा | <input type="checkbox"/> सञ्चालनमा भएको (संख्या) |
| | <input type="checkbox"/> सञ्चालनमा नभएको (संख्या.....) |
| | तत्काल उपचारका लागि स्थानान्तरण गर्नुपर्ने भएमा, संख्या: |
| सञ्चालित स्वास्थ्य सेवाकोलागि आवश्यक औषधी | <input type="checkbox"/> उपलब्ध छ |
| | <input type="checkbox"/> उपलब्ध छैन |
| विद्यालय | <input type="checkbox"/> सञ्चालनमा भएको (संख्या) |
| | <input type="checkbox"/> सञ्चालनमा नभएको (संख्या) |
| | प्रभावित विद्यार्थीहरूको संख्या |
| खानेपानीको आपूर्ति | <input type="checkbox"/> सुचारु (पर्याप्त) (संख्या: ...) |
| | <input type="checkbox"/> अपरिपूर्य (संख्या: ...) |
| | प्रभावित घरधुरी संख्या: ... |
| भौतिक संरचना | |
| निजी घर | <input type="checkbox"/> पूर्ण क्षति (संख्या) |
| | <input type="checkbox"/> आंशिक क्षति (संख्या) |
| सरकारी कार्यालय / भवन | <input type="checkbox"/> पूर्ण क्षति (संख्या) |
| | <input type="checkbox"/> आंशिक क्षति (संख्या) |

| | |
|---------------------------------------|--|
| संचार सेवा | <input type="checkbox"/> अवरुद्ध भएको |
| | <input type="checkbox"/> अवरुद्ध नभएको |
| विद्युत सेवा उपलब्ध | <input type="checkbox"/> अवरुद्ध भएको |
| | <input type="checkbox"/> अवरुद्ध नभएको |
| प्रभावित परिवारको संचित खाद्य सामग्री | <input type="checkbox"/> क्षति भएको (घरधुरी संख्या) |
| | <input type="checkbox"/> क्षति नभएको (घरधुरी संख्या) |

| | |
|-------------------|--|
| सामुदायिक भवन | <input type="checkbox"/> पूर्ण क्षति (संख्या) <input type="checkbox"/> आंशिक क्षति (संख्या) |
| कृषि बालीको क्षति | <input type="checkbox"/> क्षति (अनुमानित क्षेत्रफल (विद्या / रोपनी |
| पशु चौपाया क्षति | <input type="checkbox"/> (अनुमानित संख्या.....) |
| पक्षी क्षति | <input type="checkbox"/> (अनुमानित संख्या.....) |
| अन्य क्षति | <input type="checkbox"/> पूर्ण क्षति (संख्या) <input type="checkbox"/> आंशिक क्षति (संख्या) |

| | |
|---|---|
| अन्य सेवा आवश्यक..... | नभएको आवश्यक भए अनुमानित संख्या..... |
| ५ वर्षसम्मका बालबालिकाको लागि आवश्यक पौष्टिक आहारा तथा सामग्रीहरु | <input type="checkbox"/> आवश्यक भएको <input type="checkbox"/> आवश्यक नभएको आवश्यक भए अनुमानित संख्या..... |
| ५ वर्ष भन्दा माथिका बालबालिकाको लागि आवश्यक सामग्रीहरु - (जस्तै शैक्षिक तथा बालमैत्री स्थल (Child friendly space) | <input type="checkbox"/> आवश्यक भएको <input type="checkbox"/> आवश्यक नभएको आवश्यक भए अनुमानित संख्या..... |
| ज्येष्ठ नागरिकहरुका लागि आवश्यक सहयोग | <input type="checkbox"/> आवश्यक भएको <input type="checkbox"/> आवश्यक नभएको आवश्यक भए अनुमानित संख्या..... |
| अपांगता भएकाहरुका लागि आवश्यक सहयोग | <input type="checkbox"/> आवश्यक भएको <input type="checkbox"/> आवश्यक नभएको आवश्यक भए अनुमानित संख्या..... |
| असहाय/अशक्त विरामीको संख्या: | |

| | |
|--|--|
| फोहोर मैला व्यवस्थापनको अवस्था कस्तो छ ? | <input type="checkbox"/> सामान्य छ <input type="checkbox"/> महामारीको संभावना छ |
| शौचालयको व्यवस्था छ ? | <input type="checkbox"/> सामान्य <input type="checkbox"/> थप व्यवस्था गर्नुपर्छ (घरधुरी संख्या) |

| | |
|---|--|
| विशेष आवश्यकता (Special Requirement) भएका प्रभावितहरुको अनुमानित संख्या | |
| गर्भवती तथा सुत्केरी महिलाहरुको लागि आवश्यक सामग्रीहरु (मर्यादा सामग्री (Dignity kit) | <input type="checkbox"/> आवश्यक भएको <input type="checkbox"/> आवश्यक |

३. हालसम्म भएको राहत वितरणको अवस्था

| | |
|--|--|
| राहत वितरण गर्ने तह/संघ- संस्था/निकायको नाम : | |
| राहत वितरण गरिएका सामग्रीहरूको नाम र परिमाण (पाल, त्रिपाल, चामल, कपडा, भाडाकुडा आदि) | |
| नगद/राहत वितरण गर्ने तह/संघ- संस्था/निकायको नाम : | |
| राहत (नगद/राहत सामग्री) पाउने परिवार संख्या : | |
| राहत (नगद/राहत सामग्री) नपाएका प्रभावित परिवार संख्या : | |

४. तत्काल गर्नुपर्ने

| | | |
|----------------------------|---|---|
| स्थानान्तरण गर्न | <input type="checkbox"/> आवश्यक पर्ने संख्या <input type="checkbox"/> आवश्यक नपर्ने | |
| खाद्य तथा गैरखाद्य सामग्री | <input type="checkbox"/> परिवार (Family) टेन्ट परिवार संख्या..... | <input type="checkbox"/> खाद्यान्न (दाल, चामल, नून, तेल) |

| | |
|---|--|
| <input type="checkbox"/> त्रिपाल संख्या..... <input type="checkbox"/> गुन्दी (म्याट्रेस) संख्या..... <input type="checkbox"/> P-Foam - संख्या..... <input type="checkbox"/> कम्बल संख्या..... <input type="checkbox"/> कपडा संख्या..... <input type="checkbox"/> भाडाकुडा संख्या..... <input type="checkbox"/> Hygiene Kit (संख्या.....) <input type="checkbox"/> चर्पी (संख्या.....) | परिमाण.....कति जना <input type="checkbox"/> तयारी खाना (दालमोठ, चिउरा, भुजा, चाउचाउ, विस्कट) कतिजना <input type="checkbox"/> पिउने पानी..... <input type="checkbox"/> अन्य..... |
| प्रभावित क्षेत्रमा कुनै अवाञ्छित गतिविधि | <input type="checkbox"/> भएको <input type="checkbox"/> नभएको <input type="checkbox"/> भए प्रभावित व्यक्तिको अनुमानित संख्या |
| लैङ्गिक हिंसा, यौन हिंसा | <input type="checkbox"/> भएको <input type="checkbox"/> नभएको <input type="checkbox"/> भए प्रभावित व्यक्तिको अनुमानित संख्या |
| चोरी, लुटपाट | <input type="checkbox"/> भएको <input type="checkbox"/> नभएको |

| | |
|---|--|
| | <input type="checkbox"/> भए प्रभावित व्यक्तिको अनुमानित संख्या |
| राहतकालागि नगद सहयोग गर्न उपयुक्त अवस्था | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन |
| राहतका लागि नगद सहयोग गर्न उपयुक्त अवस्था | <input type="checkbox"/> छ <input type="checkbox"/> छैन |

५. सूचना संकलकहरुको विवरण

| क्र.सं. | नाम, थर : | पद /संस्था : | सम्पर्क नम्बर : | सूचना संकलन गरेको समयावधि (मिति र समय) | हस्ताक्षर |
|---------|-------------|--------------|-----------------|---|-----------|
| १. | टोली प्रमुख | | | | |
| २. | सदस्य | | | | |
| ३. | सदस्य | | | | |

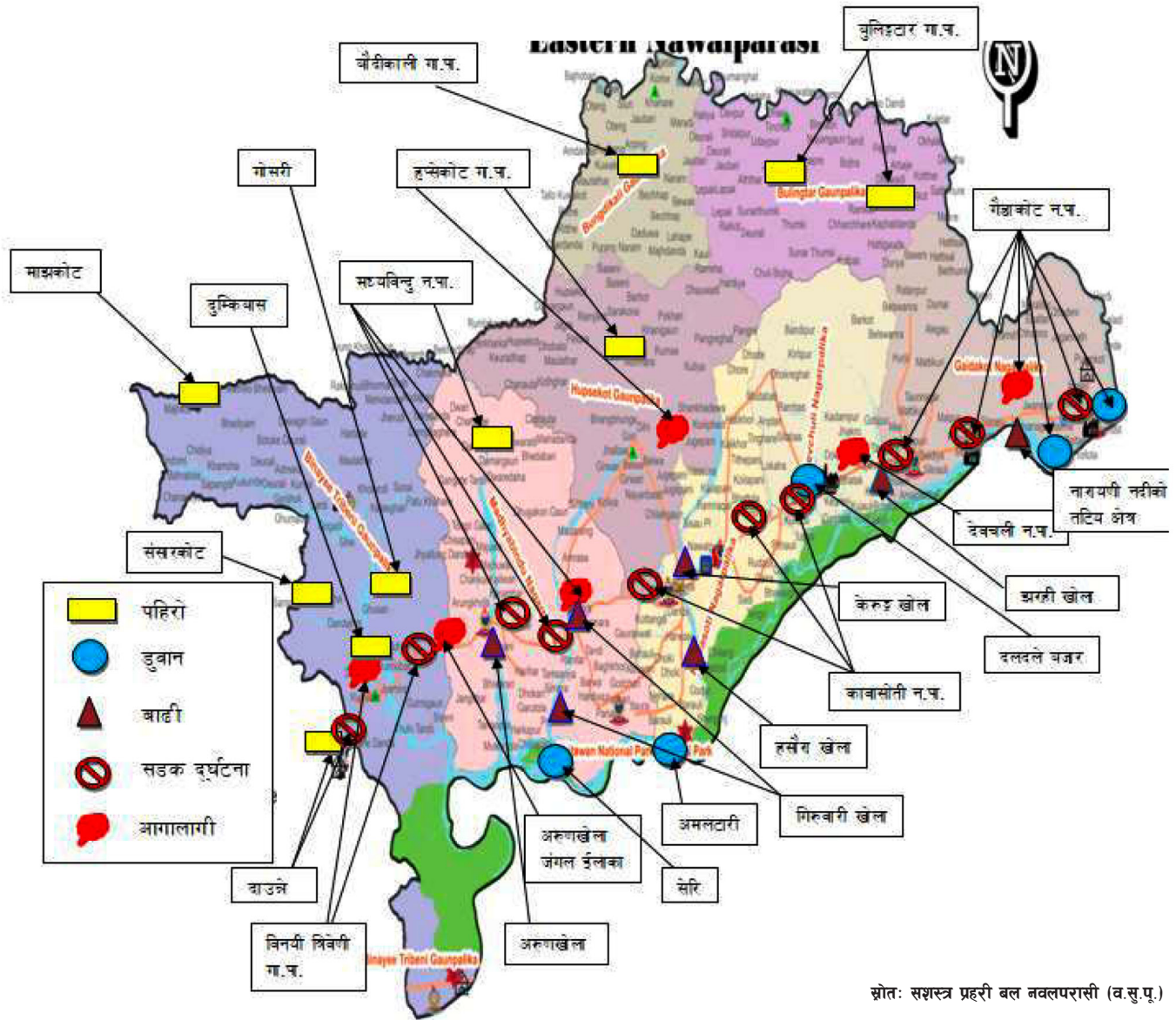
टोलीको थप टिप्पणी (Additional Observations):

.....
.....
.....

॥धन्यवाद ॥

सन्दर्भ सामाग्रीहरु

- १) विपद् व्यवस्थापन राष्ट्रिय रणनीति, २०६६
- २) नवलपरासी जिल्ला विपद् व्यवस्थापन योजना, २०६६
- ३) नवलपरासी जिल्ला पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना, २०६८
- ६) जिल्ला विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना, २०७३
- ७) जिल्ला विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना, नवलपरासी पूर्व २०७७
- ८) जिल्ला विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना, नवलपरासी पूर्व २०७८
- ७) Guiding Note, Disaster preparedness and planning process, 2011, (गृह मन्त्रालय, विपद् व्यवस्थापन शाखा)
- ८) विपद् लेखाजोखा मार्गदर्शन २०७२



स्रोत: सशस्त्र प्रहरी बल नवलपरासी (व.सु.प.)

सहयोग

